जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 1 फरवरी, 2026

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

अब सुपरमार्केट चार पहियों पर आपके घर आएगा

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

FIXED PRICE

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- प्लैटिनम शरबती राइस
- ऐलीट बासमती राइस
- पोहा
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मूंग दाल
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- उड़द दाल
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- काला चना
- काबुली चना
- हरा चना
- हरा मटर
- मोठ
- हरा मूंग
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम
- गुड़
- गुड़ पाउडर

COMING SOON

- कच्ची घानी सरसों का तेल
- ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल
- रोस्टेड फ्लेवर्ड मखाने
- खजूर
- अंजीर
- मूंगफली
- लौंग
- इलायची
- काली मिर्च
- दालचीनी
- अजवाइन
- राई
- मेथी दाना
- कसूरी मेथी
- हींग
- अमचूर पाउडर
- ब्लेंडेड मसाले
- हिमालयन पिंक सॉल्ट
- मिश्री धागा
- मिश्री पाउडर
- सोया चंक्स
- चाय और भी बहुत कुछ

रिटेलर हो या कस्टमर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

AVAILABLE AT

32000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM

WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

हमारी आनंदपूर्ण बदकारियाँ ही हमारी उत्पीड़क चाबुक बन जाती हैं। –शेक्सपियर

आयुर्वेद द्वारा मधुमेह से बचाव के सात उपाय

जिस देश में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति का उद्भव हुआ और जहाँ इसका 5000 साल का गौरवशाली इतिहास है, उसे आज आज मधुमेह की वैश्विक राजधानी कहा जाने लगा है। आज की चर्चा का विषय आयुर्वेद के माध्यम से मधुमेह की रोकथाम और नियंत्रण पर केन्द्रित है। मधुमेह पर गहन विश्लेषण की आवश्यकता क्यों पड़ी? असल में चीन के बाद भारत में सर्वाधिक मधुमेह रोगी हैं। विश्व में मधुमेह के कुल 42 करोड़ रोगियों में से 7 करोड़ से अधिक हमारे देश में होने के कारण भारत को मधुमेह की वैश्विक राजधानी कहा जाने लगा है। इसके साथ ही लगभग 77 लाख लोग मधुमेह से पीड़ित होने की कगार पर हैं, जिन्हें मधुमेह में गिरने से बचाकर कई परिवारों का कल्याण किया जा सकता है। यदि वास्तव में देश के उन नागरिकों को मधुमेह से बचाना है जो आज पीड़ित नहीं हैं, तो सात तथ्यों पर विचार किया जाना और उनसे सीख लेकर जीवन में बदलाव लाना आवश्यक है।

1. मधुमेह रोग के कारण तो पूर्णरूपेण ज्ञात नहीं हैं, फिर भी आम राय यह है कि मधुमेह का एक मुख्य कारण आज की वह जीवनशैली है। परिवार में मधुमेह का इतिहास, मोटापा, बढ़ती उम्र तथा कुछ रोगों के लिये ली जाने वाली औषधियां भी मधुमेह का कारण बनती हैं। निरन्तर मानसिक दबाव में रहने के कारण भी मधुमेह रोग से ग्रसित होने की आशंका बढ़ जाती है। महिलाओं में गर्भावस्था के समय मोटापा एवं मानसिक तनाव बाद में मधुमेह का कारण बन सकता है। हालांकि हमारा विषय यहाँ मधुमेह से बचाव पर केन्द्रित है, तथापि इतना लिखना आवश्यक है कि बायो-मेडिकल साइंस में मधुमेह के पूर्ण उपचार पर शोध अभी जारी है, अभी तो इसे केवल प्रबंधित करना ही संभव हो पाया है। आयुर्वेद चिकित्सा वस्तुतः आहार, जीवन-शैली, रसायन, औषधियों एवं पंचकर्म की सर्वथा वैयक्तिक, अर्थात व्यक्ति-व्यक्ति के लिये पृथक व्यवस्था के द्वारा किया जाता है।

2. मधुमेह एक ऐसा रोग है जिससे बचने के लिये, चिकित्सा की जरूरत पड़े बिना ही, चिकित्सा के प्रथम सिद्धांत, निदान-परिवर्जन अर्थात रोग उत्पन्न करने वाले कारणों से बचाव, की शरण में जाना पड़ता है रोग का कारण समाप्त करना ही चिकित्सा है। ऐसे तमाम कार्य जिनसे स्वस्थ व्यक्ति को मधुमेह हो सकता है, बचा जाये। इन कारकों की लंबी-चौड़ी व्याख्या हो सकती है संतुलित आहार, सुदृढ़ आचार, सम्यक दिनचर्या और आत्म-नियंत्रित मनःस्थिति के दायें-बायें होते ही सारा निदान-परिवर्जन धरा रह जाता है। जैसा कि देश के प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य डॉ. डी.सी. कटोच का मानना है कि स्वस्थ रहने के लिये आहार (संतुलित भोजन), आचार (सम्यक व्यवहार), विहार (शारीरिक श्रम, व्यायाम व मानसिक शांति) और विचार (सोच-समझ, चिंतन) पर ध्यान देना आवश्यक है। अतिवादिता, तनाव या स्वच्छंदतापूर्ण जीवनशैली से बचना, प्रकृति अनुसार जीवनयापन, और रसायनों का प्रयोग ही सर्वोत्तम बचाव है। प्रज्ञापराध से बचना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। तात्पर्य यह कि बुद्धि, धैर्य और स्मरण शक्ति के गड़बड़ाने के कारण मनुष्य जब अनुचित काम करता है तब सभी शारीरिक और मानसिक दोष प्रकुपित हो जाते हैं। हालाँकि प्रज्ञापराध रोग-जनन का एकल कारक नहीं, बल्कि असात्म्येन्द्रियार्थ संयोग तथा काल-परिणाम भी रोग-कारक हैं। तथापि, प्रज्ञापराध को सर्वदोषप्रकोपक कहा गया है, क्योंकि रोगजनन के अन्य दो कारक मूलतः प्रज्ञापराध पर निर्भर करते हैं। उपरोक्त सिद्धांत को वैज्ञानिक शोध-अध्ययनों के प्रकाश में देखें तो अवसाद तो मधुमेह का जोखिम बढ़ाता ही है, सामान्य मानसिक तनाव और चिंता, अनिद्रा, क्रोध, दुश्मनी, ईर्ष्या-जन्य मानसिक जलन आदि एक ओर डायबिटीज-2 के रोगजनन का भारी जोखिम बढ़ा देते हैं। वहीं दूसरी ओर मधुमेह-पीड़ित व्यक्ति में ये समस्यायें और भड़क जाने से मधुमेह-जनित कई विषमतायें खड़ी हो जाती हैं। अतः मधुमेह रोकने के लिये प्रज्ञापराध से दूर रहना आवश्यक है।

3. अपने आप को बीमार होने से बचाने हेतु आचार्य चरक का सुझाव भी मानना जरूरी है। हितकर भोजन व जीवन-शैली, समीक्षात्मक दृष्टिकोण, लालच, ईर्ष्या, द्वेष आदि से मुक्त, उदार, समत्व-युक्त, सत्यनिष्ठ, क्षमावान, और महान लोगों के प्रति सेवाभावी व्यक्ति को रोग नहीं होता। इसी प्रकार सुखद मति, मृदुभाषी, सुखानुबंधित, सच्चाई-युक्त, अनुशासित, निष्कपटी बुद्धि वाले, ज्ञान, तप एवं योग में तत्पर व्यक्ति भी रोगों में नहीं पड़ता।

4. आयुर्वेदाचार्यों की सलाह से संतुलित आहार, विहार या जीवन-शैली (दिनचर्या, रात्रिचर्या, ऋतुचर्या), रसायनों व पंचकर्म का समुचित प्रयोग किया जाना उपयोगी रहता है। इसके साथ ही उच्च रक्तचाप व मोटापा नियंत्रित रखना भी आवश्यक है। गुड-कोलेस्ट्रोल को बढ़ाना उपयोगी है। प्रिवेंटिव उपाय के रूप में उच्चकोटि के इम्युनिटी बढ़ाने वाले, एंटीओक्सिडेंट व एंटीइन्फ्लेमेटोरी आयुर्वेदिक रसायन डायबिटीज-2 से बचा सकते हैं। उदाहरण के लिये त्रिफला की बात करें। ऐसे लोगों का प्रतिशत सांख्यिकीय रूप से नगण्य ही है जो स्वस्थ होने के बावजूद अपने आयुर्वेदाचार्य की सलाह से कुछ वर्षों से त्रिफला का सेवन करते रहे हों, और फिर भी गैर संचारी रोग (हृदय रोग, मधुमेह, कैन्सर, मानसिक रोग आदि) से पीड़ित हो गये हों। त्रिफला के संहिता-वर्णित व शोध-समर्थित गुणों का तुलनात्मक अध्ययन बताता है कि त्रिफला लगभग सभी प्रकार के रोगों से बचाव कर सकता है, बशर्ते खान-पान एवं जीवन-शैली संयमित व संतुलित हो, और त्रिफला की गुणवत्ता उच्चकोटि की हो।

लगभग 14 लाख लोगों के मध्य किये गये अध्ययन के आँकड़े बताते हैं कि व्यायाम 26 प्रकार के कैंसर का जोखिम घटाता है। असल में व्यायाम हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मनोरोग सहित कम से कम 22 प्रकार के गैर-संचारी रोगों से बचाव की प्रमाण-आधारित औषधि है। यदि काम की चिंता किये बिना खूब जम के खाया-पिया जाये, और रात-दिन सोया जाये तो जो होना है वह आचार्य चरक ने 3000 साल पहले ही बता दिया है कि आदमी सुअर की तरह मोटा हो जाता है। ध्यान दीजिये, यहाँ अनुवाँशिक कारणों से होने वाले स्थौल्य की चर्चा नहीं हो रही है। उपयुक्त यही है कि न ज्यादा मोटापा आने दीजिये और न ज्यादा कृशकाय या अत्यंत दुबले रहिये क्योंकि ऐसे लोग सदैव रोगी ही रहते हैं।

5. शरीर की स्थिति को देखते हुये समुचित मात्रा में संतुलित ही आहार लेना चाहिये। पूर्व में खाया हुये भोजन के पच जाने पर, समुचित मात्रा में, ताजा और स्निग्ध भोजन, न बहुत तेज गति से और न बहुत धीमी गति से, तन्मयतापूर्वक भोजन करना चाहिये। भोजन में मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, व कषाय सभी रस वाले खाद्य पदार्थ होना आवश्यक है। विविध रंगों के मौसमी फल, अनार, द्राक्षा, आँवला, सूखे मेवे, मौसमी सब्जियाँ, गाय का दूध व घी, सैन्धव नमक, लाल चावल आदि नियमित भोजन में लिये जा सकते हैं। मधुमेह की रोकथाम के लिये आयुर्वेद में सुझाये गये कुछ औषधीय पौधे आधुनिक शोध में भी उतने ही प्रभावी पाये गये हैं। इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण आंमला, बेल, दालचीनी, गुडूची, हल्दी, जामुन, कैंथ, करैला, सहिजन, मैथी, धनिया, त्रिफला, अश्वगन्धा, कालमेघ, तुलसी, सौंठ, अदरक, कालीमिर्च, जीरा, लहसुन, चना, मूंगदाल, अनार आदि ऐसे द्रव्य हैं जो आहार, रसायन व औषधि के रूप में उपयोगी हैं। यदि आप भारी मोटापा-ठास्त या मोटापा-त्रस्त हैं तो समस्या हालांकि कफ-जनित या मूलतः श्लेष्मिक है, किन्तु केवल कफनाशक उपाय कारगर नहीं होते, बल्कि त्रिदोषशामक चिकित्सा, पथ्य व अन्नपान का युक्ति-व्यपाश्रयी योग प्रयुक्त करना आवश्यक है। नेवारी या लाल चावल, साँवा, जई, जौ, कोदो, मूंग, कुलथी, अरहर की दाल, परवल, आँवला आदि खाना चाहिये तथा शहद-मिश्रित जल भोजन के बाद अनुपान के रूप में पीना चाहिये। कुशल आयुर्वेदाचार्यों की मदद से मोटापे में कमी लाना संभव है। और हाँ, निकोटीन युक्त पदार्थ, सोडा-युक्त शीतल पेय, लालमांस, सोडियम-संरक्षित मांस, परिष्कृत अनाज, स्टार्च, शक्कर, नमक, और ट्रांस-वसा युक्त खाद्य, आधुनिक पद्धित से सुखाये गये या प्रसंस्कृत फल या फलों के प्रसंस्कृत जूस से सम्मानजनक दूरी बनाने में ही भलाई है।

6. मधुमेह से बचे रहने के लिये समय पर सोना और जागना भी आवश्यक है। मानसिक-शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रखने ले लिये कम से कम 7 से 8 घंटे व्यवधान-रहित नींद लेना आवश्यक है। परन्तु, लम्बे समय तक सोते रहना ठीक नहीं है।

7. नियमित व्यायाम, पैदल चलना, सूर्य नमस्कार या मिलते-जुलते व्यायाम, प्राणायाम एवं ध्यान मधुमेह रोकने में बहुत उपयोगी पाये गये हैं। बैठे-बैठे काम करने के बज़ाय हर घंटे के अंतराल में चलते-फ़िरते रहना और हाथ-पांव हिलाते हुये एम्ब्युलेटोरी मूवमेंट्स बढ़ाना दिनचर्या के अंग बनाकर डायबिटीज सहित अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के निष्कर्ष बताते हैं कि बच्चों के लिये 60 मिनट प्रतिदिन और वयस्कों के लिये सप्ताह में 150 मिनट व्यायाम होना चाहिये। लगभग 14 लाख लोगों के मध्य किये गये अध्ययन के आँकड़े बताते हैं कि व्यायाम 26 प्रकार के कैंसर का जोखिम घटाता है। असल में व्यायाम हृदय रोग, डायबिटीज, कैंसर, मनोरोग सहित कम से कम 22 प्रकार के गैर-संचारी रोगों से बचाव की प्रमाण-आधारित औषधि है। यदि काम की चिंता किये बिना खूब जम के खाया-पिया जाये, और रातदिन सोया जाये तो जो होना है वह आचार्य चरक ने 3000 साल पहले ही बता दिया है कि आदमी सुअर की तरह मोटा हो जाता है। ध्यान दीजिये, यहाँ अनुवाँशिक कारणों से होने वाले स्थौल्य की चर्चा नहीं हो रही है। उपयुक्त यही है कि न ज्यादा मोटापा आने दीजिये और न ज्यादा कृशकाय या अत्यंत दुबले रहिये क्योंकि ऐसे लोग सदैव रोगी ही रहते हैं।

अंततः मधुमेह से बचने के लिये ग्यारह सूत्र सदैव याद रखना उपयोगी होगा (य.आ.सू. 1.1-11): योगः औषधम्। भोजनं औषधम्। आहारः औषधम्। भ्रमणं औषधम्। धावनं औषधम्। चङ्क्रमणमौषधम्। व्यायामः औषधम्। सद्वृत्तं औषधम्। स्वस्थवृत्तं औषधम्। जीवनशैली औषधम्। रसायनं औषधम्। तात्पर्य यह है कि योग, आसन, प्राणायम और ध्यान, भोजन-आहार, घूमना, भ्रमण, दौड़ना, चलना-फिरना, व्यायाम, सद्वृत्त, स्वस्थवृत्त, जीवनशैली, और रसायन सभी औषधियाँ हैं, जो मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुधार करते हैं। मधुमेह से बचाव के उपायों पर आयुर्वेद की संहितायें और वैज्ञानिक शोध एकमत हैं। संतुलित आहार-विहार, व्यायाम, रसायन, योग, प्राणायाम, ध्यान आदि को अपने जीवन में नियमित रूप से अपना कर डायबिटीज-2 के गम्भीर संकट से बचा जा सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भक्तिकाल के समाज सुधारक परम संत गुरु रविदास

डॉ. जे.के. गर्ग

भक्ति काल मे स्वामी रामानंदाचार्य वैष्णव भक्ति धारा के महान संत थे। संत कबीर, संत पीपा, संत धन्ना और संत रविदास उनके शिष्य थे। संत रविदास तो संत कबीर के समकालीन व गुरु भाई माने जाते हैं। संत रविदास ने ऐसे समाज की कल्पना कि थी जहां किसी भी प्रकार का लोभ, लालच, दुख, दरिद्रता, भेदभाव नहीं हो। रविदास को पंजाब में रविदास कहा। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में उन्हें रैदास के नाम से ही जाना जाता है। गुजरात और महाराष्ट्र के लोग 'रोहिदास' और बंगाल के लोग उन्हें 'रुइदास' कहते हैं। कहते हैं कि माघ मास की पूर्णिमा को जब रविदास जी ने जन्म लिया वह रविवार का दिन था जिसके कारण इनका नाम रविदास रखा गया। जूते बनाना रविदास जी का पारिवारिक व्यवसाय था। जिसे वे पूरी लगन तथा कर्तव्य निष्ठा से करते थे। संत रैदास की वाणी भक्ति की सच्ची भावना, समाज के व्यापक हित की कामना और मानव-प्रेम से ओत-प्रोत होती थी। उनकी वाणी का इतना व्यापक प्रभाव पड़ा कि समाज के सभी वर्गों के लोग उनके भक्त बन गये। मुग़ल शासक बाबर भी रविदास जी का अनुयायी बन गया और उनसे प्रभावित होकर बाबर अच्छे सामाजिक कार्य भी करने लगा।

रविदास जी मानते थे कि यदि आदमी का मन पवित्र है और वो अपना कार्य करते हुए, ईश्वर की भक्ति में तल्लीन रहता हैं तब उसके लिये प्रभु भक्ति से से बढ़कर कोई तीर्थ-स्नान नहीं है तो ऐसा इंसान सच्चा भक्त है। कोई भी व्यक्ति छोटा या बड़ा अपने जन्म के कारण नहीं बल्कि अपने कर्म के कारण होता है। मनुष्य के कर्म ही उसे ऊंचा या नीचा बनाते हैं। राम, कृष्ण, करीम, राघव आदि सब एक ही परमेश्वर के अलग अलग नाम हैं। वास्तव के अंदर वेद उपनिषद बाईबिल गुरु ग्रन्थ साहिब कुरान, पुराण आदि ग्रन्थों में परमेश्वर का गुणगान किया गया है। आदमी को परमात्मा की भक्ति बड़े भाग्य से प्राप्त होती है। कर्म हमारा धर्म है और फल हमारा सौभाग्य। इसलिए हमें हमेशा सात्विक कर्म करते रहना चाहिए। हमारा यह शरीर माटी का वह पुतला है जो नाचता-उड़ता फिरता रहता है इसे अगर कुछ मिल जाता है, तो वह घमंडी हो जाता है और माया के खत्म होते ही रोने लगता ह।

रविदास जी का मानना था कि शरीर तो भौतिक वस्तु है, उसे तो एक न एक दिन नष्ट हो ही जाना है। इसलिए हमें इस पर अभिमान न कर अपनी अंतरात्मा को शुद्ध और निर्मल रखना चाहिए। रविदास जी ने आर्थिक विषमता, गरीबी, बेकारी और बदहाली से मुक्ति के लिए श्रम, स्वावलंबन का सिद्धांत दिया था। संत रविदास ने बाह्याडंबर, ढकोसला आदि का खंडन कर एक नई वैज्ञानिक विचारधारा का निर्धारण किया जिससे हिंदू, मुस्लिम संस्कृति के मध्य की विशाल खाई को पाटने में काफी सहायता मिली। निसंदेह रविदास जी की अमृतवाणी ने पूरे भारत में भावात्मक एकता स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। रविदास जी जीवन पर्यंत भेदभाव को समूल नष्ट करने के लिए प्रयासरत रहे। वे अपने समय से बहुत आगे थे। सच्चाई यही है कि संत रविदास जी के 40-41 पद गुरु ग्रन्थ साहब में मिलते हैं जिसका सम्पादन गुरु अर्जुन सिंह देव ने 16वीं सदी में किया था। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में मीरा के मंदिर के आमने एक छोटी छत्री है जिसमे मान्यताओं के मुताबिक रविदासजी के पदचिन्ह स्थापित है। रैदास नाम से प्रसिद्ध संत रविदास का जन्म सन् 1388 (इनका जन्म कुछ विद्वान 1398 में हुआ भी बताते हैं) को बनारस के सीर गोवर्धन में हुआ था। उनके जन्म स्थल पर एक भव्य मंदिर निर्मित किया गया है और उनकी जयंती के मौके पर यहां तीन दिन तक उत्सव मनाया जाता है।

अनेकों लोग मानते हैं कि गुरु रविदास को अद्भुत सिद्धियां प्राप्त थीं। कुछ मान्यताओं के मुताबिक बचपन में एक बार उनके एक प्रिय मित्र की मृत्यु हो गई थी। सब लोग इसका शोक मना रहे थे। लेकिन जैसे ही रामदास ने करुण हृदय से दोस्त को पुकारा तो वह जीवित होकर उठ बैठा। रविदास की पिता की मृत्यु के बाद उन्होंने अपने पड़ोसियों से अनुरोध किया कि वो गंगा नदी के किनारे उनके पिता का अंतिम संस्कार करने मे उनकी मदद करें, वे बोले कि अंतिम संस्कार करने के बाद वो गंगा में स्नान करेगें। ब्राह्मण समुदाय ने इसका विरोध किया और बोले उनके स्नान करने से नदी का जल प्रदूषित हो जायेगा। रविदास जी दुखी हो गये और बिना स्नान किये अपने पिता की आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना करने लगे। अचानक से वातावरण में एक भयानक तूफान आया और नदी का पानी उल्टी दिशा में बहना प्रारंभ हो गया और जल की एक गहरी तरंग आयी और लाश को अपने साथ ले गयी। इस बवंडर ने आसपास की सभी चीजों को सोख लिया। तब से, गंगा का पानी उल्टी दिशा में बह रहा है। रविदास जी के चमत्कार से राजा और शिकायत करने वाला ब्राह्मण एवँ सभी दरबार में उपस्थित लोग बेहद शर्मिंदा हुए और वो सभी गुरु रविदास के अनुयायी भी बन गये। अस्पृश्य होने के बावजूद भी जनेऊ पहनने के कारण ब्राह्मणों की शिकायत पर उन्हें राजा के दरबार में बुलाया गया। वहाँ उपस्थित होकर उन्होंने कहा कि अस्पृश्यों को भी समाज में बराबरी का अधिकार मिलना चाहिये क्योंकि उनके शरीर में भी दूसरों की तरह खून का रंग लाल होता और उनके अंदर पवित्र आत्मा होती है। संत रविदास ने तुरंत अपनी छाती पर एक गहरी चोट की और उस पर चार युग जैसे– सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर और कलयुग की तरह सोना, चाँदी, ताँबा और सूती के चार जनेऊ खींच दिये। राजा समेत सभी लोग अचंभित रह गये और गुरु जी के सम्मान में सभी उनके चरणों को छूने लगे।

राजा को अपने बचपन जैसे व्यवहार पर बहुत शर्मिंदगी महसूस हुयी और उन्होंने इसके लिये माफी माँगी। आज के असहिष्णुता, पारस्परिक अविश्वास, धार्मिक उन्माद और वैमनस्यता के विषाक्त वातावरण में रविदास जी की शिक्षाएं हमें सही रास्ता दिखा सकती है जिससे हम देश के अंदर धार्मिक सद्भाव सौहार्द आपसी भाईचारे और जाति पाती विहीन सभ्य समाज का निर्माण कर सकते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार माघ माह की पूर्णिमा के दिन गुरु रविदास जयंती मनाई जाती है। 01 फरवरी 2026 को रविदास जी की 649वीं जयंती मनाई जा रही है। संत रविदास के जन्म को 648 वर्ष बीत जाने के बाद भी उनके उपदेश, दोहे आज भी मानव मात्र के कल्याण के लिये जरूरी है। समूचा राष्ट्र संत रविदास जी को उनके 649वें जन्म दिन पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

–डॉ. जे. के. गर्ग, पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर

माना बिगड़े बोलों पर धर्माचार्यों, मौलवियों आदि का सरकार कुछ ज्यादा कर नहीं सकती या करना नहीं चाहती

किंतु मंत्रियों, एमपी, एमएलए के विरुद्ध तो त्वरित कार्यवाही हो ही सकती है, या यों ही सब चंगा सी

महावीर सिंह

काफी समय से विभिन्न धर्मों के धर्माचार्य कई अत्यंत बेतुकी,अशोभनीय बातें, विशेषतः महिलाओं के संबंध में, बड़े गर्व से बोलते दिखें है। इसी प्रकार माननीय कहलाने वाले संसद, विधायक भी संविधान विरोधी बातें दिल खोल कर बड़े-बड़े मजमो में बोलते है और सबसे ऊपर प्रदेशों और केंद्र के कुछ मंत्रियों का तो कहना ही क्या, भाषा और आचरण की सभी मर्यादाओं को तिलांजलि देते दिखाई दिए है। उनको शर्म आए या नहीं आए किंतु उन्हें सुनने वालों और देखने वालों को तो इन लोगों के घटिया वाणियों पर अवश्य शर्म आती होगी, गुस्सा आता होगा और नहीं आता तो आना चाहिए।

आज हो क्या रहा है कि सभी धर्मों के धर्मावलंबी आस्था, परम्परा के नाम पर कुछ का कुछ बोलते रहते है। सार्वजनिक व्यवस्था को भंग करने को तत्पर रहते है। मुस्लिम धर्म को मानने वाले सड़कों पर नमाज पढ़ने को, ताजियों के जुलूस को व्यस्तम रास्तों पर निकलने को लेकर तो हिन्दू लोग भी श्री रामजी के जन्मोत्सव पर या अन्य किसी त्योंहार, देव जन्मदिन के नाम पर घंटों घंटों सड़कों पर यातायात बाधित करने को परम्परा के नाम पर उचित ठहरा सकते है। अजान की आवाज और किसी देवता की जय घोष जब तक उच्चतम डेसिबल आवाज में नहीं हो तब तक शायद उन देवताजी, अल्लाह, भगवान तक नहीं पहुंचती, ऐसा यह आस्थावान लोग मानते होंगे या मौलवी, पुजारी ऐसा बताते होंगे।

कबीर जी के दोहे याद आए -- कंकर पत्थर जोड़ के मस्जिद लई चुनाय, ता चढ़ी मूला बांग दे, क्या बहरा भया खुदा। इसी प्रकार -पाहन पूजे हरि मिले तो मैं पुजूं पहार। ताते यह चाकी भली, पीस खाए संसार।

यह सही है कई परंपराओं के सदियों पुरानी होने का रिकॉर्ड मिलता है। आस्था के लिए कोई तर्क काम नहीं करता क्योंकि लोगों की मान्यता बन जाती है कि यह हजारों सालों से लोग मानते आए है।

किंतु क्या बदली हुई परिस्थितियों में इन पर तर्क संगत पुनर्विचार की कोई गुंजाइश नहीं???? ऐसी गुंजाइश होनी तो चाहिए क्योंकि अब जनसंख्या, वाहन आदि बेहतासा बढ़ गए हैं, तकनीकी ने चींजों को बहुत आसान आना दिया है। सड़कों पर जुलूस आदि नियंत्रित होने ही चाहिए ताकि यातायात बाधित न हो। बहुत सी आस्थाओं को भी अब तर्क के आधार पर समझा जा सकता या गुडबाय किया जा सकता है। क्या व्यस्त सड़कों के बीच बने छोटे मंदिरों, मजारों को हटाने पर विचार करना चाहे या उन को नहीं हटाने देने को लेकर संग्राम किया जाना चाहिए? वैसे यह सवाल पूछना तो बनता है कि इन कई धर्माचार्यों, नेताओं को किसने यह अधिकार दिया कि वे किसी भी नागरिक के देश प्रेम, राष्ट्रवाद के प्रति प्रेम की जांच करते फिरें??

यह बयान बहादुर लोग अच्छी तरह से जानते है कि उनकी कही बातों का वास्तविक, वैधानिक मूल्य शून्य है किंतु उनका मकसद समाज में विभाजन करना, अपने धंधे के लिए फोलोवर्स बढ़ाना है सो वे बखूबी कर रहे है। यह अत्यंत खेद जनक है कि प्रतिष्ठित राज नेता, सामाजिक नेता, टीवी चैनल्स इन बातों को उनकी आस्था, परम्परा की बात कह कर उचित ठहराने का प्रयास करते है। मुझे स्मरण पड़ता है यूपी ए के एक मंत्रीजी का बयान जिसमें वे एक ओबीसी वर्ग के व्यक्ति ने कोई धार्मिक कथा सुना दी और उसके साथ क्या हुआ यह सर्व विदित है और मंत्रीजी कह रहे थे कि जो जिसका काम है वहीं करे, कोई ओर करेगा तो विरोध तो होगा। गनीमत है उन्होंने इस बयान पुनरावृति नहीं की है।

सदियों से चला आ रहा एक सारगर्भित मुहावरा है ---"यथा राजा तथा प्रजा। यथा प्रजा तथा राजा।" (चाणक्य के श्लोक का आखरी भाग)

इसके कई अर्थ होंगे किंतु लेखक की दृष्टि में मोटा-मोटा अर्थ यह मानना चाहिए कि --यदि राजा ठीक तो प्रजा ठीक रहती है या राजा ठीक कर देता है। यदि प्रजा ठीक हो तो राजा ठीक हो जाता या प्रजा, देर-सबेर उसे सुधार ही देती है।

हमारे यहां सदियों से प्रजा के बड़े है भाग की सोच ऐसी रही है और अब भी है:-- कोई नृप हो हमे का हानि, चेरी छोड़ होंउब न रानी--पाठक स्वयं इस विचार करें कि क्या ऐसी सोच देश हित में हो सकती है क्या? 800-900 साल पहले जब यह पंक्तियां लिखी गई तब के आम आदमी की तुलना में आज के आम आदमी के अधिकार हजार गुणा ज्यादा है। अब तो सीधे-सीधे प्रजा ही राजा चुनती है। यह बात अलग है कि चयन गलत हो तो काफी समय भुगतना भी पड़ता है। क्या ऐसी सोच हमेशा के लिए चल सकती है क्या? शायद नहीं। इस सोच का नतीजा है कि हम लोग, हमारे चारों ओर तथा हमारे साथ होने वाले व्यवहार के प्रति उसे सहन करने या अनदेखा करने की मनोदशा बनाए रखते है।

आइए, अब जरा संविधान की दृष्टि से भी देखें कि क्या हमारे माननीय संसद, विधायक, मंत्री लोग ऐसी विषैली वाणी बोल सकते हैं क्या जैसा कुछेक माननीय करते हैं। सांसदों, विधायकों को सदन में अपनी सीट ग्रहण करने से पहले संविधान की आर्टिकल 99 व 188 के अनुसार शपथ लेनी होती है जिसका मोटा अर्थ है कि वे भारत के संविधान के प्रति सच्ची आस्था व निष्ठा रखेंगे अर्थात वे संविधान में लिखी बातों को मानेंगे, पालना करेंगे और उसके विपरीत कुछ भी नहीं करेंगे। शपथ के दूसरे अंश द्वारा यह लोग भारत की संप्रभुता और इंटीग्रिटी (अखंडता) को बनाए रखेंने की शपथ लेते हैं। यही शपथ उन सब को भी लेनी पड़ती जो संसद, विधायक का चुनाव लड़ते है। केंद्र अथवा राज्यों में जो मंत्री बनाए जाते है वे भी संविधान की आर्टिकल 75(4) के अनुसार काम करने, उसके प्रति निष्ठावान, आस्थावान रहने की प्रतिज्ञा लेते है। मंत्रियों के लिए शपथ का अन्य अंश यह भी है कि वे सभी लोगों के प्रति संविधान के अनुसार बराबरी का व्यवहार करेंगे। करते हैं क्या, यह आप सब बेहतर ढंग से जानते हैं। इन शपथों के प्रारूप संविधान के तीसरे शिड्यूल्ड के अनुसार हैं जो संविधान का हिस्सा है।

कई कानून के जानकार लोगों से चर्चा की। उनका कहना है कि संविधान की भावनाओं के विपरीत सीधा-सीधा कुछ बोलना किसी कानून में अपराध परिभाषित नहीं है। इसलिए इनके विरुद्ध कानूनन तो कुछ नहीं किया जा सकता। वैसे भी राज्यों की पुलिस प्रभावशाली लोगों के विरुद्ध कब कुछ करती है और वह भी जब ऐसा बोलने वाले सत्ताधारी राज्यों में हों।

इनका सुरक्षा कवच है संविधान की अनुच्छेद 19 (1(ए), (19)(2), जिनमे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केवल कुछ अपवादों को छोड़कर कोई अंकुश नहीं लगाया जा सकता है। इस का यह माननीय लोग बखूबी दुरुपयोग करते है।अक्सर कहते सुने जाते है,--- यह हमारे विचार है।

यदि उनके मीठे!! बोलों से, लिखने से सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो,नफरत फैले या देश की सुरक्षा, अखंडता को खतरा हो तो भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196,197, 351 (2), 152 में नफरत फैलाने, राष्ट्रीय एकता अखंडता को दुष्प्रभावित करने वाले,सार्वजनिक शरारत फैलाने, राजद्रोह आदि अपराध परिभाषित हैं।

एक मित्र में कहा कि यदि संसद या विधायिका चाहे तो प्रस्ताव लाकर,पारित करवा कर, ऐसे माननीयों की सदस्यता समाप्त कर सकती है।मुझे तो याद नहीं कि कभी कोई ऐसी कार्यवाही इस प्रकार के नफरती बयानों के लिए की गई हो। एक ओर मित्र का कथन था कि संविधान में संशोधन कर के, सदनों के पीठासीन अधिकारियों को यह अधिकार दिया जाना चाहिए कि वे ऐसे माननीयों को बाहर का रास्ता दिखा सकें। वैसे दलबदल विरोधी कानून का, पीठासीन अधिकारियों के माध्यम से कैसे, कितना सही सही क्रियान्वयन हुआ है, क्या हश्र हुआ है, सभी को याद ही होगा। स्पष्ट है कि जब तक सदनों में बहुमत वाले दल नहीं चाहेंगे, ऐसे बोलों पर लगाम लगना असंभव लगता है।

वैसे कुछ अच्छी कार्यवाही पत्रकार, टीवी चैनल्स, अखबार वाले भी कर सकते है। वे इनके बयानों को एक बार जनता के सामने लाने के अतिरिक्त प्रिंट मीडिया या टीवी चैनल्स पर बार बार कोई स्थान नहीं दें। प्राइम टाइम डिबेट्स तो बिल्कुल नहीं करवाएं। बहुत से लोग तो विवादित बयान देते ही इसलिए है कि उन्हें इन माध्यमों के जरिए पब्लिसिटी मिले। मौलवियो, धर्माचार्यों आदि को बुलाकर, टीआरपी के लिए उनकी तूं-तूं, मैं-मैं वाली मुर्गा लड़ाई नहीं करवाएं।

रामचरित मानस से तुलसीदास जी में कहा है:-

दैहिक, दैविक, भौतिक तापा
राम राज्य नहिं काहूहि व्यापा॥
सब नर करहिं परस्पर प्रीती
चलहिं स्वधर्म नित श्रुति नीति॥

(मैं स्पष्ट कर दू कि इस अंतिम पंक्ति का मेरा अर्थ है हर व्यक्ति हमारे नए नीति शास्त्र, श्रुति भारत के संविधान के अनुसार कर्तव्य पालन)

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों, संविधान निर्माताओं और सबसे ऊपर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने आजाद भारत की ऐसे ही राम राज्य के रूप में कल्पना की थी। नफरत नहीं प्रीत का संदेश है इस चौपाई में। हर नागरिक से यह आशा की गई है कि वह धर्म और नीति के अनुसार व्यवहार, कार्य, व्यापार, कारोबार करेगा।चौपाई में वर्णित स्वधर्म का व्यापक अर्थ भी यही है कि हर नागरिक अपना काम निष्ठा, नियम कायदों के अनुसार करके राष्ट्र सेवा करेगा। राम राज्य जैसे राष्ट्र में घटिया नफरती नारों, धर्म के नाम पर तरह-तरह के नफरती वाक्य गढ़ कर सोशल मीडिया में डालना, तेरे-मेरे अलग-अलग मुल्कों की बात करना, रामजादे - हरामजादे, बंटेंगे तो कटेंगे आदि कई तरह के बेहूदा नारों के लिए, महिलाओं के प्रति अपमानजनक सार्वजनिक बयानों के लिए,अधिक से अधिक और कम से कम चार बच्चे पैदा करने जैसे नफरती उपदेशों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस)

राशिफल रविवार 1 फरवरी, 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, रविवार, विक्रम संवत 2082, पुण्य नक्षत्र रात्रि 11:58 तक, प्रीति योग दिन 10:19 तक, विष्टिकरण सायं 4:46 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

सर्वार्थ सिद्धि और रवि पुष्य योग, राजयोग सूर्योदय से रात्रि 11:58 तक है। भद्रा सायं 4:46 तक है। आज माघी पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत है। आज माघ स्नान समाप्त होगा। आज होलिका रोपण, भैरवी और गुरू रविदास जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:38 से 9:58 तक, लाभ-अमृत 9:58 से 12:40 तक, शुभ 2:01 से 3:22 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 6:04

मेष
घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से मनोबल बढ़ेगा। धार्मिक स्थान की लिए यात्रा संभव है।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मनोबल-आत्मविश्वास ऊंचा बना रहेगा।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मनःस्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

तुला
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की लिए यात्रा संभव है।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है।

मकर
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 180 प्रभात जयपुर, रविवार 1 फरवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

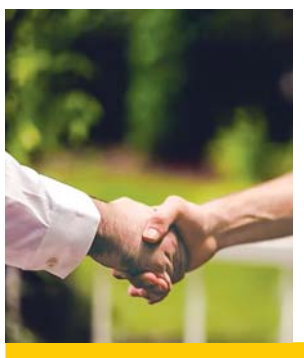

How To Acquire Neighbours

There were no compound walls; the back doors of the houses remained open all day long. It was quite common for members of the families to drop in unannounced

Ancient Pregnancy Test

Ancient Greek Gold Earrings

अचानक क्यों बदला-बदली हो गई, जयपुर के जिलाध्यक्ष की नियुक्ति में?

कुछ समय पहले तक प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा व प्रभारी रंधावा, पुष्पेन्द्र भारद्वाज को जिलाध्यक्ष बनाने में जुटे हुए थे, पर, फिर, अचानक सुनील शर्मा को जिलाध्यक्ष का पद मिल गया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। यह, राजस्थान के एक मेहनती युवा नेता की राज्य नेतृत्व के हाथों किस तरह राजनीतिक हत्या हुई, इसकी केस स्टडी है।

यह नेता है पुष्पेन्द्र भारद्वाज, जो जयपुर ज़िले के अध्यक्ष बनने की आकांक्षा रखता था। लेकिन आख़िरी समय में उसी नेतृत्व ने उसके साथ विश्वासघात किया, जिसने उससे बड़े-बड़े वादे किए थे, पद का भरोसा दिया था, उसकी इस पद को पाने की तीव्र इच्छा का पूरा फ़ायदा उठाया, लेकिन अंतिम क्षणों में उसे धोखा दे दिया, तथा अधिक "कीमत" देने वाले ऐसे नेता को पद दे दिया, जो राज्य नेतृत्व के लिए अधिक लाभकारी साबित हो सकता था।

- **क्या सुनील शर्मा ने ज्यादा ऊंची बोली लगा दी थी, यह पद पाने के लिए?**
- **कुछ ऐसा ही अजीब सा हाल है, राजसमंद के जिलाध्यक्ष की नियुक्ति का मामला। पूर्व विधानसभाध्यक्ष सी.पी. जोशी अपने खास समर्थक आदित्य प्रताप सिंह को जिलाध्यक्ष बनवाना चाहते हैं और उनसे वादा भी कर चुके हैं। पर, दोनों पड़ोसी जिलों, प्रतापगढ़ व चित्तौड़ में भी दो राजपूत जिलाध्यक्ष हैं। अतः, राजसमंद में भी एक राजपूत को जिलाध्यक्ष बनाना, शायद राजनीति की दृष्टि से संभव नहीं लगता?**
- **पर, सी.पी. जोशी अड़े हुए हैं तथा डोटासरा आजकल सी.पी. जोशी के साथ हैं।**
- **"बड़े" नेताओं के वर्तमान समीकरण जानना जरूरी होता है।**

सूत्रों का कहना है कि डोटासरा और रंधावा, दोनों ही भारद्वाज का समर्थन कर रहे थे और उन्होंने उसे आश्वस्त किया था कि जिलाध्यक्ष पद उसी को मिलेगा। यह भी बताया जाता है कि उसने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत करने से लेकर बड़े-बड़े काफ़िलों की व्यवस्था तक, सब कुछ किया, यहाँ तक कि फंड्स और कथित तौर पर एक भूखंड की व्यवस्था करने तक की चर्चाएं भी रहीं।

लेकिन आख़िरी समय में, जब जयपुर के ज़िला अध्यक्ष की घोषणा हुई, तो यह पद सुनील शर्मा को दे दिया गया, एक विवादास्पद व्यक्ति, जिन्हें पिछली बार टिकट नहीं मिला था, जब शशि थरूर ने उनके ख़िलाफ़ ट्वीट किया था, और जिनके बारे में कहा जाता है कि उन्होंने गांधी परिवार के ख़िलाफ़ कुछ असंसदीय टिप्पणियाँ की थीं। सुनील शर्मा एक प्रमुख कांग्रेसी परिवार से आते हैं और एक धनी व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं।

कांग्रेस पार्टी में "खेल" के टूटने-बिखरने और कैसे सबसे पुख़्ता आश्वासित सपने चकनाचूर हो जाते हैं, की पूरी संरचना है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा देश में 50 जगह बजट का प्रचार - प्रसार करेगी

नयी दिल्ली, 31 जनवरी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बार के केन्द्रीय बजट का प्रचार-प्रसार करने के लिए देशभर में 50 जगहों पर संवाददाता सम्मेलन का आयोजन करेगी। साथ ही, पॉडकास्ट, सोशल मीडिया, और अखबारों में संपादकीय लिख कर भी लोगों को बजट के फायदे बताएगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा केन्द्रीय बजट को लेकर एक फरवरी से 15 फरवरी तक देश भर अभियान चलाएगी और लोगों को बजट के बारे में जानकारी देगी।

- **संवाददाता सम्मेलन, पॉडकास्ट, सोशल मीडिया व अखबारों में सम्पादकीय के जरिये बजट के फायदे बताये जायेंगे।**

इसके लिए भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ के नेतृत्व में एक केंद्रीय समिति का गठन किया है, जिसमें सरोज पांडेय, सर्वअनिल एंटनी, नरेंद्र सिंह रैना, जीवीएल नरसिम्हा राव, देवेश कुमार, श्रीकांत शर्मा, गोपाल कृष्ण अग्रवाल, संजय टंडन और गुरु प्रकाश पासवान सहित कई अन्य नेता शामिल हैं।

पहली बार जनप्रियता नहीं आर्थिक परिस्थितियां डिक्टेट करेंगी नए बजट को

नए बजट की सबसे बड़ी चुनौती निवेशकों का भरोसा दोबारा हासिल करने की है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा आम बजट, कल्याणकारी योजनाओं वाला राजनीतिक दस्तावेज़ कम और बाज़ार के हिसाब से तैयार किया गया आर्थिक बयान ज्यादा लग रहा है। यह बदलते और चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में विकास को स्थिर रखने की सरकार की जल्दबाज़ी को दर्शाता है।

अमेरिका के नेतृत्व में बढ़ते व्यापार और टैरिफ टकराव, विदेशी पूंजी के प्रवाह में कमज़ोरी और निजी निवेश में साफ़ दिखाई दे रही सुस्ती का सामना करते हुए, सरकार आर्थिक सुधारों, खासतौर पर टैक्स और पूंजी बाज़ार सुधारों को अपनी वित्तीय रणनीति के केन्द्र में रखने के लिए तैयार दिख रही है।

बजट 2026 की सबसे बड़ी चुनौती निवेशकों का भरोसा दोबारा हासिल करना है। पिछले एक साल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) की रफ्तार धीमी पड़ी है, जबकि बार-बार नीतिगत आश्वासनों के बावजूद, घरेलू निजी पूंजी खर्च सतर्क बना हुआ है।

- **गत वर्ष से विदेशी निवेश की रफ्तार धीमी पड़ी है। नीति निर्माता बजट में ऐसे संकेत देने का प्रयास करेंगे, जिससे घरेलू और विदेशी निवेशकों में जोखिम लेने की इच्छा पुनः पैदा हो जाए।**
- **बाज़ार के जानकारों ने उम्मीद जताई कि सरकार कैपिटल गेन्स टैक्सेशन पर साहसिक उपायों की घोषणा करेगी, लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स को काफी हद तक सरल बनाया जा सकता है।**
- **सरकार सिक्युरिटीज़ ट्रांजैक्शन टैक्स भी वापस ले सकती है, जिसके लिए निवेशक लम्बे समय से मांग कर रहे हैं।**

अब नीति-निर्माताओं को लगता है कि सिर्फ़ ऊपर से स्थिरता दिखाना काफ़ी नहीं है। घरेलू और विदेशी, दोनों तरह के निवेशकों में जोखिम लेने की इच्छा लौटाने के लिए कर व्यवस्था और बाज़ार नियमों में ढांचागत संकेत देना ज़रूरी है।

बाज़ार के जानकारों को उम्मीद है कि सरकार कैपिटल गेन्स टैक्सेशन पर साहसिक उपायों की घोषणा करेगी। यह उम्मीद बढ़ रही है कि लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स को काफ़ी हद तक सरल और तर्कसंगत बनाया जा सकता है, ताकि लंबे समय के निवेश को ज़्यादा आकर्षक बनाया जा सके।

उतना ही अहम कदम सिक्योरिटीज़ ट्रांज़ैक्शन टैक्स (एस.टी.टी.) को वापस लेने या पूरी तरह हटाने का होगा। निवेशक लंबे समय से इसकी मांग करते रहे हैं और उनका तर्क है कि यह टैक्स तेज़ी से होने वाले लेन-देन को हतोत्साहित करता है और भारत को अन्य उभरते वित्तीय बाज़ारों के मुक़ाबले कम प्रतिस्पर्धी बनाता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या एनसीपी के नए समीकरणों में शरद पवार की पूछ नहीं हुई

सुनेत्रा पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण के मुद्दे पर शरद पवार ने कहा, मुझे तो इस बारे में मीडिया से जानकारी मिली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बुधवार सुबह एक विमान दुर्घटना में हुए निधन के बाद, उनकी पत्नी सुनेत्रा उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी के रूप में उनकी बड़ी भूमिका संभालने जा रही हैं। अजित पवार के चाचा और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा कि यह निर्णय एनसीपी ने लिया है तथा इस विषय में पवार परिवार से कोई परामर्श नहीं किया गया।

जब उनसे पूछा गया कि क्या अजित पवार के उत्तराधिकारी को तय करने की प्रक्रिया से उन्हें अलग रखा गया, तो शरद पवार ने कहा, "मुझे नहीं पता।"

- **ज्ञातव्य है कि सुनेत्रा पवार ने शनिवार शाम महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के पद की शपथ ग्रहण की, इस कार्यक्रम में शरद पवार ने शिरकत नहीं की।**
- **इस बीच एनसीपी के कुछ नेताओं ने दावा किया है कि अजित पवार एनसीपी के दोनों गुटों को एक करना चाहते थे, वे शरद पवार के जन्मदिन, 12 दिसम्बर को ही उन्हें एकता का तोहफा देना चाहते थे, पर, ऐसा हो नहीं पाया, लेकिन अजित पवार ने विलय की कोशिशें नहीं छोड़ीं।**

वरिष्ठ पवार की टिप्पणी साफ़ तौर पर राजनीति और परिवार के बीच की सीमा रेखा को दर्शाती है। ज्ञातव्य है कि जुलाई 2023 में, एनसीपी दो गुटों में बँट गई थी, जब अजित पवार ने अपने चाचा का साथ छोड़ते हुए, पार्टी से अलग होकर राज्य की राजनीति में अपनी अलग राह बनाई थी।

शरद पवार ने इस घटनाक्रम से खुद को अलग रखते हुए कहा कि उन्हें शनिवार शाम प्रस्तावित शपथ ग्रहण समारोह के बारे में मीडिया के ज़रिये जानकारी मिली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने सुनेत्रा पवार को बधाई दी

नयी दिल्ली 31 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता सुनेत्रा पवार को महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा ,"महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री बनने और इस दायित्व को संभालने वाली पहली महिला बनने पर, सुनेत्रा पवार जी को हार्दिक शुभकामनाएँ। मुझे विश्वास है कि वे राज्य के लोगों के कल्याण के लिए अथक परिश्रम करेंगी और दिवंगत अजित दादा पवार के विज़न को साकार करेंगी।"

- **उन्होंने आशा व्यक्त की कि उपमुख्यमंत्री के रुप में दिवंगत अजित पवार के विज़न को साकार करेंगी।**

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दिवंगत नेता अजित पवार की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका यूएन (संयुक्त राष्ट्र संघ) को आर्थिक तंगी में जकड़कर खत्म करना चाहता है?

अमेरिका, जो अब तक यूएन का सबसे बड़ा दानदाता था, ने 2.2 अरब डॉलर का अपना घोषित योगदान लटका रखा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जनवरी। संयुक्त राष्ट्र एक ऐसी स्थिति का सामना कर रहा है, जिसे उसके महासचिव ने एक आसन्न वित्तीय आपदा बताया है। एक ऐसा संकट, जिसके परिणाम न्यूयॉर्क मुख्यालय से कहीं आगे, दुनिया के सबसे नाज़ुक क्षेत्रों तक जाते हैं। इस आपात स्थिति के केन्द्र में अमेरिका है, जो संयुक्त राष्ट्र का सबसे बड़ा वित्तीय योगदानकर्ता है और जिसे वर्तमान में संगठन के नियमित परिचालन बजट के लिए लगभग 2.2 अरब डॉलर और चालू आकलन शुल्क देना है।

- **आर्थिक तंगी केवल बैलेंस शीट का मुद्दा नहीं है, बल्कि, यूएन की विश्वसनीयता का अहम मुद्दा है।**
- **आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर होने से, यूएन की निष्पक्ष निर्णय लेने की क्षमता कमज़ोर पड़ती है, तथा दान-दाता हावी हो जाते हैं, और फिर उन समृद्ध देशों के एजेंडे के अनुरूप काम करने को मजबूर हो जाएगी, विश्व की यह अति महत्वपूर्ण संस्था।**
- **इस परिवर्तन की सबसे ज्यादा मार प्रगतिशील, थर्ड-वर्ल्ड देशों पर पड़ेगी। जिनके संकट के समय, चाहे वह महामारी का समय हो या शिक्षा का मुद्दा या शरणार्थियों की समस्या, यूएन ही एक मात्र संस्था है, जो बुरे दिनों में काम आती है, क्योंकि इन देशों के पास कोई अन्य विकल्प है ही नहीं।**

हालाँकि संयुक्त राष्ट्र की फंडिंग को लेकर विवाद नए नहीं हैं, लेकिन बकाया राशि का आकार और समय असामान्य रूप से अस्थिरताकारी है। संयुक्त राष्ट्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मांगों पर सहमति बनने के बाद नरेश मीणा का जन आंदोलन समाप्त

मांगों पर सहमति बनने पर जयपुर कूच पर निकले किसान नेता नरेश मीणा ने अपना निर्णय बदल दिया।

- नरेश मीणा ने मांगों में सम्रावता की जर्जर स्कूल को जमीदोज करके नया भवन बनाने की मांग भी बताई जा रही है।

टोंक। 12 सूत्रीय मांगों को लेकर जयपुर कूच पर निकले भगत सिंह सेना सुप्रीमो और किसान नेता नरेश मीणा तथा जिला प्रशासन के बीच मध्यरात्रि बाद सहमति बन जाने के बाद नरेश मीणा ने जयपुर कूच स्थगित कर दिया।

समझोते के दौरान एडीएम रामरतन सौकरिया और एएसपी रतन लाल भार्गव की मौजूदगी में संभागीय आयुक्त से आश्वासन के बाद नरेश मीणा ने धरना समाप्त कर जयपुर कूच स्थगित करने की घोषणा की है। यह सहमति टोंक-सवाईमाधोपुर नेशनल हाईवे पर आमली मोड के पास देर रात बनी।

इस मौके पर नरेश मीणा ने देवली उनियारा क्षेत्र की समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा था, मांगें पूरी नहीं होने पर उन्होंने 30 जनवरी से जन आंदोलन की चेतावनी दी थी। मांगों में सम्रावता की जर्जर स्कूल को जमीदोज करके नया भवन बनाने की मांग भी बताई जा रही है। शुक्रवार शाम सभा के दौरान नरेश मीणा ने मंच से 12 सूत्रीय मांगों को लेकर जयपुर कूच का ऐलान किया, ऐलान के करीब दस मिनट बाद ही वे कार में सवार होकर हजारों समर्थकों के साथ जयपुर की ओर रवाना हो गए। लेकिन बाद में प्रशासन और पुलिस ने अलीगढ कस्बे स्थित टोंक-सवाईमाधोपुर नेशनल हाईवे पर आमली मोड की रोड पर बैरिकेड्स लगाकर कूच को रोक कर धरना खत्म करवाया। कुछ समय बाद एडीएम रामरतन सौकरिया और एएसपी रतन लाल भार्गव मौके पर पहुंचे और वार्ता कर नरेश मीणा की बात मोबाइल पर जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल से भी करवाई गई। उन्होंने प्रशासन को बताया कि समरावता प्रकरण में निर्दोष लोगों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, उनकी जमानत खारिज कराने की प्रार्थना वापस लेने, समरावता को देवली से उनियारा उपखंड में जोड़ने और फर्जी मतदान कराने वाले एसडीएम के खिलाफ कार्रवाई जैसी मांगें जयपुर स्तर से जुडी हैं।

संक्षिप्त

शिविर से कोई नागरिक निराश नहीं लौटे

भरतपुर (निस)। जिला प्रभारी सचिव एवं शासन सचिव सहकारिता आनंदी ने शनिवार को पंचायत समिति भुसावर के गिरदावर सर्किल ग्राम इटामदा में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का निरीक्षण कर योजनाओं का प्रचार प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को मौके पर लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए। जिला प्रभारी सचिव ने विभागों द्वारा लगाई गई विभिन्न स्टालों का निरीक्षण कर अधिकारियों द्वारा दी जा रही गतिविधियों का फीडबैक लिया तथा योजनाओं की जानकारी देकर शिविर में ही पात्रजनों का चयन कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति शिविर से निराश नहीं लौटे यह सुनिश्चित किया जाए। प्रत्येक नागरिक को योजना की पात्रता के आधार पर से प्रेरित होकर लाभान्वित करें। ई मित्र के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति कराएं। उन्होंने कहा कि शिविर में आने वाली समस्याओं का मौके पर ही निरीक्षण कर समाधान करें अथवा भविष्य में की जाने वाली कार्यवाही से परिवादी को अवगत कराएं। जिला प्रभारी सचिव ने आम नागरिकों के परिवाद सुनकर संबन्धित विभागों से फीडबैक लिया तथा समयबद्धता के साथ त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद मृदुल सिंह, संयुक्त निदेशक कृषि राधेश्याम मीना, उद्यान जनकराज मीना, पशुपालन रामकिशन महावर सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय एवं उपखण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सरोज देवी को मिला लाभ

भरतपुर (निस)। राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रहे हैं इसके लिए ग्राम उत्थान शिविर में मौके पर ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित की जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर चलाये जा रहे ग्राम उत्थान शिविर इटामदा निवासी सरोज के लिए घर बैठे गंगा आने के समान साबित हुआ जब उसे कृषक साथी सहायता योजना में 2 लाख रूपये का चौक प्रदान किया तो उसे विश्वास ही नहीं हुआ कि उसे घर बैठे समस्या का निराकरण कर सहायता राशि प्रदान की जायेगी। सरोज के पति की कृषि कार्य करते हुए मृत्यु हो जाने पर शिविर में कृषि विपणन बोर्ड के द्वारा मौके पर प्रस्ताव तैयार कर 2 लाख रूपये का चौक अधिकारियों के हाथों प्रदान करवाया। भुसावर तहसील के गिरदावर सर्किल इटामदा में शनिवार को आयोजित शिविर में सरोज ने उनके पति की कृषि कार्य करते हुए मृत्यु हो जाने की जानकारी दी तो मौके पर ही शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी भुसावर द्वारा प्रस्ताव तैयार करवाकर कागजात की पूर्ति करवाई तथा 2 लाख रूपये का चौक प्रदान किया। चौक मिलने पर सरोज ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संवेदनशील सरकार ने उनकी पीड़ा को समझते हुए त्वरित राहत दी है इससे उसे बडी मदद मिलेगी।

पशु चिकित्सालय का निरीक्षण

कोटपूतली। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने शनिवार को पशुपालन विभाग के सघन निरीक्षण अभियान के तहत ब्लॉक पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय कोटपूतली का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। जिला कलेक्टर ने मंगला पशु बीमा योजना की प्रगति, तथा पशुधन के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

नाम परिवर्तन

मैं, रविंदर कौर (Ravinder Kour) पत्नी सुबेदार मनविंदर सिंह JC334421N, कार्यरत मुख्यालय CWE जयपुर, निवासी कठुआ (J&K), घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम रविंदर कौर (Ravinder Kaur) से बदलकर रविंदर कौर (Ravinder Kour) कर दिया जाए। मैंने सैन्यसेवा अभिलेखों हेतु शपथपत्र नं. CB774240, दिनांकः 28.01.2026 निष्पादित किया है।

मैं आर्मी न. 2701025X हवलदार (ऑपरेटर) अनिरुद्ध पटेल यूनिट 24 गार्ड (17 ग्रेनेडियर्स) हैं। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम राम यतन पटेल (RAM YATAN PATEL) और जन्मदिनाँक 01-07-1963 है जो की गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम रामजतन पटेल (RAMJATAN PATEL) और जन्मदिनाँक 01-01-1965 है।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सड़क हादसे में दो की मौत

टोंक। बरौनी थाना क्षेत्र स्थित बनास नदी पुलिया पर मोटरसाईकिल सवार को तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात ट्रेलर ने टक्कर मार दी, जिससे बाईक पर सवार दो युवक की मौत एवं एक युवक गम्भीर घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बरोनी थाना क्षेत्र स्थित वैष्णो देवी मंदिर के सामने नेशनल हाईवे पुलिया पर तेज गति से आ रहे ट्रेलर ने मोटरसाईकिल से सोहेला की ओर जा रहे युवक दिलखुश पुत्र सोकरण बैरवा उम्र 19 साल निवासी साहेला व धर्मराज पुत्र बनवारी उम्र 18 साल निवासी सरदारपुरा एवं घायल कालु पुत्र महेन्द्र बैरवा को टक्कर मार दी। इस दौरान घटना में दो युवक दिलखुश व धर्मराज की मौके पर मौत हो गई तथा कालू बैरवा गम्भीर रूप से घायल हो गया। बाद में सूचना पर पंहुची पुलिस ने घायलो को जिला अस्पताल टोंक में लाया गया, जहां मृतक दो युवको के शवो को सआदत चिकित्सालय की मॉर्चरी में रखवाया गया है।

विधायक की मौजूदगी में विकास कार्यों का शिलान्यास

- क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।
- इस दौरान विधायक धनकड ने आंतेला पीपली स्टैंड से छितोली वाया किशनपुरा होते हुए सूरजपुरा तक 7.5 मीटर चौड़ाई की सड़क के निर्माण का शिलान्यास किया।

पावटा। मुख्यमंत्री बजट घोषणा-2025 के अंतर्गत क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में शनिवार को विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तथा विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

इस दौरान विधायक धनकड ने आंतेला पीपली स्टैंड से छितोली वाया किशनपुरा होते हुए सूरजपुरा तक 7.5 मीटर चौड़ाई की सड़क के निर्माण का शिलान्यास किया।

यह सड़क 8.2 किलोमीटर लंबी होगी, जिस पर लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह सड़क बनने से क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर यातायात सुविधा मिलेगी तथा आवागमन सुगम होगा। वही जयसिंहपुरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शिलान्यास के साथ पशु चिकित्सालय भवन एवं अन्य विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य व पशुपालन से जुड़े विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। वही मुख्यमंत्री बजट घोषणा-2025 के तहत-48 से तुलसीपुरा वाया तलियारा तक 7.5 मीटर चौडाई की सडक के निर्माण का शिलान्यास किया गया। इस सडक की लंबाई 4 किलोमीटर होगी तथा इसकी अनुमानित लागत 6 करोड रुपये है। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में सडक संपर्क मजबूत होगा, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार आएगा और आमजन को सीधा लाभ मिलेगा। कार्यक्रमों को लेकर स्थानीय नागरिकों में उत्साह का माहौल है। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता व ग्रामीण मौजूद रहे।

ग्राम अवार में विकास कार्यो का लोकार्पण

कुम्हेर, भरतपुर (निस)। डीग-कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अवार में विधायक निधि से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ।

पाँच-पाँच लाख रुपये की लागत से निर्मित इंटरलॉकिंग ईंट खरंजा एवं नाली निर्माण कार्यों का लोकार्पण विधायक डॉ. शैलेश दिगम्बर सिंह के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर ग्राम के स्थानीय विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुविधा हेतु नवीन हॉल निर्माण का शिलान्यास व तीन लाख रुपये की लागत से निर्मित सामुदायिक शौचालय का भी लोकार्पण किया गया, जिससे भविष्य में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच कुशलपाल सिंह ने की तथा प्रधान देवी सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

ग्रामीण उत्थान शिविर से बदली चौमूं के सिंगोद खुर्द की तस्वीर

- अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश मूंड ने लाभार्थियों को सौंपा आशियाने का मालिकाना हक
- स्वामित्व अधिकार और पक्के आवास से ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

जयपुर। ग्रामीण उत्थान शिविर 2025 के अंतर्गत पंचायत समिति गोविन्दगढ़ (जयपुर) की ग्राम पंचायत सिंगोद खुर्द में आयोजित शिविर ने ग्रामीणों के जीवन में ठोस और सकारात्मक बदलाव की मिसाल पेश की है। शिविर के माध्यम से जहां एक ओर नागरिकों को वैधानिक अधिकार प्राप्त हुए, वहीं दूसरी ओर सुरक्षित आवास का सपना भी साकार हुआ। अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री मुकेशमूंडने लाभार्थियों को आशियाने का मालिकाना हक सौंपा। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत ग्राम रतन कँवर, पत्नी श्री लक्ष्मण सिंह, को स्वामित्व कार्ड एवं पट्टा प्रदान किया गया, जिससे उन्हें उनके आवास का वैध मालिकाना अधिकार प्राप्त हुआ। रतन कँवर ने बताया कि पट्टा नहीं होने के कारण वे बैंक ऋण जैसी सुविधाओं से वंचित थीं। पट्टा प्राप्त होने से अब वे बैंक से ऋण लेकर अपने मकान की मरम्मत कर सकेंगी। इसी शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगोद खुर्द की श्रीमती ज्योति देवी रैगर, पत्नी सांवर मल रैगर, एवं सजना देवी रैगर, पत्नी श्री मनोज कुमार रैगर, को आवास राशि की स्वीकृति प्रदान की गई। दोनों लाभार्थियों ने बताया कि पूर्व में कच्चे मकानों में रहने के कारण विशेषकर वर्षा ऋतु में भारी कठिनाइयों का सामना करना पडता था, जो अब पक्का आवास मिलने से समाप्त हो जाएगी। लाभार्थियों ने पंचायत प्रशासन के साथ-साथ उपखंड एवं जिला स्तर के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण उत्थान शिविर जैसे आयोजन योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने इस शिविर के आयोजन हेतु राज्य सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्रामीण उत्थान शिविर 2025 यह दर्शाता है कि सुनियोजित प्रशासनिक प्रयासों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण जीवन में वास्तविक और स्थायी बदलाव संभव है।

ग्राम उत्थान शिविर औचक निरीक्षण

पावटा। राज्य सरकार के दिशा-निर्देश पर आयोजित ग्रामोत्थान शिविर के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर शनिवार को गिरदावर सर्किल मंडा में ग्रामोत्थान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में प्रभारी अधिकारी साधना शर्मा उपखंड अधिकारी पावटा, सहप्रभारी तहसीलदार पावटा लोकेंद्र मीणा, एबीडीओ विजेंद्र सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्ण भाग लिया। इस दौरान समस्त विभागों द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने गिरदावर सर्किल मंडा में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने शिविर में लगाई गई विभिन्न विभागों की स्टॉलों का अवलोकन कर फीड बैक लिया। इस दौरान जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने ग्रामीणों को उन्नत कृषि एवं नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया। जिला कलक्टर गोस्वामी ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप अंतिम व्यक्ति तक सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर राहत प्रदान करें।

उन्होंने कहा कि ग्रामोत्थान शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को उनकी समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जाये।

शिविर में 15 साल से अटका काम हुआ

किशनगढ़ बास। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने किशनगढ़ बास के गांव माछरोली में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का निरीक्षण किया और योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता चेक व आवास की चाबियां सौंपकर गृह प्रवेश का लाभ दिलाया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। इस दौरान एसडीएम मनीष जाटव, तहसीलदार सुभाष यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित किया जाए तथा शिविरों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम उत्थान शिविर सरकार की मंशा के अनुरूप ग्रामीण विकास, आत्मनिर्भरता और सेवा-सुविधाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने कहा ग्राम उत्थान शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को एक ही स्थान पर 12 विभागों की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इनमें आवास, कृषि, पशुपालन, सामाजिक सुरक्षा, पेयजल, सहकारिता, उद्यानकी, कृषि विपणन, सामाजिक कल्याण, उद्योग एवं अन्य विभागों की सेवाएं शामिल हैं। शिविरों में मौके पर ही आवेदन स्वीकार कर त्वरित निस्तारण किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें।

इस अवसर पर कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा कल्टीवेटर खरीदने के लिए 10,000 रुपये की सहायता राशि का चेक भी कृषक को प्रदान किया गया। साथ ही खेतों में सिंचाई सुविधा को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पाइपलाइन दबवाने हेतु 18,000 रुपये की सहायता राशि का चेक भी लाभार्थी को सौंपा गया। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बने आवासों की चाबी लाभार्थी को सौंपी गई शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लाभार्थी पूजा देवी पत्नी धर्मपाल, सुनीता देवी पत्नी राजेंद्र सिंह फतेहाबाद, लक्ष्मी देवी पत्नी अशोक कुमार माछरोली को चाबी सुपुर्द कर गृह प्रवेश करवाया गया। आवास योजना के तहत पूजा देवी व सुनीता देवी को 60000-60000 का चेक वितरण किया तथा लक्ष्मी देवी को द्वितीय किस्त के 45000 रुपए का चेक वितरण किया गया।

यातायात सुरक्षा की मुहिम जारी रहेगी : श्रीनिधि बीटी

धौलपुर में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का समापन समारोह संपन्न हुआ।

धौलपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा समाप्त हुआ है लेकिन यातायात जागरूकता की मुहिम जारी रहेगी उक्त वक्तव्य जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी ने कहा जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी राजस्थान सरकार के दिशा निर्देश में मनाएं जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को वह गणमान्य नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान जिला परिवहन विभाग ने यातायात पुलिस के सहयोग से बेहतरीन कार्य किया और जागरूकता के क्षेत्र में कई कार्यक्रम कराए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में बताई गई बातें हमेशा जीवन में काम आती है इसलिए हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति सजग करना है उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल को तत्काल प्रभाव से नजदीकी चिकित्सालय पहुंच कर आप गुड सेमेरिटन के रूप में अपनी पहचान स्थापित करें। उन्होंने कहा कि आपसे किसी प्रकार की पुलिस द्वारा कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने कहा कि हमारा उद्देश्य सडक दुर्घटनाओं में कमी लाना है। चालान की भय से नियमों की पालन करना अपना जीवन को खतरे में डालना है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता सड़क सुरक्षा है न कि वाहन चालकों के चालान करना। जिला परिवहन अधिकारी गौरव यादव ने 31 दिवसीय सडक सुरक्षा माह का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में विभाग द्वारा कर ना जमा करने वाले वाहन स्वामियों के विरुद्ध बडे स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर यातायात पुलिस व परिवहन निरीक्षक श्रीकांत कुमावत द्वारा यातायात नियमों की पालना को लेकर शपथ ग्रहण कराई गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के डायरेक्टर अभिनव बेरी द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. गर्ग ने की विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत

भरतपुर । पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने दो दिवसीय भरतपुर दौरे के दौरान विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व वैवाहिक कार्यक्रमों में शिरकत की और लोगों की समस्याओं को भी जानकर समाधान कराने का विश्वास दिलाया।

डॉ. गर्ग ने भरतपुर शहर व ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया तथा लोगों की समस्याओं को सुना।

सार-समाचार

बाइक चोरी का प्रयास

पावटा। क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। देर रात अज्ञात चोरों ने ग्राम मांजुकोट में एक घर के अन्दर खड़ी बाइक चोरी करने का प्रयास किया। जुगल किशोर यादव ने बताया कि रात को अज्ञात चोर मकान की दिवार फांद घर में घुस गए व घर के अंदर खड़ी बाइक की चोरी कर ले जा रहा था। लेकिन जैसे ही चोर घर का दरवाजा खोल बाइक चुराने की कोशिश कर रहे थे, इसी दौरान दरवाजे आहट होने पर परिजन जाग गए। खुद को घिरता देख चोर मौके से फरार हो गए। वहीं चोर भागने से पहले एक बिना नंबर प्लेट की बाइक छोड़कर भाग गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया व आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। गनीमत रही कि बाइक चोरी होने से बच गई, लेकिन इस घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं यह पूरी घटना घर में लगे कैमरों में कैद हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौके पर मिली बिना नंबर प्लेट की बाइक को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। संदिग्धों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है। लगातार हो रही चोरी और चोरी के प्रयासों से क्षेत्रवासियों में भय का माहौल है। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने, संदिग्धों पर कड़ी नजर रखने और जल्द कार्रवाई की मांग की है।

ओलो की चादर बिछी

सांभरझील, (निसं)। सांभर में शनिवार को रात करीब 7:30 अचानक देखते-देखते ही बादलों की गड़गड़ाहट शुरू हो गई और बारिश होने लगी। बारिश 10 मिनट बात ही गिरने शुरू हो गए।

खोया पाया

मेरे प्लाट नं. ए-118 गणपति पैराडाईज सिटी ग्राम कालवाड जयपुर का मूल विक्रय पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करें। अंकुर काबरा मो. 9314501637

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: 90A/JDA/2025-26/100444 **लोक सूचना** दिनांक: 27.01.2026

श्री RAKESH MEENA पुत्र श्री BHAG CHAND MEENA जाति MEENA निवासी MEENO KI DHANI BENAD, JHOTWARA JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	[illegible] (हैक्टे.)
1	अजयराजपुरा, सांगानेर (जयपुर)	1.) राकेश मीणा पुत्र भागचंद मीणा हिस्सा पूर्ण जाति मीना	404/288	0.005	0.005
2			408/287	0.2	0.2

मकान संख्या 00 कॉलोनी मीणो की ढाणी बेनाड क्षेत्र/स्थान झोटवाड़ा शहर जयपुर पिन कोड 302012 जिला JAIPUR राज्य RAJASTHAN खातेदार

कुल 0.205

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 - क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर "विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें" Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 27-01-2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी जोन-14, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य अब्दुल लतीफ पुत्र श्री अब्दुल मजीद एवं शबाना बेगम पत्नी श्री अब्दुल लतीफ, निवासीगण-मकान नम्बर 23, भट्टा बस्ती, नागतलाई दिल्ली बाईपास रोड, जयपुर का पुत्र अफजल खान आयु-24 वर्ष, उनके कहने मे नही है तथा गलत लोगो की संगत मे है तथा मेरे अभिभाष्यगण का कहना नही मानता है तथा अपनी मनमानी करता है जिससे मेरे अभिभाष्यगण का समाज व बिरादरी मे इज्जत खराब हो रही है जिस कारण मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र अफजल खान को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति अफजल खान से किसी प्रकार का कोई लेन देन या संव्यवहार करता है तो उसके लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। सूचित रहें। जयपुर।

(मोहम्मद साबिर कुरैशी) एडवोकेट
दिनांक-31/1/2026 मो. नं. 9828168963

कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर
सोफिया स्कूल के सामने घाटगेट जयपुर
पिन कोड 302003
क्रमांक-F-52/DC/KPZ/2025/1744
दिनांक-12/01/2025

"सार्वजनिक आपत्ति सूचना"

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री रमेश चन्द शर्मा पुत्र श्री नवल किशोर शर्मा ने मकान नं. 962, तीसरा चौराहा, मिश्रा राजा जी का रास्ता किशनपोल बाजार जयपुर का 69-क, के तहत स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान के आदेश क्रमांक 7062 दिनांक 15.11.2022 के अनुसार आवेदन पत्र के साथ स्वामित्व संबंधित दस्तावेजो की फोटो प्रतियां प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति का स्वयं का क्षेत्रफल 61.58 वर्गमीटर का 69-क के तहत पट्टा चाहा है। उक्त भूखण्ड के संबंध में किसी व्यक्ति सरकारी / गैर सरकारी संस्था भवन / दुकान के अन्य हिस्सेदार, मालिको या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करे। बाद मियाद गुजरने के आवेदन का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जावेगा।

उपायुक्त, किशनपोल जोन, नगर निगम जयपुर

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत जिला जज साहब
मुकाम सवाई माधोपुर
बानो वगैरा बाबत आरती वगैरा
दावा बाबत अपील दीवानी
मुकद्दमा नम्बर CAR 22 सन् 2023

बनाम- (1) महेन्द्र पुत्र धीरेन्द्रसिंह जाति राजपूत निवासी कोटा (2) डॉ.मृदुला पत्नि धीरेन्द्रसिंह जनार्दनसिंह गहलोत निवासी जयपुर (3) मधु पुत्री धीरेन्द्रसिंह जाति राजपूत निवासी कोटा साकिन..... परगना....

चूंकि प्रार्थीया ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 199... को 1. धीरेन्द्रसिंह बनाम 2.... दायर की जो कि वाद में फोत हो गया और चूंकि..... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी...... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसक आप 3....... बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाब देही 1...... दिनांक 02 माह 02 सन् 2026 को अदालत हाजा में हाजिर होनके लिये तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 07 माह 01 सन् 2026 को जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
सवाई माधोपुर (राज.)

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मुकाम मजिस्ट्रेट पश्चिम जयपुर महानगर द्वितीय
श्रीमती वहिदन व अन्य बनाम मौहम्मद इस्माइल व अन्य
दावा बाबत घोषणा व निषेधाज्ञा
मुकद्दमा नं. 166 सन् 2015

बनाम-मुसम्मी 1/1. कमरूनिशा उर्फ चिडिया वल्द पत्नी स्व.मौहम्मद इस्माइल कौम मुसलमान, 1/2. इस्लामुद्दीन पुत्र स्व.मौहम्मद इस्माइल, 1/3. सलीमुद्दीन पुत्र स्व.मौहम्मद इस्माइल साकिन शहदी अब्दुल हमीद नगर मिर्जा इसमाइल रोड जयपुर

चूंकि वादी ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 20... को 1. वहिदन व अन्य बनाम 2. मौहम्मद इस्माइल व अन्य दायर की जो कि वाद में फोत हो गया और चूंकि मौहम्मद इस्माइल मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी प्रतिवादी नम्बर 1 के कायम मुकाम मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. 1/1 कमरूनिसा उर्फ चिडिया, 1/2 इस्लामुद्दीन, 1/3. सलीमुद्दीन बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही 1. प्रतिवादी आपको तारीख 11 माह 02 सन् 2026 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजिरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 29 माह 01 सन् 2026 को जारी किया गया।

मोहर अदालत

रीडर-सिविल न्यायाधीश एवं
न्यायिक मजिस्ट्रेट, पश्चिम
जयपुर महानगर द्वितीय

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत जिला जज साहब
मुकाम सवाई माधोपुर
बानो बाबत आरती
दावा बाबत T9 अपील
मुकद्दमा नम्बर C.M. (41) 60 सन् 2023

बनाम- (1) महेन्द्र पुत्र धीरेन्द्रसिंह जाति राजपूत निवासी कोटा (2) डॉ.मृदुला पत्नि धीरेन्द्रसिंह जनार्दनसिंह गहलोत निवासी जयपुर (3) मधु पुत्री धीरेन्द्रसिंह जाति राजपूत निवासी कोटा साकिन..... परगना....

चूंकि प्रार्थीया ने इस अदालत में तारीख... माह... सन् 199... को 1. धीरेन्द्रसिंह बनाम 2.... दायर की जो कि वाद में फोत हो गया और चूंकि..... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी...... मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसक आप 3....... बनाये जावें।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाब देही 1...... दिनांक 02 माह 02 सन् 2026 को अदालत हाजा में हाजिर होनके लिये तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्दमा आपकी गैर हाजरी में सुना व फैसला किया जावेगा।

बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 07 माह 01 सन् 2026 को जारी किया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सैशन न्यायालय
सवाई माधोपुर (राज.)

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक: F-JDA/Zone 04/2026/D-36

आम सूचना आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 277527 दिनांक 13/01/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये हैं

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Abhed Misra S/o Santosh Kumar Misra	श्रीमती कल्पना पाटनी पत्नी श्री संजय पाटनी	7	232.08 SQ. YARD	Coope-rative	SHANKAR VIHAR E Sector/ Block-	Name Transfer	पंजीकृत पटटा, पंजीकृत विक्रय पत्रों के आधार पर।

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan. gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

दिनांक- 30.01.2026 संजय कुमार गोरा, उपायुक्त (जोन- 4), जविप्रा, जयपुर

जयपुर विकास प्राधिकरण
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक F-JDA/Zone 11/2026/D-197
आम सूचना

आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 274432 दिनांक 26.12.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Name Transfer जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/ लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स.स./ निजी खातेदारी/ जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1	Neeshu Bhardwaj W/o Mukesh Kumar Verma	श्री शैलेन्द्र लालवानी पुत्र श्री ए.आर. लालवानी	225	200.00 SQ YARD	Private	GARDEN ESTATE Sector/ Block-B	Name Transfer	एक बार से अधिक बेचान एवं रजि.विक्रय पत्रों के आधार पर

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Name Transfer जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जविप्रा, जोन-11, जयपुर

कानोता, चंदलाई और नेवटा बांध प्रदूषित जल से जल्द होंगे मुक्त

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में विशेषज्ञ कर रहे बांधों का अध्ययन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजधानी जयपुर के प्रमुख 3 बांधों कानोता, चंदलाई और नेवटा के जल को प्रदूषण मुक्त कर शुद्ध करने की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार काम कर रही है। इसके लिए भारत सरकार से अधिकृत विशेषज्ञ (एजेंसी) तीनों बांधों पर विस्तृत अध्ययन कर रहे हैं। इसके बाद विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर राज्य सरकार को शीघ्र सौंपी जाएगी।

अध्ययन में विशेषज्ञ जल गुणवत्ता में सुधार,

- **जल्द ही यह विशेषज्ञ अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को सुपुर्द करेगी : मंत्री रावत**

प्रदूषण के स्त्रोतों की पहचान, जीआईएस आधारित मानचित्रण, जैव विविधता संरक्षण, जल उपचार की आधुनिक तकनीकों का उपयोग तथा स्थानीय आजीविका सृजन और पर्यावरण पर्यटन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दे रहे है।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता और दूरदृष्टि से राजस्थान जल और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक सशक्त और अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभर रहा है। सरकार के अभिनव प्रयास वर्तमान आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सतत् भविष्य का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं।

रिपोर्ट में शामिल होगी दीर्घकालीन रूपरेखा

एजेंसी की रिपोर्ट में बांधों में जल प्रदूषण के कारणों, कहां से, कितनी मात्रा में और किस तरह का प्रदूषित जल आ रहा है आदि के बारे में बताया जाएगा। साथ ही, रोकथाम के प्रभावी उपाय, प्रदूषित जल निकास के विकल्प और बांधों को लेकर दीर्घकालीन विकास की रूपरेखा का भी उल्लेख होगा। इसके अलावा सिंचाई के लिए बांधों से जल खेतों तक पहुंचाने की व्यवस्था आवश्यक मशीनरी और जल प्रबंधन प्रणाली के बारे में बताया जाएगा। इसके अतिरिक्त बांधों पर पर्यटन विकास की संभावनाओं को भी रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। इसमें बोटिंग सुविधा, ग्रीन लैंड विकसित कर डे/नाइट टूरिज्म को प्रोत्साहन दिए जाने जैसे प्रस्ताव भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि जल व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के तहत मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने रामगढ़ बांध के भराव क्षेत्र में जमा मिट्टी एवं सफाई कार्य का शुभारंभ किया गया था। इसमें स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जो कि जन-सहभागिता आधारित विकास नीति का सशक्त उदाहरण है।

दो लग्जरी कारों में भिड़ंत, एयरबैग खुलने से बची ड्राईवर की जान

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अशोक नगर थाना इलाके में शनिवार सुबह दो लग्जरी कारों में जोरदार भिड़ंत हो गई। जिसके बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लम्बा जाम लग गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार चालक को सकुशल कार से बाहर निकाल लिया।

बताया जा रहा है कि दोनो कारों में इतनी जबरदस्त टक्कर हुई की एक कार के पांच एयरबैग खुल गए और कार चालक की जान बच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से साइड में करवा कर यातायात सुचारु कराया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर जांच शुरु कर दी है।

हैड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि तिलक मार्ग पर एक किया कार सेंट्रल पार्क की ओर से आ रही थी। इसी दौरान भवानी सिंह मार्ग पर बगड़िया भवन की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार, किया कार से आ टकराई, दोनो वाहनों की टक्कर इतनी जबदस्त थी कि किया कार के पांच एयरबैग खुल गए। जिससे कार चालक तुषार की जान बच गई। वही स्कॉर्पियों सवार तेज बहादुर भी चोटिल होने से बच गया।

पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से थाने लाकर जब्त कर लिया है। पुलिस ने इस मामले एफआईआर दर्ज कर जांच साउथ पुलिस के सुपुर्द कर दी है।

जयपुर डिस्कॉम ने स्क्रेप मैटेरियल से जुटाया 104 करोड़ रुपए का राजस्व

अनुपयोगी सामग्री के ऑक्शन में तोड़ा वर्षों का रिकॉर्ड

जयपुर (कासं)। जयपुर डिस्कॉम ने अनुपयोगी सामान का निस्तारण कर इस वित्तीय वर्ष में अब तक रिकॉर्ड 104 करोड़ रूपए से अधिक का राजस्व अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है। निगम के 13 वृत्त भंडारों में अनुपयोगी सामान (स्क्रेप मैटेरियल) के ऑक्शन से प्राप्त यह विगत कई वर्षों में सर्वाधिक राशि है।

उल्लेखनीय है कि निगम के वृत्त भंडारगृहों में अनुपयोगी ट्रांसफार्मर, लकड़ी के बॉक्स, पुराने वीसीबी, मीटर, खराब ऑयल, नाकारा वाहन, पुरानी केबल, लोहे के ड्रम आदि अनुपयोगी विद्युत उपकरण एवं सामग्री रहती है।

कई बार अधिकारी अन्य दैनिक कार्यों में उलझे होने के कारण समय से ऑक्शन नहीं कर पाते। जिससे सामान जंग खाता है और राजस्व प्राप्त होने में विलम्ब होता है। डिस्कॉम प्रबंधन ने मुख्य अभियंता (पदार्थ प्रबंधन), अधीक्षण अभियंता (निरीक्षण एवं भंडार) को अनुपयोगी सामान के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

सब डिवीजन एवं डिवीजन कार्यालयों के माध्यम से नाकारा सामान सहायक भंडार नियंत्रक कार्यालय में जमा होता है और यहीं से ऑक्शन कर प्रतिमाह उसका निस्तारण होता है।

मुख्यालय की निरीक्षण एवं भंडार विंग ने वृत्त कार्यालयों से संपर्क कर फील्ड में पड़े नीलामी योग्य स्क्रेप मैटेरियल की सर्वे रिपोर्ट तैयार करने और नियमित ऑक्शन प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग की। इसी का नतीजा रहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के दौरान निगम के सभी सर्किलों में जहां क्रमश: कुल 115 एवं 185 ऑक्शन ही हो पाए थे। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान

जनवरी माह तक कुल 221 ऑक्शन हो चुके हैं। इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति के अभी दो माह और शेष हैं, जिससे यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

नीलाम किए बरसों पुराने 34 वाहन

कई भंडार कार्यालयों में 15 साल से भी अधिक पुराने वाहन धूल खा रहे थे। बरसों पुराने इन वाहनों पर बकाया रोड टैक्स एवं अन्य बकाया करों का विवरण परिवहन विभाग से प्राप्त करना टेढ़ी खीर था। ऐसे में डिस्कॉम प्रबंधन ने परिवहन मुख्यालय के स्तर पर सम्पर्क किया। साथ ही सर्किल स्तर से 15 जिलों में परिवहन अधिकारियों के स्तर पर प्रयास किए गए। परिवहन विभाग से इनकी जानकारी प्राप्त कर सर्वे रिपोर्ट के आधार 48 वाहनों को ऑक्शन में लाया गया। जिससे 34 अनुपयोगी वाहनों की नीलामी करने में सफलता मिली।

2 माह में और राजस्व आने की उम्मीद

निगम ने इस वित्तीय वर्ष में अब तक 104 करोड़ 39 लाख रूपए का राजस्व ऑक्शन के माध्यम से अर्जित किया है। वित्त वर्ष समाप्त होने तक यह राशि 125 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यह विगत 5 वर्षों में अनुपयोगी मैटेरियल से प्राप्त अब तक का सर्वाधिक राजस्व है। अनुपयोगी सामग्री के ऑक्शन से वित्तीय वर्ष 2020-21 में 30.85 करोड़, 2021-22 में 94.84 करोड़, 2022-23 में 86.84 करोड़, 2023-24 में 61.29 करोड़ तथा 2024-25 में 55.76 करोड़ की राशि ही हासिल हो पाई थी।

अलवर और जयपुर ने की सर्वाधिक कमाई

निगम के भण्डार कार्यालयों में अलवर वृत्त ने 24.79 करोड़ तथा जयपुर जिला वृत्त ने 21.99 करोड़ रूपए स्क्रैप मैटेरियल के ऑक्शन से हासिल किए हैं। इसके पश्चात दौसा ने 9.34 करोड़ रूपए, भरतपुर ने 6.26 करोड़ रूपए, कोटा ने 5.66 करोड़ रूपए, जयपुर शहर वृत्त ने 5.28 करोड़, बारां ने 5.18 करोड़, सवाई माधोपुर ने 5.17 करोड़ रूपए, बून्दी ने 4.73 करोड़, टोंक ने 4.54 करोड़ रूपए, करौली ने 4.31 करोड़ रूपए, झालावाड़ ने 4.17 करोड़ और धौलपुर ने 2.94 करोड़ रु. ऑक्शन से जुटाए।

सुरों और संवेदना के समावेशन के साथ हुआ ''आयो बसंत'' का बसंती आग़ाज़

जयपुर (कासं)। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान द्वारा वेस्ट ज़ोन कल्चरल सेंटर, नॉर्थ ज़ोन कल्चर सेंटर एवं उस्ताद इमामुद्दीन ख़ान डागर म्यूज़िक एंड कल्चर सोसायटी के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव 'आयो बसंत' का भव्य शुभारंभ शुक्रवार को जवाहर कला केंद्र, जयपुर में हुआ। यह महोत्सव भारतीय कला-संस्कृति की जीवंत परंपराओं को समकालीन रचनात्मक अभिव्यक्तियों से जोड़ने वाला एक सशक्त मंच बनकर उभरा।

महोत्सव के पहले दिन प्रात: कृष्णायन सभागार में आयोजित रील मेकिंग एवं मोबाइल सेल्फ़ी वर्कशॉप में युवाओं और कला-प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कलाकार नीरज सरना द्वारा संचालित इस कार्यशाला में डिजिटल माध्यमों के ज़रिये विचारों, भावनाओं और कला को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के आधुनिक तरीकों पर संवाद हुआ।

शाम का सत्र जवाहर कला केंद्र के रंगायन सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में आईएएस श्रेया गुहा ने अतिथियों, कलाकारों एवं दर्शकों का स्वागत करते हुए कहा कि 'आयो बसंत' केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि संवेदना, समावेशन और रचनात्मक चेतना का उत्सव है।

आईएएस श्रेया गुहा ने शनिवार को जवाहर कला केन्द्र में ''आयो बसंत'' कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया।

इसके पश्चात नॉर्थ ज़ोन कल्चर सेंटर के निदेशक फ़ुरकान खान ने भारतीय शास्त्रीय कलाओं, युवा प्रतिभाओं और नवाचार को प्रोत्साहित करने में ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद आयोजित संगीत संध्या में संतूर और बांसुरी की सुरमयी जुगलबंदी ने श्रोताओं को भावलोक में पहुँचा दिया। युवा संतूर वादक दिव्यांश हर्षित श्रीवास्तव एवं बांसुरी साधक राग यमन की प्रस्तुति को तबले पर ईशान शर्मा और घटम पर वरुण राजशेखरन की सधी हुई संगति ने प्रभावशाली ऊँचाइयाँ प्रदान कीं। कार्यक्रम का भावनात्मक शिखर रहा 'वी आर वन' (दिव्यांगजन) समूह की व्हीलचेयर डांस प्रस्तुति। गणेश वंदना से आरंभ होकर शिव तांडव स्तोत्र पर आधारित शास्त्रीय फ़्यूज़न, व्हीलचेयर एक्रो-योगा तथा देशभक्ति से ओतप्रोत समापन प्रस्तुति ने भावविभोर कर दिया।

जयपुर आर्ट वीक बना जीवंत सहभागितापूर्ण सांस्कृतिक मंच

जयपुर । जयपुर आर्ट वीक के तहत शहर को एक जीवंत और सहभागितापूर्ण सांस्कृतिक मंच में बदला जा रहा है। विभिन्न स्थानों पर आयोजित वॉक, वर्कशॉप, क्यूरेटर-नेतृत्वित टूर और सैटेलाइट इवेंट्स के ज़रिये दर्शकों को कला, पारिस्थितिकी, शिल्प, ध्वनि, स्मृति और समुदाय से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। सुबह की प्रकृति आधारित गतिविधियों से लेकर शाम के अनुभवात्मक भोजन तक, यह दिन कला के विविध रूपों को सामने लाता है। दिन की शुरुआत 'किशन बाग वॉक: मरुस्थलीय परिदृश्य की वनस्पतियों की खोज' से हुई, जिसे मोनल सिंह ने संचालित किया। इस वॉक के माध्यम से प्रतिभागियों को जयपुर की मरुस्थलीय वनस्पति और भू-दृश्य के पारिस्थितिक पहलुओं से परिचित कराया गया।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित ड्रॉप-इन, बच्चों के अनुकूल वर्कशॉप 'सांठ-गांठ' में खजूर, खेजड़ी और मूंज घास जैसे प्राकृतिक पदार्थों से पारंपरिक गांठ बांधने की तकनीकों को समझाया गया। क्रिएटिव आर्ट्स एजुकेशन प्रोग्राम के फेलोज़ द्वारा संचालित यह सत्र सतत जीवनशैली, स्थानीय ज्ञान प्रणालियों और रोज़मर्रा

की शिल्प परंपराओं पर केंद्रित रहा। यह कार्यक्रम पब्लिक आर्ट्स ट्रस्ट ऑफ इंडिया और लर्निंग थ्रू आर्ट्स नैरेटिव एंड डिस्कोर्स की पहल है, जिसमें प्रज्ञा सोनी, प्रवीण सिंह भाट, स्वधा जोशी, शुभम गेहलोत और यशवर्धन दवे का योगदान रहा। इसी दौरान, पाटी मुख्यालय में आयोजित 'साउंड इज़ अ प्लेस टू: साउंड और कोड के माध्यम से स्थान और स्मृति की पड़ताल' सत्र को नंदिति खिलनानी (अजायबघर) ने संचालित किया। इस कार्यक्रम में ध्वनि को एक सामाजिक और सांस्कृतिक अनुभव के रूप में समझने पर ज़ोर दिया गया।

952वां वीर तेजाजी जन्मोत्सव मनाया

जयपुर । मुख्य सोडाला स्थित सत्यवादी वीर तेजाजी धाम एवं तेजेश्वर महादेव मंदिर में शनिवार को 952वां वीर तेजाजी जन्मोत्सव श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। माघ मास की चतुर्दशी के शुभ अवसर पर आयोजित जन्मोत्सव में सुबह से ही श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया।

मंदिर पुजारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर प्रात:काल विशेष पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। वीर तेजाजी महाराज का विधिवत अभिषेक, श्रृंगार एवं आरती संपन्न कराई गई। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने दर्शन कर बाबा तेजाजी से सुख-समृद्धि और संकट निवारण की कामना की।

जन्मोत्सव के दौरान तेजेश्वर महादेव मंदिर में भी विशेष धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की।

सार-समाचार

'शौर्य-शहादत को सलाम' लोकार्पण आज

जयपुर । राजस्थान के शहीद सैनिकों को विगत 27 साल से अपनी तूलिका के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले बहुचर्चित चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता की मुहिम के यादगार लम्हों की दस्तावेज के रूप में प्रकाशित पुस्तक ''शौर्य और शहादत को सलाम'' का लोकार्पण रविवार शाम 4 बजे राजस्थान चैंबर भवन में होगा। कलमकार मंच के राष्ट्रीय संयोजक निशांत मिश्रा के अनुसार समारोह के मुख्य अतिथि राज्य चुनाव आयोग के आयुक्त राजेश्वर सिंह होंगे एवं अध्यक्षता पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बिपिन कुमार पांडे, राजस्थान चैंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष डॉ. के.एल. जैन, वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार विनोद भारद्वाज और वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शर्मा होंगे। इस अवसर पर कुछ शहीदों की वीरांगनाओं का सम्मान भी किया जाएगा। कलमकार मंच द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में शहीदों के परिजनों को चंद्रप्रकाश गुप्ता द्वारा बनाए तैलचित्र भेंट करने, उन परिजनों से मुलाकात के अनुभवों, उन मार्मिक पलों को स्वयं चित्रकार चंद्रप्रकाश गुप्ता के शब्दों में उकेरने का प्रयास किया गया है। पुस्तक में राज्य के पूर्व एवं वर्तमान राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राजनेताओं, सैन्य, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, पत्रकारों के प्रोत्साहन व सहयोग को भी रेखांकित किया गया है। सही मायनों में गुप्ता की यह किताब मरूधरा के वीर शहीद जवानों को मौन श्रद्धांजलि देने का एक और प्रयास है।

हनुमानजी महाराज का पाटोत्सव मनाया

जयपुर । श्री बाबा बजरंगदास की बग़ीची में हनुमानजी महाराज का 82वां पाटोत्सव धूम धाम से मनाया गया। महाराज कुलभूषण दास के सानिध्य में एकादश वाल्मीकि सुंदरकांड के द्वारा हनुमानजी महाराज का सुगंधित तेल से अभिषेक और श्रृंगार किया गया। आरती के बाद हज़ारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी पाई। श्रद्धालुओं ने सायं में संगीतमय सुंदरकांड से हनुमानजी को रिझाया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

जयपुरिया स्कूल में वार्षिकोत्सव मनाया

जयपुर (कासं)। जयपुरिया विद्यालय, जेएलएन मार्ग जयपुर में आज वार्षिक उत्सव ''मूल्यों की स्वर लहरी'' बड़े ही उत्साह, उल्लास एवं सांस्कृतिक रंगों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ नृत्य, संगीत, नाट्य एवं समूह गायन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रस्तुतियों में भारतीय संस्कृति, सामाजिक मूल्यों एवं समकालीन विषयों की सुंदर झलक देखने को मिली। मुख्य अतिथि राजेन्द्र राठौड़ ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व एवं रचनात्मकता का विकास होता है। उन्होंने विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं। विद्यालय के प्रधानाचार्या रेणु शर्मा ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में भी ऐसे प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई। समारोह का समापन पुरस्कार वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और कार्यक्रम को अत्यंत सफल बताया।

'गांव की रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही कैसे हो रही है?'

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, स्थानीय कलेक्टर, एसडीएम कोटपूतली और जिला परिवहन अधिकारी से पूछा है कि कोटपूतली के गांव कांसली व शुक्ला बास की रोड पर भारी वाहनों का संचालन कैसे किया जा रहा है। जस्टिस पीएस भाटी और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश शिवराम सिंह व अन्य की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। जनहित याचिका में अधिवक्ता एएस यदुवंशी ने अदालत को बताया कि पीडब्ल्यूडी ने स्थानीय गांव वालों के लिए कांसली व शुक्लाबास गांव से सडक़ बनवाई है। यह रोड गांव के अंदर है और इसका निर्माण हल्के वाहनों, पैदल चलने वाले लोगों, स्कूली बच्चों व साइकिल से आवाजाही करने वाले किसानों के लिए किया था। लेकिन अब इस रोड का उपयोग भारी वाहन ट्रक, डंपर, ट्रेलर, ओवरलोडेड वाहन व अन्य कॉमर्शियल वाहन गैर कानूनी तरीके से कर रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत भी प्रशासन को दी थी।

'लोगों की निजी जानकारियां बेचने वाली कंपनियों पर कार्रवाई हो'

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने साइबर ठगी से जुड़े मामले में कहा है कि कुछ सोशल मीडिया कंपनियां लोगों का डाटा बेच रही है और साइबर अपराधी इसका गलत इस्तेमाल कर ठगी कर रहे हैं। ऐसे में इन कंपनियों साथ ही अन्य दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

अदालत ने कहा कि बेगुनाह लोगों को उनकी मेहनत की कमाई डूबने से बचाने के लिए मजबूत सिस्टम तैयार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने साइबर आरोपी विवेक यादव व करण यादव की द्वितीय जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश दिए। अदालत ने वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, राज्य सरकार और डीजीपी सहित आरबीआई को उचित कार्रवाई करने के लिए आदेश की कॉपी भेजी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि साइबर अपराधों की शिकायत करने की प्रक्रिया आसान होनी चाहिए, ताकि तुरंत शिकायत दर्ज हो सके और सभी जिम्मेदारों को ऐसी ठगी के शिकार लोगों के पैसे बचाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए। अदालत ने कहा कि आरबीआई के 6 जुलाई, 2017 के परिपत्र के अनुसार सभी बैंकों को अपने ग्राहकों को ठगी की शिकायत करने के लिए चौबीस घंटे सुविधा देना जरूरी है।

जमानत याचिकाओं में कहा गया कि प्रकरण में अनुसंधान पूरा होकर उनके खिलाफ जांच एजेंसी ने आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। करण यादव के मामले में सात साइबर शिकायतों को लेकर उसके विभिन्न बैंक खातों से 3.16 लाख रुपए और विवेक के खिलाफ दर्ज 9 साइबर शिकायतों को लेकर 1.92 लाख रुपए उसके बैंक खातों से बरामद हुए हैं। आरोप पत्र में जसराज को मुख्य आरोपी बनाया गया है। सह आरोपियों ने याचिकाकर्ताओं के बैंक खातों का उपयोग कर रकम ट्रांसफर की है। वहीं प्रकरण की ट्रायल पूरी होने में लंबा समय लगेगा। इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील एसआर धाकड ने कहा कि आरोपी विवेक के बैंक खातों से फरवरी 2024 से अगस्त, 2025 के बीच कुल 2.27 करोड़ रुपए और करण यादव के बैंक खातों से 14 लाख रुपए का लेनदेन हुआ है। ऐसे में आरोपियों को जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार को मामले में कार्रवाई करने को कहा है।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले पेपरलीक माफियाओं को भाजपा सरकार ने जेल पहुंचाया : कटारा

जयपुर । राजकीय महाविद्यालय जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। नरेंद्र कटारा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिविर के दौरान स्वयंसेवकों द्वारा स्वच्छता सहित अनेक उत्कृष्ट सामाजिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति जीवन में एक बार भी स्वयंसेवक के रूप में कार्य करता है, वह आजीवन दायित्वबोध, राष्ट्रसेवा और समाजहित के मार्ग पर अग्रसर रहता है।

नरेंद्र कटारा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के युवाओं से वादा किया था कि भाजपा सरकार युवाओं के सपनों को संभालेगी और उनके जीवन को समृद्ध बनाएगी, साथ ही युवाओं के सपनों को बेचने और तोड़ने वाले पेपर लीक माफियाओं को जेल के भीतर पहुँचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार ने सत्ता में आते ही एसआईटी का गठन किया, जिसके परिणामस्वरूप 400 से अधिक पेपर लीक आरोपी जेल में हैं।

राजकीय महाविद्यालय जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नरेन्द्र कटारा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दो वर्ष के अल्प कार्यकाल में एक लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियाँ दी जा चुकी हैं, जबकि 1.43 लाख सरकारी भर्तियाँ प्रक्रियाधीन हैं। इसके साथ ही निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित किए गए है।

नरेंद्र कटारा ने बताया कि शिक्षा एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में 39 हजार 586 छात्राओं को स्कूटियाँ, 10.51 लाख साइकिलें तथा 88 हजार 724 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए हैं।

स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 65 - लॉन्चपैड सेंटर स्थापित किए गए

- **''मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 2 वर्ष के अल्प कार्यकाल में एक लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी जा चुकी हैं, जबकि 1.43 लाख सरकारी भर्तियाँ प्रक्रियाधीन हैं। निजी क्षेत्र में 2 लाख से अधिक रोजगार अवसर सृजित किए गए है।''**

हैं और 658 स्टार्टअप को 22.48 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है।

कौशल विकास के अंतर्गत 3.37 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया तथा 434 रोजगार शिविरों के माध्यम से 1.20 लाख युवा लाभान्वित हुए हैं।

मुख्यमंत्री युवा संबल योजना के तहत 4.13 लाख युवाओं को 1155 करोड़ की सहायता तथा 1.91 लाख युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए गए हैं। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 के अंतर्गत जिलों में 17 नए खेलो इंडिया केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही 58 हजार 397 छात्रों को 103 करोड़ की प्रोत्साहन राशि तथा 1754 खिलाड़ियों को 39.57 करोड़ की सहायता प्रदान कर सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. स्निग्धा शर्मा एवं अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन से किया गया। डॉ. स्निग्धा शर्मा ने सात दिवसीय शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए 'मेरा युवा भारत' और 'डिजिटल साक्षरता' विषयक गतिविधियों की सराहना की। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. धीरज कुमार ने शिविर की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिला समन्वयक डॉ. गोविंद शरण शर्मा ने स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक मानसी शर्मा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के संकाय सदस्य मौजूद थे।

ढाई करोड़ से अधिक के मादक पदार्थ नष्ट किए

जयपुर । नशे के खिलाफ अभियान के तहत पुलिस आयुक्तालय जयपुर (दक्षिण) ने कार्रवाई करते हुए करीब 2.56 करोड़ रुपए मूल्य के अवैध मादक पदार्थों का नष्टीकरण किया है। यह कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 52 के तहत औषधि व्ययन समिति, जयपुर (दक्षिण) की निगरानी में की गई।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि दक्षिण जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों-प्रतापनगर, शिप्रापथ, शिवदासपुरा, अशोक नगर, कोटखावदा, महेश नगर, मानसरोवर, मुहाना, श्याम नगर और सांगानेर सदर-में पूर्व में की गई पुलिस कार्रवाइयों के दौरान जब्त किए गए 190 किलो 547 ग्राम गांजा, 217 किलो 634 ग्राम डोडा पोस्त, 624 ग्राम 300 मिलीग्राम स्मैक, 122 ग्राम एमडीएमए, 20 ग्राम 53 मिलीग्राम कोकीन, 29 ग्राम 59 मिलीग्राम अन्य मादक पदार्थ तथा 76 नग एमडी कैप्सूल को विधिवत नष्ट किया गया। इन सभी मादक पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ 56 लाख 75 हजार रुपए आंकी गई है।

ARBiT
it happens here...

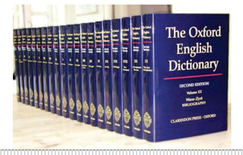

Landmark in Language: The Oxford English Dictionary's First Volume Published

On February 1, 1884, the first volume of the Oxford English Dictionary (OED) was published, marking a milestone in the history of the English language. The OED, meticulously compiled over decades, aimed to document the evolution, meaning, and usage of every English word. This first volume covered words from A to Ant, providing etymologies, definitions, and illustrative quotations. It set a benchmark for lexicography worldwide, reflecting not just language but culture, history, and human thought. Over time, the OED became the most comprehensive and authoritative reference for English, shaping education, literature, and linguistic research globally.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
01 February 2026
A-B

#BANG ON

Ancient Pregnancy Test | The Wheat and Barley Urine Experiment

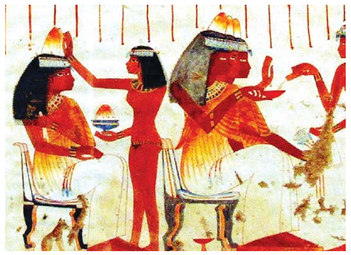

Long before modern medical tests and pregnancy kits existed, people around the world used natural and observational methods to detect pregnancy. One of the most fascinating ancient techniques involved the use of wheat and barley seeds and a woman's urine, a simple, natural test that has intrigued historians and scientists alike.

The Origins of the Test

This method is believed to have originated in ancient Egypt around 1350 BCE and was described in papyri such as the Ebers Papyrus, one of the oldest known medical texts. The test involved having a woman urinate on grains of wheat and barley and then observing how the seeds sprouted. Over time, this technique also found mention in other ancient cultures, reflecting an early human attempt to understand fertility and pregnancy using agricultural metaphors.

How the Test Was Performed

In this test, a woman suspected of being pregnant would urinate over a set amount of barley seeds and wheat seeds placed separately in small containers or on soil. The containers would then be kept in a warm place and observed for several days.

- If the wheat sprouted first, it was believed to indicate that the woman was pregnant with a girl.
- If the barley sprouted first, it suggested she was carrying a boy.
- If neither seed sprouted, it was taken as a sign that the woman was not pregnant.

The idea was that the woman's urine would contain hormones or substances that affected the germination of these seeds differently, reflecting the biological changes occurring in early pregnancy.

Scientific Basis and Modern Research

Though the method sounds mystical, modern research has found some surprising truths. In the 1960s, researchers replicated the test under controlled conditions and found that urine from pregnant women did indeed encourage faster seed germination compared to urine from non-pregnant women. This effect was likely due to the presence of hormones like estrogen and other growth-promoting compounds in pregnant women's urine.

However, the idea that the type of seed sprouting first could predict the baby's gender is considered a myth without scientific basis.

Cultural Significance

The wheat and barley pregnancy test reflects the deep connection between early human societies and agriculture. It uses natural cycles, germination, growth, and fertility, as metaphors for human reproduction. For ancient Egyptians, fertility and pregnancy were matters of both physical health and spiritual significance, and this test combined practical observation with symbolic meaning.

The wheat and barley pregnancy test is a remarkable example of how ancient cultures ingeniously used their environment and keen observation to answer critical questions about fertility and pregnancy. Though primitive by today's standards, it laid the groundwork for understanding the biological changes associated with pregnancy, showing that even thousands of years ago, humans sought scientific methods to understand their bodies and lives.

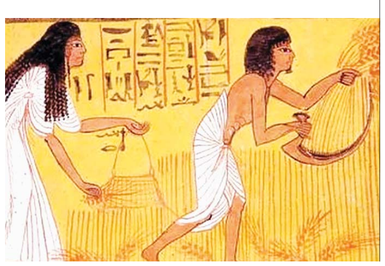

How To Acquire Neighbours

My father was the First Surgeon at Lady Willingdon Hospital (Now SMS Hospital). A few bungalows had been constructed on the Hospital road in front of the hospital. We moved into Bungalow No.2 and vividly remember celebrating our first Independence day by hoisting a Khadi national flag. That is the first time we understood what neighbours meant. Dr. K L Verma, Principal of the Maharaja College, occupied Bungalow No. 1. His children, Ramesh and Mahesh, were much older than us. Even then, on occasions, my brother and I would jump the fence and watch them play badminton in the rear of the compound. They were our first neighbours!

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

I was born in my ancestral home, Sansar Villa. I was delivered by my father in the office located in the outhouse. We lived in this huge building built by my great grandfather Sansar Chandra Sen. He was then the Dewan of Jaipur State. The building was in the centre of a huge walled compound which is now a commercial block. Abhinash Chandra Sen was the eldest child and he was the next resident of the house along with his numerous siblings. As was the custom then, the younger brothers moved out soon and the sisters got married. So, by the time I was born, the family of my grandfather were the only residents.

Each brother was allotted a bedroom while the family rooms and the kitchen were common. We were, in the true sense, a joint family. My father's salary came in a red cotton draw string bag and was handed over to Siddhi Narainji, the Munshiji. Out of that, some portion was handed over for personal expenses. We, the next generation children, lived and played together. They were the constant companions. We did not have much to do with the neighbours. In fact, I cannot remember even one occasion when we played with the neighbour's children.

As time passed and we grew older and more space was required, the brothers decided that they would move out to separate residences. My father was the First Surgeon at Lady Willingdon Hospital (Now SMS Hospital). A few bungalows had been constructed on the Hospital road in front of the hospital. We moved into Bungalow No.2 and vividly remember celebrating our first Independence day by hoisting a Khadi national flag. That is the first time we understood what neighbours meant. Dr. K L Verma, Principal of the Maharaja College, occupied Bungalow No. 1. His children, Ramesh and Mahesh, were much older than us. Even then, on occasions, my brother and I would jump the fence and watch them play badminton in the rear of the compound. They were our first neighbours!

A few years later, the Zamindari system was abolished and the government offered to my uncle and his brothers an opportunity to get a long lease of the portions of the compound of Sansar Villa. My father acquired a large plot and decided to build a house there. It was painted green in colour and called Green Villa. Two of my uncles too decided to build houses in the adjoining portions and soon moved in with their families. There were no compound walls; the back doors of the houses remained open all day long. It was quite common for members of the families to drop in unannounced. Now, for the first time, we had relatives who were also neighbours. Some of the plots were sold subsequently to unrelated buyers, and then, the fences came up. Now, we had neighbours who were strangers.

You must be wondering why I am making such a long rigmarole about neighbours. It all started because I had applied for the renewal of our passports. As a part of the requirements, we had to go through a process of police verification. One morning, two constables rang our call bell. They had come with some forms which we had to complete. One form required the signature and statement of two unrelated neighbours who would have to vouch that they knew us and we were the occupants of the address we had declared for a long period of time. There were a few neighbours across the road, The Bardar and Peter families. So, we got ourselves verified by them.

Now, The Bardars have moved away, and a huge commercial complex has come up there. Similar changes have taken place within the compound too. We have now got no residential buildings in our vicinity. We have no neighbours to speak of. Another renewal of our passports is due soon. I am now wondering which 'Neighbour' will verify us!

It is a poignant irony of modern life. We are more connected to people across the globe than we are to the person living fifty feet away. This situation highlights a shift from the 'Village Neighbour' (who knows your lineage) to the 'Functional Neighbour' (the person who happens to occupy the adjacent geographic coordinate).

In the eyes of the law or a police verification officer, a 'neighbour' is a witness to your character and residency. In the eyes of sociology, a neighbour is a pillar of your 'third place,' the social surroundings separate from the two usual environments of home and workplace.

#IDENTITY

Who are your neighbours in the real world?

In an era of urban sprawl and digital isolation, the definition of a neighbour has fractured into three types:

The Proximity Neighbour: The people in the shops or malls around your bungalow. Even if we don't 'know' them, they see your patterns. They know when you leave, when you return and that you are a permanent fixture of the landscape. They observe your movements from afar.

The Digital Neighbour: Members of the local WhatsApp or 'Next door' group. You might recognise their profile pictures but wouldn't know their faces if you passed them on the street.

The Transient Neighbour: In apartments, these are the short-term renters or Air-BnB guests. They share your walls but not your history.

How to build relationships in the 'New Neighbourhood'

If the traditional 'borrowing a cup of sugar' era is over, how do we find meaningful connection?

One has to lower the 'Barrier to Entry.' No more waiting for a formal introduction. A simple, consistent 'Good morning' to the shopkeepers or the security guard at the nearby mall establishes you as a 'regular.' In a crisis (such as a passport verification), these are the people who can vouch for your presence.

The 'Front Yard' Philosophy: If you live in a bungalow, spend time in the transitional spaces. The sitting in garden in the front or on the porch, even walking your dog at consistent times is observed. Visibility is the precursor to familiarity.

If the physical neighbourhood is too commercial, look for 'interest-based' neighborhoods nearby, a local park's walking club, a library, or a specific cafe.

What is the Future?

The future of neighbourhood relationships looks less like a 'circle' and more like a 'network.'

We are seeing a rise in 'co-housing' and 'vertical villages' in Intentional Communities: where communal spaces (roof gardens, shared kitchens) are designed to force social collisions.

A 'Neighbour' is being redefined

The government has also realised our predicament. Sadly, for things like passport, the human 'witness' is being slowly replaced by digital footprints (utility bills, GPS history, biometric data). While efficient, this removes the last practical reason many people have to talk to their neighbours.

We will see more services designed to bridge this gap, apps that facilitate local tool-sharing or neighbourhood 'office hours' to combat the isolation of remote work.

Now 'neighbours' don't necessarily have to be friends. They just need to be witnesses. The manager of the shop next door or a long-term staff member at the mall counts as a neighbour in the legal sense!

Since these business owners or shop managers don't know you personally, the goal is to bridge the gap between 'stranger' and 'resident' without coming across as intrusive. One needs to be proactive to establish residency and character.

Here are three ways to approach this, depending on the comfort level:

The 'Open Conversation' Approach is best for a shop or cafe you might actually walk past daily. It's casual and places you as a permanent fixture of the street.

"Hi there, I'm [Your Name]. I actually live in the bungalow just behind/next to your shop. I've lived here for [Number] years, but since the neighbourhood has changed so much recently, I realised I haven't introduced myself to my new 'neighbours!' I'm going through a passport renewal soon, so, I just wanted to say hello and make sure you knew I was the resident next door."

If you find it awkward to strike up a conversation out of the blue or if the manager is always busy, leaving a short note, a 'Letter of Introduction' (The Paper Trail) with a small gesture (like a box of tea or sweets), works wonders.

"Dear neighbour at [Shop Name],

My name is [Your Name] and I live in the bungalow at [Your Address]. As the neighbourhood has transitioned into a vibrant commercial hub, I realised I haven't had the chance to meet the people working right next to me!

I've been a resident here since [Year]. I'll stop by in a few days just to say a quick hello in person.

Best regards,

[Your Name/Phone Number]"

The 'Service Interaction' Strategy is the easiest way to get someone to vouch for you, to become a recognisable face.

It is to go into the three closest shops and buy something small. While paying, say: "I'm so glad you guys opened here, it's much more convenient for me since I live right in that bungalow next door."

Now, you are no longer a stranger; you are a 'Customer and Resident.' It is important to target the Owners or Managers. Staff may rotate, but managers or owners are usually there long-term and carry more weight during police verification.

Once you've introduced yourself, ask for their name. It's much more professional to tell the police officer, "You can speak to Mr. Gupta, the manager of the pharmacy next door," than to say "Ask the guy at the shop."

In the legal and administrative landscape of 2026, the definition of a 'neighbour' for passport verification has actually become more flexible, though the police on the ground may still stick to old habits.

According to the Ministry of External Affairs (MEA) guidelines, the 'two-neighbour witness' rule was technically relaxed to simplify the process. However, local police often still require them to ensure you aren't a 'ghost resident.' In our specific case, an isolated bungalow surrounded by commerce here is the legal reality and how to handle it.

So, who counts as a 'Neighbour' in a Commercial Zone?

The law does not define a neighbour strictly as someone living in a residential bedroom next door. A neighbour is any credible person who has a 'business or residential presence' in your immediate vicinity.

The Shopkeeper/Manager is legally the owner of the shop next to your bungalow and is your neighbour. They are stationary, they have a trade license for that address and they see you daily.

A security guard or managers are the long-term staff at the mall who have been there for more than a year and are an excellent witness.

If any of your old neighbours moved nearby (even a few blocks away), they can still vouch for the fact that you have lived in that bungalow for years. He is the 'Previous' neighbour and is the legal fallback.

If the police officer is being rigid, you have these formal options.

Finally the 'Post-Police Verification' Route. If you have an updated Aadhaar, PAN, and Voter ID, you can often get your passport issued first, with the police verification happening afterward. This shifts the burden of proof.

Thus, the definition of neighbour has been redefined. It is not necessarily one whom you know well. He has just become a person who can declare that you have been seen to live in a certain building or apartment. For better or worse, you have to accept this position in the present circumstances.

Hi Neighbour!

rajeshsharma1049@gmail.com

#MASTERPIECES

Ancient Greek Gold Earrings

Symbols of Artistry and Power

Among the treasures of antiquity preserved in modern museums, a remarkable pair of earrings from ancient Greece captures the elegance, symbolism, and craftsmanship of an era that continues to inspire the world today. Made over 2,400 years ago, these earrings are masterpieces of goldsmithing, combining technical precision with cultural meaning. They are now housed at the Walters Art Museum in Baltimore, United States, where they remain a highlight of the collection.

Exquisite Craftsmanship

The earrings are fashioned from gold, a metal that in the ancient world symbolized both wealth and the divine. Each piece features repoussé cow heads, an advanced technique in which gold is hammered from the reverse side to create raised designs. The cow heads are further enhanced with engraved and chased details, giving them depth and realism. Suspended from these motifs are biconical beads, intricately decorated with fine granulation, a technique involving the application of tiny gold spheres to create texture and patterns. All of this delicate work is held together by simple loops, resulting in a design that is both striking and refined.

Each earring measures approximately 3.8 cm (1 1/2 in) in diameter. Though modest in size, the level of detail demonstrates the extraordinary skill of Greek goldsmiths, who were renowned for blending utility with artistry.

Symbolism of the Cow

The choice of cow heads as the central motif adds rich layers of meaning. In ancient Greece, cows were symbols of fertility, nourishment, and sacrifice. They were often associated with deities such as Hera, queen of the gods, and with agricultural prosperity. By incorporating cow heads into jewelry, the earrings may have been intended to invoke divine protection, abundance, or even social prestige.

Jewelry in the Greek world often carried symbolic as well as decorative functions. It was worn not just to adorn but to signal wealth, family status, and devotion to the gods. These earrings, with their combination of symbolic imagery and luxurious materials, likely belonged to an individual of high standing.

A Journey Through Time

The survival of such delicate ornaments across more than two millennia is a testament to both the durability of gold and the care with which these artifacts were preserved. Their journey to the Walters Art Museum reflects another chapter in their history. The pair was acquired by Henry Walters, a philanthropist and collector whose bequest in 1931 laid the foundation for one of the most comprehensive art museums in the United States.

Since then, the earrings have offered visitors a direct connection to the cultural and artistic achievements of ancient Greece. Displayed alongside other treasures, they provide insight into how everyday objects in antiquity were elevated into symbols of beauty, faith, and identity.

Enduring Legacy

More than just ornamental jewelry, these earrings embody the ingenuity and values of a civilization that shaped Western art and culture. Their repoussé cow heads and finely detailed granulation remind us of a time when craftsmanship was both an artistic pursuit and a spiritual expression.

Today, as they rest in the Walters Art Museum, these 2,400-year-old earrings continue to captivate audiences. They stand as a bridge across centuries, telling stories of beauty, symbolism, and the human desire to create lasting expressions of identity and belief.

THE WALL

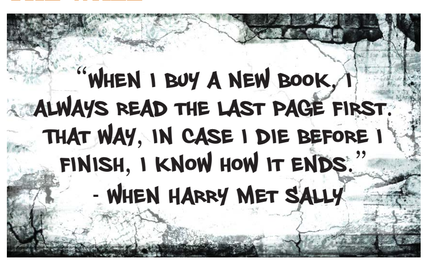

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

6112 बीघा सरकारी जमीन के घोटाले में शामिल सात लोग गिरफ्तार

तीन पटवारी, एक गिरदावर सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने बीकानेर जिले के छत्तरगढ़ में सबसे बड़े सरकारी जमीन घोटाले में शामिल तीन पटवारी, एक गिरदावर सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। मामले की जांच कर रहे श्रीगंगानगर एएसपी बीकानेर आए और यहां अभियुक्तों की गिरफ्तारी की।

- **अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से 100 से ज्यादा लोगों को जमीनों का फर्जी आवंटन कर दिया गया जिससे सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ**

छत्तरगढ़ में 12 मार्च, 2024 को तहसीलदार राजकुमारी की ओर से 6112 बीघा सरकारी जमीन के कूटरचित तरीके से कागजात तैयार कर सरकारी कार्मिकों की मिलीभगत से फर्जी आवंटन करने का मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें 19 आरोपी नामजद किए गए थे। मामले की जांच श्रीगंगानगर एएसपी रघुवीर शर्मा को सौंपी गई। उन्होंने तीन पटवारी, एक गिरदावर सहित सात लोगों पर आरोप प्रमाणित माने और बीकानेर आकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सातों अभियुक्तों को शुक्रवार को छत्तरगढ़ कोर्ट में पेश किया गया। इनमें से दो पटवारी सुन्दरलाल जालप और अजेन्द्रसिंह व एक अन्य रमेश पुरोहित को तीन फरवरी तक रिमांड पर लिया गया है। दो पटवारी सहित चार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। गिरफ्तारी के दौरान उडसर पटवारी जसवीरसिंह की तबीयत बिगड़ गई, जिसका पीबीएम अस्पताल में इलाज कराने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गौरतलब है कि छत्तरगढ़ पुलिस थाने में जमीन घोटाले से संबंधित चार मुकदमे दर्ज हुए थे, जिनकी जांच एएसपी श्रीगंगानगर कर रहे हैं। 12 मार्च, 2024 को तहसीलदार राजकुमारी की ओर से छत्तरगढ़ पुलिस थाने में दर्ज कराई एफआईआर में बताया गया कि छत्तरगढ़ के ग्राम मोतीगढ़, नापासरिया, सरदारपुरा, राजासर भाटियान, कुण्डा, घेघड़ा, सत्तासर, लूणखां की 1547 हेक्टेयर यानी 6112 बीघा सरकारी जमीन को सुनियोजित योजना से कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आपसी मिलीभगत से लाभ पहुंचाने के लिए आवंटित किया गया। इसमें पटवारियों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, लाभार्थी, फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों की मिलीभगत रही। जमीन के लिए पेश आवेदनों की किसी प्रकार की जांच एवं परीक्षण किए बिना जान-बूझकर लाभ पहुंचाने के लिए अलग-अलग लोगों को खुर्दबुर्द कर दिया गया जिससे सरकार को डीएलसी दरों के मुताबिक 25 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। रिपोर्ट में 19 आरोपियों को नामजद किया गया।

कांग्रेस सरकार के समय पूगल और छत्तरगढ़ में बड़े स्तर पर जमीनों का फर्जी तरीके से आवंटन किया गया। सत्ता बदली और भाजपा सरकार आई तो जिला प्रशासन ने जांच कराई। उजागर हुआ कि अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत से 100 से ज्यादा लोगों को जमीनों का फर्जी आवंटन कर दिया गया जिससे सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ। दो आरएएस सहित 34 कार्मिकों और 132 लाभार्थियों के खिलाफ पुलिस थानों में चार और एसीबी में भी दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए गए।

जोधपुर : ब्रेन डेड किसान ने तीन लोगों को दिया नया जीवन

जोधपुर एम्स में इस साल का पहला अंगदान (कैडेवरिक डोनेशन) हुआ

जोधपुर, (कासं)। शहर में वर्ष 2026 का पहला अंगदान (कैडेवरिक डोनेशन) हुआ, जब खेती करने वाले पाली जिले के 58 वर्षीय किसान अन्नेसिंह के परिवार ने मानवता की अनूठी मिसाल पेश की। अन्नेसिंह के निधन के बाद परिवार ने अंगदान का नेक फैसला लिया। इससे गंभीर रूप से बीमार तीन रोगियों को नया जीवन मिला।

- **अन्नेसिंह की किडनी और लीवर को एम्स जोधपुर के मरीजों को सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया,**
- **जबकि एक किडनी एसएमएस अस्पताल जयपुर के मरीज को आवंटित की, इसे जयपुर भेजने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया**

एम्स के कार्यकारी निदेशक प्रो. गोवर्धन दत्त पुरी ने बताया कि पाली के जोजावर (खोखरा) निवासी अन्नेसिंह को बेहोशी की हालत में 19 जनवरी को एम्स जोधपुर के आपातकालीन विभाग में लाया गया था। गहन चिकित्सा प्रबंधन के बावजूद न्यूरोलॉजिकल जांच में ब्रेनस्टेम रिफ्लेक्सिस (मस्तिष्क की प्रतिक्रिया) की अनुपस्थिति पाई गई। इसके बाद मेडिकल बोर्ड ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। दुख की घड़ी में ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेशन टीम ने परिवार के साथ कई काउंसलिंग सत्र किए। विस्तृत चर्चा और भावनात्मक सहयोग के बाद परिवार ने अंगदान के लिए सहमति दी और अपने दुख को दूसरों के लिए जीवनरक्षक उपहार में बदलने का साहसिक विकल्प चुना। डॉ. पुरी ने बताया कि एम्स में यह 11वां अंगदान है। इसके लिए अन्नेसिंह के परिवार के प्रति एम्स प्रबंधन ने आभार जताया। अन्नेसिंह की किडनी और लीवर को एम्स जोधपुर के मरीजों को सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया, जबकि एक किडनी एसएमएस अस्पताल जयपुर के मरीज को आवंटित की। इसे जयपुर भेजने के लिए जोधपुर ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया।

डॉ. पुरी ने बताया कि एम्स जोधपुर में यह 11वां सफल कैडेवरिक अंगदान है। यह 2026 के लिए आशाजनक शुरुआत है, जो पश्चिमी राजस्थान में अंगदान जागरूकता और उन्नत प्रत्यारोपण सेवाएं प्रदान करने के संस्थान के संकल्प को और मजबूत करता है।

सामान्यत: यह प्रोसीजर आयुष्मान भारत के तहत होता है, जिससे मरीजों पर वित्तीय बोझ कम से कम रहे। इस अंगदान और प्रत्यारोपण में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और जीआई सर्जरी (लीवर टीम) में डॉ. वैभव वाष्णेय, डॉ. पीयूष वाष्णेय, डॉ. लोकेश अग्रवाल, यूरोलॉजी (किडनी टीम) में डॉ. एएस संधू, डॉ. शिवचरण नवरिया थे। ब्रेन डेथ घोषणा समिति में डॉ. सादिक मोहम्मद, डॉ. अभिषेक भारद्वाज, डॉ. दीपक झा और डॉ. दुर्गाशंकर मीणा में शामिल थे।

अपहरण व लूट प्रकरण में पुलिसकर्मी सहित पांच आरोपी गिरफ्तार

मामले में गिरफ्तार पुलिस कांस्टेबल को किया निलंबित

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् थाना इलाके में फरियादी का अपहरण कर मारपीट करने, फिरौती मांगने व बैग लूटने के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मामले में गिरफ्तार उद्योग नगर थाने के पुलिस कांस्टेबल मनीष यादव ने अन्य साथियों के साथ मिलकर एक व्यक्ति का अपहरण कर उससे मारपीट कर फिरौती की मांग की और बाद में उसे रास्ते में छोड़कर उससे बैग लूट लिया था। पुलिस प्रशासन ने इस मामले में कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है। पुलिस टीम ने इस मामले में घटना में प्रयुक्त कार को भी जप्त किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 27 जनवरी को फरियादी ने आरकेपुरम थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि अपने मित्र के साथ ग्राम घाटोली से बाईक से 20 जनवरी को कोटा आया था, रंगबाड़ी में उसे एक मित्र राजेन्द्र मिला, जिसके पास एक बैग था, जिसमें सोने-चांदी के आभूषण और कुछ जरूरी सामान था। रिपोर्ट में कहा कि उसके मित्र राजेन्द्र ने कहा कि कोटा यूनिर्वसिटी के पास विजय माली नाम का व्यक्ति मिलेगा उसको वह बैग देना है।

रिपोर्ट में कहा कि जिस पर वह उसके साथ कोटा यूनिर्वसिटी पहुंचा तो वहां स्कूटी पर दो व्यक्ति आये जिसमे एक पुलिसकर्मी की वर्दी में था। पुलिसकर्मी की वर्दी वाले ने उसका बैग चैक किया और मुकदमा ना दर्ज करने के लिये धमकाया और उसके दोस्त को फिरौती की रकम लेने के लिये भेज दिया। रिपोर्ट में कहा कि थोड़ी देर में एक कार में तीन जने और आये और पुलिकर्मी ने उसको जबरदस्ती कार में बैठाया और उसका अपहरण कर अनंतपुरा की ओर ले गये और उससे मारपीट कर आगे जाकर कार से उतार कर बैग लूट कर फरार हो गये। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।मामले में कार्यवाही के लिये आरकेपुरम् थानाधिकारी रामविलास मीणा के नेतृत्व में चार पुलिस टीम गठित कर मामले में अनुसंधान एवं कार्यवाही करते हुए भरतपुर हाल उद्योग नगर थाने के कांस्टेबल मनीष यादव (35), रायपुरा निवासी प्रियांशु भट्ट (22), कैथून निवासी कृष्णकान्त उर्फ विजय (31), इन्द्रागांधी नगर निवासी देवेन्द्र कुमार नागर (31) एवं उल्हाड़ी निवासी विष्णु यादव (37) को गिरफ्तार किया। शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी ने बताया कि गिरफ्तार कांस्टेबल मनीष यादव के खिलाफ कार्यवाही करते हुए कांस्टेबल को निलंबित कर दिया है, मामले की जांच जारी है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (निसं)। युवती का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता ने आरोपी रामलाल डांगी व उसकी पत्नी रेखा के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता ने बताया कि 27 जनवरी को आरोपी मुझे बहला फुसला कर अपने साथ एकांत में ले गया, जहां आरोपी ने मेरे साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के चंगुल से निकल कर घर पहुंच कर प्रकरण दर्ज करवाया।

बजरी से भरा डंपर जब्त

उदयपुर, (निसं)। शहर के नाई थाना पुलिस ने अवैध बजरी से भरा डंपर जब्त कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान नाई पुलिस थाने हैड कांस्टेबल पिन्टूलाल पुत्र कन्हैयालाल मीणा निवासी अमरपुरा फला बोरा गोड़ टीडी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

एनजीटी ने 8.5 लाख पेड़ नहीं लगाने के मामले में सख्त रुख अपनाया

भीलवाड़ा, (निसं)। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल भोपाल ने नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया द्वारा राजस्थान में राजमार्गों के निर्माण एवं चौड़ा करने के दौरान काटे गये लाखों पेड़ों के बदले शर्तों के अनुसार 3 गुना, 5 गुना एवं 10 गुना लगभग 8.5 लाख पेड़ नहीं लगाने के मामले में वन विभाग की उदासीनता पर कड़ा रुख अपनाया है।

- **राजस्थान के पीसीसीएफ को नोटिस दिया, जवाब नहीं देने पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश**

पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू द्वारा अधिवक्ता लोकेन्द्र सिंह कच्छावा के मार्फत दायर जनहित याचिका 87/2025 की सुनवाई करते हुए एनजीटी ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जयपुर को शीघ्र जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति श्यो कुमार सिंह एवं विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि बार-बार निर्देशों के बावजूद प्रधान मुख्य वन संरक्षक, जयपुर की ओर से अब तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। एनजीटी ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को आदेश दिया है कि वह एक सप्ताह के भीतर प्रधान मुख्य वन संरक्षक को नोटिस की तामील कराए तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा वन विभाग में जमा की गई पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति राशि के उपयोग का पूरा विवरण दो सप्ताह के भीतर प्रस्तुत किया जाए। अधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समयसीमा में जवाब दाखिल नहीं किया गया तो प्रधान मुख्य वन संरक्षक को अगली सुनवाई दिनांक 19 मार्च, 2026 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

याचिकाकर्ता बाबूलाल जाजू ने इस आदेश का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश में सड़क मार्गों को चौड़ा करने के दौरान काटे गये विशालकाय लाखों पेड़ों के बदले पौधे लगाकर उनका रखरखाव के दिये गये निर्देशों की पूर्ण रूप से पालना नहीं करने पर जाजू को मजबूरन पुन: जनहित याचिका दायर करनी पड़ी।

शादी समारोह से जेवर का बैग चोरी

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके में एक शादी समारोह में से सोने-चांदी के आभूषण का बैग चोरी होने का मामला सामने आया है। पूरा घटनाक्रम शादी समारोह में लगे सीसीटीवी कैमरे मे कैद हुआ, पीड़ित पक्ष ने इसकी शिकायत बोरखेड़ा थाने में दर्ज कराई है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले में आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार तलवंडी निवासी कमलपाल की बेटी की शादी समारोह का कार्यक्रम बोरखेड़ा स्थित मैरिज गार्डन में चल रहा था। शादी समारोह कार्यक्रम के तहत महिला संगीत के कार्यक्रम के दौरान समारोह में से सोने-चांदी के आभूषण का बैग अचानक से गायब मिला, जिसे कोई अज्ञात चोरी कर ले गये। पुलिस ने बताया कि तलवंडी निवासी कमल पाल ने रिपोर्ट दी है कि शादी समारोह के दौरान कोई आभूषण का बैग चोरी करके ले गये। पुलिस ने बताया कि गार्डन में लगे सीसीटीवी फुटैज खंगाले जिसमें दो संदिग्ध युवक दिख रहे हैं, जिन्होंने पहले रैकी की और मौका मिलते ही बैग को पार कर फरार हो गये। पुलिस ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर सीसीटीवी फुटैज के आधार पर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन पर अफीम पकड़ी, एक गिरफ्तार

गंगापुर सिटी, (निसं)। रेलवे स्टेशन पर अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी थाना गंगापुर सिटी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने 428 ग्राम अवैध अफीम जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

- **जीआरपी पुलिस ने 428 ग्राम अवैध अफीम जब्त की**

थानाधिकारी जीआरपी गंगापुर सिटी दलवीर सिंह के नेतृत्व में गठित टीम शुक्रवार रात गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रेलवे स्टेशन गंगापुर सिटी के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उत्तरी छोर स्थित फुट ओवरब्रिज के नीचे एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस को शक होने पर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान संदिग्ध व्यक्ति भारत सिंह के कब्जे से 428 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने अफीम को मौके पर जब्त कर आरोपी भारत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में जीआरपी थाना गंगापुर सिटी में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रकरण का अनुसंधान उपनिरीक्षक सोमेन्द्र कुमार, जीआरपी थाना कोटा को सौंपा गया है। पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

इस कार्रवाई में जीआरपी थाना प्रभारी दलबीर सिंह के साथ सहायक उपनिरीक्षक सवाई माधोपुर कैलाश चंद, गंगापुर सिटी के सहायक उपनिरीक्षक भवानीशंकर और कांस्टेबल लाखन सिंह, दिलीप सिंह, मनोज कुमार, धर्मसिंह शामिल थे। यह कार्रवाई अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस रेलवे राजस्थान, महानिरीक्षक पुलिस रेलवे राजस्थान और पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर के निर्देशों पर चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। इस अभियान का उद्देश्य अवैध मादक पदार्थ, शराब और हथियारों की रोकथाम तथा अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना है। कार्रवाई का पर्यवेक्षण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर और पुलिस उप अधीक्षक जीआरपी वृत्त कोटा ने किया।

कोटा में 210 अपराधी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। शहर पुलिस की 74 टीमों ने अलग-अलग मामलों में एरिया डोमनेशन के तहत 163 स्थानों पर दबिश देते हुए 210 आरोपियों को गिरफतार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि सक्रिय अपराधियों एवं आदतन आरोपियो की अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिये एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाया गया। शहर एसपी ने बताया कि शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्र के तहत 74 टीमों का गठन किया गया, गठित टीमों ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रो में 163 स्थानों पर दबिश देकर कार्यवाही करते हुए अलग-अलग मामलों में 210 आरोपियों को गिरफ्तार किया। शहर एसपी नें बताया कि कार्यवाही के दौरान 78 सक्रिय एवं आदतन आरोपियों की राउंडशीट खोजी जाकर थाना स्तर पर निगरानी शुरू की है।

एसिड अटैक का इनामी आरोपी गिरफ्तार

सूरजगढ़, (निसं)। थाना क्षेत्र में हुए एसिड अटैक के मामले में पुलिस ने 5 हजार रुपए के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस प्रकरण में एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। सूरजगढ़ सीआई रणजीत सिंह सेवदा के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

मामले के अनुसार 17 अगस्त 2024 को परिवादी पूर्णमल निवासी कुम्हारों का बास थाना सूरजगढ़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका पोता अरुण कुमार, जो भारतीय सेना में कार्यरत है और छुट्टी पर घर आया हुआ था। सुबह करीब 4:45 बजे साइकिलिंग के लिए घर से निकला था। भापर गांव की सड़क पर पहुंचने से पहले उसने फोन कर अपने ताऊ राजेंद्र को बताया कि किसी ने उसके चेहरे और आंखों पर ज्वलनशील पदार्थ डाल दिया है। परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में घायल अरुण को चिड़ावा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे झुंझुनूं रेफर किया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर होने पर जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि घटना से पहले खुशबू शर्मा निवासी भापर के मोबाइल नंबर से अरुण कुमार को कई बार कॉल आए थे। इसी आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पहले आरोपी खुशबू शर्मा को गिरफ्तार कर लिया था। अनुसंधान में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी दिनेश ने एसिड की व्यवस्था कर खुशबू शर्मा को उपलब्ध कराया था। इसके बाद खुशबू ने अरुण कुमार पर एसिड फेंका। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी 27 वर्षीय दिनेश कुमार पुत्र महेंद्र सिंह निवासी भापर थाना सूरजगढ़ को गिरफ्तार कर लिया है। उसे पुलिस रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ की जा रही है।

गंगापुर सिटी में बूंदाबांदी से सर्दी ने जोर पकड़ा

गंगापुर सिटी, (निसं)। शनिवार सुबह मौसम ने एक बार फिर करवट ली। 27 जनवरी को हुई मावठ के बाद शनिवार सुबह करीब 8.30 बजे से 10.30 बजे तक हल्की बूंदाबांदी हुई। इससे वातावरण में नमी बढ़ गई और ठंड में इजाफा महसूस किया गया। बूंदाबांदी के कारण सर्दी ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। खुले इलाकों और खेतों में ठंड का असर अधिक रहा, जबकि शहर में भी लोग गर्म कपड़ों में लिपटे दिखे। ठंड बढ़ने से सुबह की चहल-पहल सीमित रही और बाजारों में गतिविधियां देर से शुरू हुईं। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 31 जनवरी को गंगापुर सिटी में न्यूनतम तापमान 14 डिग्री और अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि दिन का अधिकतम तापमान सामान्य रहा, लेकिन नमी और बादलों के कारण ठंडक अधिक महसूस की गई। पिछले कुछ दिनों से तापमान में उतार-चढ़ाव के बावजूद सर्दी का असर बना हुआ है।

दो दिन बाद हो सकती है ओलावृष्टि, फिर से बढ़ेगी सर्दी : श्रीगंगानगर जिले में कोहरे का प्रभाव कम होने लगा है। रोजाना तेज धूप निकलने से लोगों को ठंड से राहत मिल रही है। इससे अधिकतम व न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। जिले में मावठ की बारिश के आसार हैं। इस बीच बादलों की आवाजाही का दौर जारी है।

मौसम विभाग ने बारिश के साथ ओले गिरने की भी संभावना जताई है। ऐसे में जिले में एक बार फिर सर्दी बढ़ेगी। मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर पर शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री रिकार्ड किया गया। न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री व अधिकतम तापमान 21.5 डिग्री रिकार्ड किया गया था। वहीं, गुरुवार को न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री और अधिकतम तापमान 21.1 डिग्री रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग ने 2 फरवरी को श्रीगंगानगर-हनुमानगढ जिले में बारिश के साथ ओले गिरने की संभावना जताई है।

पाटन सीएचसी में स्टाफ का संकट, मरीज हो रहे परेशान

पाटन, (निसं)। श्री मूलचंद दीवान राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन इन दिनों गंभीर स्टाफ संकट से जूझ रहा है। अस्पताल में स्वीकृत 34 पदों में से 15 पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं, जिसका सीधा असर यहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों पर पड़ रहा है। प्रतिदिन 450 से 500 मरीज ओपीडी में उपचार के लिए पहुंचते हैं, लेकिन कर्मचारियों की भारी कमी के कारण उन्हें लंबा इंतजार और कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में डॉक्टरों के साथ-साथ अकाउंटेंट, क्लर्क, आईटी स्टाफ, एएनएम, सीनियर नर्सिंग स्टाफ, नर्सिंग ऑफिसर, सहायक रेडियोग्राफर, सीनियर लैब टेक्नीशियन, वार्ड बॉय और सफाई कर्मचारियों सहित कई महत्वपूर्ण पद खाली हैं। नर्सिंग स्टाफ की कमी के कारण वार्ड, प्रसव कक्ष, टीबी यूनिट और इमरजेंसी सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। मरीजों को पट्टी और इंजेक्शन लगवाने के लिए भी लंबा इंतजार करना पड़ता है।

- **अस्पताल में स्वीकृत 34 पदों में से 15 पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं**

पाटन सीएचसी

चिकित्सालय में सर्वसुविधायुक्त ऑपरेशन थिएटर मौजूद होने के बावजूद विशेषज्ञ चिकित्सक का पद रिक्त होने के कारण यहां ऑपरेशन नहीं हो पा रहे हैं। वहीं सोनोग्राफी मशीन की सुविधा नहीं होने से गर्भवती महिलाओं को नीमकाथाना, कोटपूतली जैसे उच्च चिकित्सा केंद्रों पर रेफर किया जाता है, जिससे उन्हें अतिरिक्त खर्च और परेशानी झेलनी पड़ती है। पाटन क्षेत्र से स्टेट हाइवे गुजरता है और यह इलाका बड़ा माइनिंग जोन भी है। इसके चलते यहां अक्सर सड़क हादसे होते रहते हैं। गंभीर रूप से घायल मरीजों को पाटन अस्पताल लाया जाता है, लेकिन स्टाफ और विशेषज्ञ डॉक्टरों की अनुपस्थिति में उन्हें अन्य बड़े अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिलने से कई बार गंभीर मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं।

इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी अधिकारी डॉ. अमित यादव ने बताया कि वे वर्तमान में आईएमएनसीआई प्रशिक्षण पर हैं और स्टाफ की कमी के कारण निश्चित रूप से परेशानियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज का उपचार किया जा रहा है और ओपीडी का भार अधिक होने के बावजूद मरीजों को असुविधा न हो, इसके लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

यूजीसी के विरोध में गंगापुर बंद आज

गंगापुर सिटी, (निसं)। अखिल भारतीय सवर्ण समाज संघर्ष समिति गंगापुर सिटी की मिटिंग शनिवार को सीताराम मंदिर पुरानी अनाज मंडी गंगापुर सिटी में रखी गई, जिसमें सम्पूर्ण भारत बंद के आह्वान को समर्थन देते हुए एवं शुक्रवार को एक निजी महाविद्यालय में सवर्ण समाज के बन्धु को अपमानित व उत्पीड़ित करने से समाज में व्याप्त रोष को लेकर मिटिंग में चर्चा हुई।

मिटिंग में उपस्थित व अन्य व्यापारिक संगठनों से बात कर एक फरवरी रविवार को गंगापुर सिटी बंद करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए शहर में रिक्शा माईक, सोशल मीडिया के माध्यम से सूचना देने पर सहमति बनी। मिटिंग में शैलेन्द्र शर्मा महूंकला ब्रहामण समाज पूर्व अध्यक्ष, रामकिशोर शर्मा, सतीश जिन्दल, गोविंद बरनाला जिलाध्यक्ष अग्रवाल समाज, रामवतार ढोला अध्यक्ष पुरानी अनाज मंडी, भवानी शंकर शर्मा, पवन कुमार, राजेश आचार्य, रविंद्र सिंघल, अशोक मंगल मंत्री अग्रवाल समाज, गजानंद, कीर्ति कुमार शर्मा, हेमेंद्र बोहरा, राजेश, नवीन गौतम, योगेंद्र खूंटामार, वेदप्रकाश मंगल किराना संघ, दीपक शर्मा, महेंद्र कुम्भाल तहसील उपाध्यक्ष विप्र फाउंडेशन, तहसील उपाध्यक्ष विप्र फाउंडेशन सहित सवर्ण समाज के बन्धु उपस्थित थे।

भीलवाड़ा में 150 से ज्यादा अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर नष्ट किये

भीलवाड़ा, (निसं)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। इसी कड़ी में पुलिस ने विशेष अभियान चलाते हुए बुलेट और अन्य बाइकों में लगे 150 से अधिक अवैध मॉडिफाइड साइलेंसरों को नष्ट किया।

सीओ सदर आईपीएस माधव उपाध्याय ने बताया कि शहरवासियों की तरफ से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ बाइकर्स, विशेषकर बुलेट सवार, अपनी गाड़ियों में कंपनी फिटेड साइलेंसर हटाकर अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर लगवा रहे हैं। इनसे निकलने वाली तेज आवाज और पटाखों जैसी ध्वनि से आम जनता को काफी परेशानी हो रही थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने शहरभर में एक विशेष अभियान चलाया। इस दौरान नाकाबंदी और चेकिंग के जरिए पुलिस ने ऐसी बुलेट मोटरसाइकिलों को रोका और उनके चालान काटे। साथ ही, मौके पर ही उन अवैध साइलेंसरों को जब्त कर लिया गया। जब्त किए गए इन सभी साइलेंसरों को पुलिस ने पुलिस कंट्रोल रूम के सामने इकट्ठा किया और उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया, ताकि इनका दोबारा इस्तेमाल न हो सके। पुलिस के अनुसार, नष्ट किए गए साइलेंसरों की संख्या 150 से ऊपर है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई केवल एक दिन के लिए नहीं है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अवैध साइलेंसरों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अगले महीने भी पुलिस इसी तरह मुस्तैदी से चेकिंग करेगी और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई करेगी। पुलिस ने युवाओं से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहनों में ऐसे बदलाव न करें जिससे दूसरों को असुविधा हो।

आवारा श्वानों के हमले से नीलगाय घायल

नोखा, (निसं)। यहां काहिरा गांव में शनिवार सुबह आवारा कुत्तों के एक झुंड ने नीलगाय पर हमला कर उसे घायल कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब नीलगाय गांव के पास खेतों की ओर आ गई थी। अचानक हुए इस हमले से नीलगाय गंभीर रूप से घायल हो गई।

- **ग्रामीणों और वन विभाग की तत्परता से जान बची**

घटनास्थल पर मौजूद महेंद्र, कूदन, अशोक और पवन नामक ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए आवारा कुत्तों को खदेड़ा और नीलगाय को उनके चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पशुधन सहायक भगवान गौड़ को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पशुधन सहायक भगवान गौड़ मौके पर पहुंचे और घायल नीलगाय का प्राथमिक उपचार किया। नीलगाय की स्थिति को देखते हुए वन विभाग की टीम को भी सूचित किया। कुछ ही देर में वन विभाग की टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने नीलगाय का मौके पर ही उपचार किया और उसे सुरक्षित स्थान पर रेस्क्यू किया। ग्रामीणों की तत्परता और पशुधन विभाग व वन विभाग के समय पर समन्वय से नीलगाय की जान बचाई जा सकी। इस घटना के बाद ग्रामीणों ने क्षेत्र में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।

विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी सहित तीन लोगों की जमानत याचिका खारिज

राजस्थान हाईकोर्ट ने माना कि इस स्तर पर जमानत की सुविधा दिया जाना उचित नहीं है

- उदयपुर के डॉ. अजय मुर्डिया ने विक्रम भट्ट सहित आठ लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की एफआईआर उदयपुर में दर्ज कराई थी

उदयपुर/जोधपुर, (कासं)। करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी सहित तीन लोगों की जमानत याचिका राजस्थान हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। हाईकोर्ट ने माना कि इस स्तर पर जमानत की सुविधा दिया जाना उचित नहीं है।

राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस विनोद कुमार भारवनी ने इस मामले में सुनवाई की। इस दौरान विशिष्ट लोक अभियोजक ने जमानत प्रार्थना पत्र का विरोध किया। उनका तर्क था कि इस मामले में अभी जांच चल रही है। अब तक की जांच में पाया गया है कि आरोपी विक्रम भट्ट और श्वेताम्बरी भट्ट ने अलग-अलग नामों से अलग-अलग फर्जी बिल तैयार करवाकर शिकायतकर्ता से पैसा ट्रांसफर करवाया है। उस पैसे को अपने खातों में डलवाकर खुद ने ही उपयोग में ले लिया। इस प्रकार आरोपियों ने मिलकर शिकायतकर्ता से अलग-अलग नाम के अकाउंट में 4 करोड़ 23 लाख 13 हजार 424 रुपए लिए। इसमें से 1 करोड़ 65 लाख 69 हजार 955 रुपए खुद के ही खातों में डलवाकर कर्जा उतारने के लिए उपयोग में ले लिए। विशिष्ट लोक अभियोजक ने कहा कि आपराधिक कृत्य में प्रार्थी मेहबूब अंसारी की सक्रिय भूमिका जांच के दौरान सामने आई है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रार्थी द्वारा गवाहों पर भी दबाव बनाया जा रहा है, महत्वपूर्ण अनुसंधान अभी बाकी है। अलग से अभी पूछताछ करनी है। अगर इस समय यदि प्रार्थी को जमानत पर छोड़ दिया गया तो वे गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए जमानत आवेदन निरस्त किया जाए। हाईकोर्ट ने श्वेताम्बरी वी. भट्ट पत्नी विकम भट्ट, विक्रम भट्ट पुत्र प्रवीण भट्ट और मेहबूब अंसारी पुत्र उस्मान अंसारी के जमानत आवेदन पत्र को निरस्त कर दिया।

उदयपुर के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत आठ लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की एफआईआर उदयपुर में दर्ज कराई थी। डॉ. अजय मुर्डिया का आरोप था कि एक इवेंट में उनकी मुलाकात दिनेश कटारिया से हुई थी। दिनेश कटारिया ने उन्हें पत्नी की बायोपिक बनाने का प्रस्ताव दिया। इस सिलसिले में दिनेश कटारिया ने 24 अप्रैल 2024 को मुंबई स्थित वृंदावन स्टूडियो बुलाया था। कटारिया ने उन्हें विक्रम भट्ट से मिलवाया, जहां भट्ट से बायोपिक बनाने पर चर्चा हुई थी। कुछ दिन बाद विक्रम और श्वेतांबरी भट्ट ने डॉक्टर अजय मुर्डिया को कहा कि 7 करोड़ रुपए और फाइनेंस करके वे 4 फिल्में 47 करोड़ में बना सकते हैं। इन फिल्मों की रिलीज से 100 से 200 करोड़ रुपए तक मुनाफा हो जाएगा। इसके बाद उनके स्टाफ में अमनदीप मंजीत सिंह, मुदित, फरजाना आमिर अली, अबजानी, राहुल कुमार, सचिन गरगोटे, सबोबा भिमाना अडकरी के नाम के अकाउंट में 77 लाख 86 हजार 979 रुपए ट्रांसफर करवाए। इस तरह 2 करोड़ 45 लाख 61 हजार 400 रुपए ट्रांसफर किए। वहीं इंदिरा एंटरटेनमेंट से 42 करोड़ 70 लाख 82 हजार 232 रुपए का भुगतान किया गया, जबकि चार फिल्मों का निर्माण 47 करोड़ में किया जाना तय हुआ था। विक्रम भट्ट और श्वेतांबरी भट्ट ने केवल 2 फिल्म का निर्माण कर रिलीज करवाया। तीसरी फिल्म विश्व विराट लगभग 25 प्रतिशत ही बनाई गई। चौथी फिल्म महाराणा-रण की अभी तक शूटिंग भी शुरू नहीं हुई।

आरोप है कि डायरेक्टर ने फिल्म महाराणा-रण के ही 25 करोड़ हड़प लिए। इंदिरा आईवीएम के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया (पीड़ित) ने फिल्म डायरेक्टर, उनकी पत्नी, बेटी कृष्णा निवासी अंधेरी वेस्ट, मुंबई, दिनेश कटारिया निवासी सहेली नगर उदयपुर, महबूब अंसारी प्रोड्यूसर निवासी ठाणे, मुदित बुटट्रान निवासी दिल्ली, गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव डीएससी चेयरमैन, अशोक दुबे जनरल सेक्रेटरी, फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज मुंबई के खिलाफ भूपालपुरा (उदयपुर) थाने में रिपोर्ट दी थी।

जोधपुर एम्स में सोनम वांगचुक की स्वास्थ्य जांच हुई

- आम मरीजों को असुविधा न हो और सुरक्षा में चूक न रहे, इसके लिए उन्हें सुबह जल्दी अस्पताल लाया गया
- जेल प्रशासन अब उनकी मेडिकल रिपोर्ट सीधे सुप्रीम कोर्ट में पेश करेगा, जिसके आधार पर कोर्ट उनके इलाज या जेल की सुविधाओं पर आगे का फैसला सुना सकता है
- सोनम की पत्नी लगातार उन पर लगाए आरोपों का खंडन करती रही हैं

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की सेंट्रल जेल में चार माह से अधिक समय से बंद लद्दाख के पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह कड़ी सुरक्षा के साथ एम्स ले जाया गया। यहां उनकी स्वास्थ्य जांच की गई है। एम्स के गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग ने वांगचुक का परीक्षण किया है। इसकी रिपोर्ट सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश की जाएगी।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में उनके वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा था कि जेल के पानी से उन्हें पेट की गंभीर समस्या हो रही है। कोर्ट ने उनकी जांच कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे। सोनम की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने सोशल मीडिया पर अगली सुनवाई दो फरवरी को होने की जानकारी साझा की थी। वांगचुक की लोकप्रियता और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एम्स परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। आम मरीजों को असुविधा न हो और सुरक्षा में चूक न रहे, इसके लिए उन्हें सुबह जल्दी अस्पताल लाया गया। जेल प्रशासन अब उनकी मेडिकल रिपोर्ट सीधे सुप्रीम कोर्ट में पेश करेगा, जिसके आधार पर कोर्ट उनके इलाज या जेल की सुविधाओं पर आगे का फैसला सुना सकता है।

राजस्थान सरकार की ओर से पेश वकील ने दावा किया था कि पिछले 4 महीनों में जेल के डॉक्टर ने उनकी 21 बार जांच की है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट की पीठ न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पी.बी. वराले ने कहा कि सामान्य जांच काफी नहीं है, और उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टर की जरूरत है। कोर्ट ने जेल अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वांगचुक की जांच किसी सरकारी अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टर (गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट) से कराई जाए। पूरी मेडिकल रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में 2 फरवरी तक अदालत में पेश की जाए।

सोनम वांगचुक को लद्दाख के लिए स्टेटहुड मांगने और 6वें शेड्यूल में जोड़ने के लिए चल रहे धरने प्रदर्शन के दौरान लद्दाख में हुई हिंसा के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन्हें गत वर्ष 26 सितम्बर को जोधपुर जेल लाया गया। वांगचुक को एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया था। सोनम की पत्नी लगातार उन पर लगाए आरोपों का खंडन करती रही हैं। उनकी रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में कई बार सुनवाई के बाद अभी याचिका लंबित है, जिस पर अब दो फरवरी को सुनवाई होनी है। वांगचुक को जोधपुर जेल में चार माह से अधिक का समय हो चुका है।

बीकानेर में जीएनएम को 1500 रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

- महिला की पूर्व में डिलीवरी का डिस्चार्ज सर्टिफिकेट और ममता कार्ड बनाने के बदले ली रिश्वत

बीकानेर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की बीकानेर चौकी ने श्रीडूंगरगढ़ के तोलियासर गांव में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की जीएनएम को 1500 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत महिला की पूर्व में डिलीवरी का डिस्चार्ज सर्टिफिकेट और ममता कार्ड बनाने के बदले ली।

एसीबी के एएसपी विनोद कुमार ने बताया कि श्रीडूंगरगढ़ में तोलियासर निवासी महिला को ममता कार्ड बनवाना था। इसके लिए वह अपने ससुराल बालोतरा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर गई तो वहां पूर्व में हुई डिलीवरी का ऑनलाइन डिस्चार्ज सर्टिफिकेट मांगा गया। इसके लिए वह श्रीडूंगरगढ़ के तोलियासर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची। वहां वर्ष, 2016 में हुई पहली डिलीवरी का डिस्चार्ज सर्टिफिकेट ऑनलाइन करने के बदले जीएनएम रेखा ने 1500 रुपए की रिश्वत मांगी। इसके अलावा ममता कार्ड बनाने के 500 रुपए अलग से मांगे जो परिवादीया ने उसे दे दिए। बाद में 1500 रुपए मांगने की शिकायत ब्यूरो से की। ब्यूरो ने शिकायत का सत्यापन कराया। महिला प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची, जहां जीएनएम ने 1500 रुपए की रिश्वत लेकर अपने स्वेटर की जेब में रख लिए।

इंस्पेक्टर जयकुमार के नेतृत्व में ब्यूरो की टीम ने जीएनएम को गिरफ्तार कर रिश्वत की राशि बरामद कर ली। उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा। जीएनएम रेखा ने वर्ष, 2016 में सर्विस ज्वाइन की थी। वर्तमान में स्वास्थ्य केन्द्र स्थित रूम में ही रहती है। ब्यूरो की टीम में इंस्पेक्टर पिंकी गंगवाल, एएसआई बजरंगसिंह, जगदीश चौधरी, हेड कांस्टेबल राजेन्द्र, रतनसिंह, कांस्टेबल विमला, हरिराम और दिलीप शामिल थे।

साध्वी प्रेम बाईसा मौत प्रकरण की एसआईटी ने जांच शुरु की

एसीपी छवि शर्मा के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया, इंजेक्शन का एंगल जांच के दायरे में

- एसआईटी की प्रमुख एसीपी छवि शर्मा ने बताया कि कंपाउण्डर देवी सिंह ने स्वीकार किया है कि उसने साध्वी को सिर्फ एक नहीं, बल्कि एक से अधिक इंजेक्शन दिए थे
- 'पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने में अभी समय लग सकता है, जरूरत पड़ने पर साध्वी के पिता से भी पूछताछ की जाएगी'

जोधपुर, (कासं)। कथावाचक साध्वी प्रेम बाईसा की मौत के मामले में पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। इस टीम का नेतृत्व एसीपी छवि शर्मा कर रही है। इसके अलावा एसआईटी टीम में बोरानाडा थानाधिकारी शकील और सायबर एक्सपर्ट को भी शामिल किया गया है।

एसआईटी की प्रमुख एसीपी छवि शर्मा ने बताया कि पूछताछ के दौरान कंपाउण्डर देवी सिंह ने स्वीकार किया है कि उसने साध्वी को सिर्फ एक नहीं, बल्कि एक से अधिक इंजेक्शन दिए थे। हालांकि इन इंजेक्शनों की प्रकृति, दवाओं के नाम और उनकी मात्रा को लेकर जांच अभी जारी है। इसके अलावा देवी सिंह की डिग्री और बैक ग्राउंड की भी पड़ताल की जा रही है। एसआईटी का कहना है कि इस मामले से जुड़ा हर व्यक्ति फिलहाल शक के दायरे में है और किसी भी एंगल को नजरअंदाज नहीं किया जा रहा। छवि शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने में अभी समय लग सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ने पर साध्वी के पिता से भी पूछताछ की जाएगी।

एसआईटी की जांच सिर्फ मेडिकल एंगल तक सीमित नहीं है। आश्रम से जुड़े सभी बैंक खातों की जांच की जा रही है। इसके साथ ही आश्रम से जुड़े व्यक्तियों के व्यक्तिगत खातों की भी गहन पड़ताल की जा रही है, जिससे किसी तरह के संदिग्ध लेनदेन का पता लगाया जा सके। फिलहाल एसआईटी मेडिकल, आर्थिक और परिस्थितिजन्य सभी पहलुओं को जोड़कर मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट को इस पूरे केस की सबसे अहम कड़ी माना जा रहा है। एसआईटी ने कंपाउंडर देवी सिंह राजपुरोहित को सीआरपीसी की धारा 94 के तहत नोटिस दिया है। उसकी नर्सिंग डिग्री और उससे जुड़े सभी दस्तावेज मांगे गए हैं। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि उनकी डिग्री सही है या नहीं और क्या उन्हें इंजेक्शन देने का अधिकार था या नहीं। नोटिस में देवी सिंह से यह भी पूछा गया है कि उन्होंने कौन सी दवाएं दी, कितनी मात्रा में दी और दवाएं कहां से लाई गई थी। उनके मोबाइल नंबर और कॉल डिटेल रिकॉर्ड भी जांच में शामिल किए गए हैं।

एसआईटी ने प्रेक्षा अस्पताल को भी धारा 94 के तहत नोटिस जारी किया है। अस्पताल से इलाज से जुड़े सभी कागजात, मरीज का मेडिकल रिकॉर्ड और घटना वाले दिन का सीसीटीवी फुटेज मांगा गया है। इससे यह पता लगाया जा रहा है कि साध्वी प्रेम बाईसा को अस्पताल किस हालत में लाया गया था और वहां क्या हुआ? फॉरेंसिक जांच को भी अहम माना जा रहा है। एफएसएल को भेजे गए सभी पत्रों और दस्तावेजों की जांच की जा रही है, जिससे यह साफ हो सके कि विसरा और अन्य सैंपल सही समय पर और सही तरीके से भेजे गए थे या नहीं। इसके साथ ही चल और अचल संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी जांच में शामिल हैं। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि किसी तरह का संपत्ति विवाद या आर्थिक दबाव तो इस मामले से जुड़ा नहीं था। आयकर से जुड़े मामलों की भी पड़ताल हो रही है। आईटीआर और अन्य आय स्त्रोतों को देखकर आय और खर्च में किसी गड़बड़ी की जांच की जा रही है।

जांच एजेंसियां साध्वी प्रेम बाईसा की हाल की यात्राओं की जानकारी भी जुटा रही है। कहां गई, किन लोगों से मिली और किन जगहों पर उनका आना जाना रहा। डिजिटल जांच के तहत कॉल डिटेल रिकॉर्ड, इंटरनेट इस्तेमाल और सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच की जा रही है। मोबाइल डेटा और ऑनलाइन गतिविधियों को खंगाला जा रहा है। सोशल मीडिया से जुड़े डिवाइस और अकाउंट्स की भी जांच हो रही है। खास तौर पर यह पता लगाया जा रहा है कि साध्वी प्रेम बाईसा को अस्पताल किस हालत में लाया गया था और वहां क्या हुआ? फॉरेंसिक जांच को भी अहम माना जा रहा है। एफएसएल को भेजे गए सभी पत्रों और दस्तावेजों की जांच की जा रही है, जिससे यह साफ हो सके कि विसरा और अन्य सैंपल सही समय पर और

बांसवाड़ा में हैड कांस्टेबल व कांस्टेबल ने दो हजार की रिश्वत ली

बांसवाड़ा/जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बांसवाड़ा टीम ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए पुलिस चौकी छोटी सरवा, थाना पाटन (जिला बांसवाड़ा) में तैनात हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह और कांस्टेबल जयपाल सिंह को दो हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

एसीबी के पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके परिचित का अन्य लोगों से विवाद हुआ था, जिसमें परिवादी के निजी वाहन को नुकसान पहुंचाया गया। क्षतिग्रस्त वाहन पुलिस थाना पाटन में जब्त था। परिचित की रिपोर्ट पर थाना पाटन में एफआईआर दर्ज होने के बाद मामले की जांच पुलिस चौकी छोटी सरवा में तैनात हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह को सौंपी गई थी। आरोप है कि हैड कांस्टेबल द्वारा परिवादी को वाहन क्षति की उचित राशि दिलाने तथा वाहन सुपुर्दगी की फाइल तैयार करने के एवज में अपने मुंशी कांस्टेबल जयपाल सिंह के लिए रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायत के सत्यापन के लिए 30 जनवरी को एसीबी द्वारा रिश्वत मांग का सत्यापन कराया गया। जिसमें हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह द्वारा कांस्टेबल जयपाल सिंह के लिए रिश्वत मांगना प्रमाणित पाया गया। सत्यापन के दौरान कांस्टेबल जयपाल सिंह ने भी रिश्वत लेने पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद एसीबी बांसवाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीना के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कांस्टेबल जयपाल सिंह को परिवादी से दो हजार रुपये की रिश्वत लेते पकड़ लिया गया। मौके पर हैड कांस्टेबल सुरेन्द्र सिंह भी मौजूद थे। मामले में संलिप्तता पाए जाने पर पूछताछ के बाद हैड कांस्टेबल को भी डिटेन कर लिया गया। एसीबी की टीम दोनों आरोपियों के अन्य ठिकानों की तलाशी भी ले रही है।

सचिन पायलट आज उदयपुर, राजसमंद दौरे पर

उदयपुर, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं विधायक सचिन पायलट रविवार को उदयपुर एवं राजसमंद जिले के दौरे पर रहेंगे।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रवक्ता पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि पायलट प्रात: 6.55 बजे जयपुर के सांगानेर एयरपोर्ट से इंडिगो विमान द्वारा प्रस्थान कर प्रात: 7.45 बजे उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेंगे, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया जाएगा। एयरपोर्ट से प्रस्थान कर पायलट प्रात: 8.30 बजे भुवाणा पहुंचेंगे, जहां वे पीसीसी सदस्य डॉ. दुर्गा सिंह राठौर के पिताजी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके पश्चात प्रात: 9 बजे भुवाणा से नाथद्वारा पहुंचेंगे, जहां वे पूर्व जिला अध्यक्ष देवकीनंदन गुर्जर की धर्मपत्नी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

सड़क पर मिला शिक्षक का शव, पास में बेहोश मिली पत्नी

- युवक के सिर पर गहरी चोट के निशान मिले, तीन महीने पहले ही शादी हुई थी
- युवक ने तीन दिन पहले ही एक प्राइवेट स्कूल में टीचर की नौकरी जॉइन की थी

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले में निजी स्कूल के टीचर और उसकी पत्नी घर से 200 मीटर दूर बेसुध हालत में सड़क पर पड़े मिले। पड़ोसी युवक ने पुलिस को सूचना दी, पुलिस ने पति-पत्नी को हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने टीचर को मृत घोषित कर दिया। 3 महीने पहले ही टीचर की शादी हुई थी।

जानकारी के अनुसार घटना रावला मंडी थाना क्षेत्र के गांव एक केएलएम की है। पत्नी की हालत गंभीर है। युवक के सिर पर गहरी चोटों के निशान मिले हैं। मोबाइल भी उसके पास नहीं है। युवक ने तीन दिन पहले ही एक प्राइवेट स्कूल में टीचर की नौकरी जॉइन की थी।

एसआई सुरेश कुमार ने बताया कि रात पौने दस बजे सूचना मिली कि गांव एक केएलएम में गांव की ओर जाने वाली सड़क किनारे पति-पत्नी बेहोश हालत में पड़े हैं। इस पर टीम मौके पर पहुंची तो उनकी पहचान आशीष (27) पुत्र रामरतन और उसकी पत्नी अंजू (25) के रूप में हुई। दोनों को रावला सीएचसी लेकर आया गया, जहां डॉक्टरों ने आशीष को मृत घोषित कर दिया। आशीष के पड़ोसी डीजे संचालक तोलाराम ने पुलिस को बताया कि रात करीब 9:35 बजे मैं डीजे लेकर अपने गांव आ रहा था। घर से 200 मीटर पहले सड़क किनारे एक महिला और एक युवक अचेत अवस्था में दिखाई दिए। पास जाकर देखा तो मेरा पड़ोसी आशीष और उसकी पत्नी अंजू थी। अस्पताल में आशीष को मृत घोषित कर दिया। उसके सिर पर चोट के निशान हैं।

तोला राम ने बताया कि मैंने आशीष के मोबाइल नंबर पर कॉल किया तो सामने से कॉल को काट दिया गया और मोबाइल को स्विच ऑफ कर लिया गया। इसके बाद फौरन आशीष के परिजन और रावला पुलिस थाने में दी। पुलिस ने शव को रावला के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक आशीष की पत्नी अंजू को गंभीर हालत में बीकानेर रेफर कर दिया गया है। एसआई ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आशीष की पत्नी के होश में आने के बाद पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा।

वृद्धा से जेवर की ठगी

उदयपुर, (निसं)।सविना थाना क्षेत्र में कार में सवार बदमाश वृद्धा से जेवरात की ठगी कर ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मजुखेतरा पत्नी बाबूलाल निवासी आई ब्लॉक सेक्टर 14 हुकडको कॉलोनी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 30जनवरी को मैं सवेरे मोर्निंग वाक करने के लिए बाबुली जोधपुर मिष्ठान भण्डार की तरफ गई थी। इस दौरान कार में आए साधू के वेश में बदमाश ने बातचीत करने के दौरान मुझसे कार की टॉप्स खुलवा कर ठगी कर ले गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इससे पहले दो दिन पूर्व बसन्तीलाल चौबीसा निवासी सेक्टर 14 से भी 28 जनवरी को सोने की दो अंगूठियां एवं गले की चेन ठगी करने की वारदात हो चुकी है।

के. के. गुप्ता फिर से राजस्थान के स्वच्छता एम्बेसेडर बने

के. के. गुप्ता।

जयपुर/उदयपुर/डूंगरपुर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के राज्य समन्वयक और डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष के. के. गुप्ता को राज्य सरकार ने राजस्थान का स्वच्छता एम्बेसेडर नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर स्वायत्त शासन विभाग के आयुक्त एवं शासन सचिव रवि जैन के हस्ताक्षर से उक्त सन्दर्भ में राज्य के समस्त जिला कलेक्टर को पत्र जारी किया गया है।

के. के. गुप्ता पूर्व में भी दो बार राज्य सरकार के स्वच्छता ब्राण्ड एम्बेसेडर रहें है। गुप्ता को उनके अनुकरणीय कार्यों और सेवाओं के लिए राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कई अवार्ड प्रदान किए गए हैं। साथ ही विदेशी सरकारों और प्रतिष्ठानों द्वारा भी उन्हें सम्मानित किया गया है। राज्य सरकार द्वारा सौंपे गए नवीन दायित्व के तहत के. के. गुप्ता राज्य के समस्त जिलों और निकायी क्षेत्रों में स्वच्छता जागरूकता अभियान को सशक्त करेंगे। स्वायत्त शासन सचिव द्वारा जारी पत्र में राज्य के सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जिला स्तर और राज्य के सभी स्थानीय निकायों में प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समन्वय स्थापित कर के. के. गुप्ता की अध्यक्षता में बैठकें आयोजित करें और स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के लिए उनके द्वारा बताये गए कार्यों और निर्देशों की पालना रिपोर्ट सात दिन में स्वायत्त शासन विभाग को प्रेषित करेंगे। इन बैठकों में स्थानीय निकायों के महापौर, सभापति, अध्यक्षों और पार्षदों को भी आमंत्रित करने के साथ ही डूंगरपुर मॉडल के कार्यों का प्रजेंटेशन करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मुसाफिर खाने से तीन संदिग्ध गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी थाना इलाके में होटल व मुसाफिर खानों में चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। तीनों संदिग्ध कश्मीर के बारामुला के निवासी हैं, पकड़े गये संदिग्धों से सुरक्षा एजेसियां पूछताछ कर रही है।

भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा ने बताया कि पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर स्टेशन क्षेत्र के होटल व मुसाफिर खानों में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उसी अभियान के तहत स्टेशन स्थित मुसाफिर खाने से तीन जनों पर संदेह होने पर डिटेन कर पूछताछ की गई। थानाधिकारी ने बताया कि अभी तक मामले में सामने आया कि तीनों कशमीर के बारामुला के रहने वाले हैं जो बारामुला में मदरसों के निर्माण के नाम पर चंदा एकत्र करने के लिये आना बता रहे है। थानाधिकारी ने बताया कि तीनों संदिग्धों को पूछताछ के लिये सुरक्षा ऐजेंसियों को सौंप दिया है। मामले में पूछताछ के बाद आगे की कार्यवाही की जायेगी।

चूरू के कुमार अजय को ''सुरजाराम जालीवाला राजस्थानी सृजन सम्मान'' मिलेगा

- ''रिंकी टेलर'' और ''संजीवणी'' जैसी चर्चित राजस्थानी किताबों के रचयिता हैं युवा लेखक कुमार अजय, राजस्थानी सृजन के लिए सम्मान दिया जाएगा
- कुमार अजय वर्तमान में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उप निदेशक पद पर कार्यरत हैं

कुमार अजय

चूरू। ''रिंकी टेलर'' और ''संजीवणी'' जैसी चर्चित राजस्थानी किताबों के रचयिता युवा लेखक कुमार अजय को सृजन सेवा संस्थान, श्रीगंगानगर की ओर से ''सुरजाराम जालीवाला राजस्थानी सृजन सम्मान'' प्रदान किया जाएगा। शुक्रवार शाम संस्थान की ओर से अपने वार्षिक पुरस्कारों की घोषणा की गई।

संस्थान के अध्यक्ष अरूण शहैरिया 'ताइर' और कृष्ण कुमार आशु के मुताबिक कुमार अजय को उनके राजस्थानी सृजन के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। संस्थान की ओर से प्रख्यात विचारक-आलोचक डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रख्यात कथाकार मनीषा कुलश्रेष्ठ, कैलाश मनहर, डॉ. मदन सैनी, कथादेश के संपादक डॉ. हरिनारायण, पवन पहाड़िया, मोनिका गौड़ आदि को भी पुरस्कृत-सम्मानित किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि चूरू जिले के गांव घांघू में 24 जुलाई 1982 को जन्मे कुमार अजय राजस्थानी और हिंदी के चर्चित लेखक है। राजस्थानी में उनके कविता संग्रह ''संजीवणी'', ''ऊभौ हूं अजै'', ''रिंकी टेलर'' काफी चर्चित रहे हैं, वहीं हिंदी में कविता संग्रह ''कहना ही है तो कहो'' एवं डायरी पुस्तक ''मैं चाहूं तो मुस्करा सकता हूं'' और ''आत्माओं में घुले दुख'' उनकी उल्लेखनीय पुस्तकें हैं। इसके अलावा संपादन और अनुवाद के क्षेत्र में भी उन्होंने महत्त्वपूर्ण कार्य किया है।

इससे पूर्व कुमार अजय साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार 2013, श्रीमती बसंती देवी धानुका युवा साहित्यकार पुरस्कार, ग्राम गदर पत्रकारिता पुरस्कार 2006, कुलिश स्मृति: कलम से स्वराज पत्रकारिता पुरस्कार 2007, मायड़ रत्न अलंकरण सहित अनेक पुरस्कार-सम्मान से समादृत हो चुके हैं। कुमार अजय वर्तमान में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उप निदेशक पद पर कार्यरत हैं। कुमार अजय को यह सम्मान दिए जाने की घोषणा पर अंचल के लेखकों-साहित्यप्रेमियों, पत्रकारों, जनसम्पर्ककर्मियों और उनके शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

पटवारी का रुपए लेते हुए का वीडियो वायरल

जोधपुर, (कासं)। शहर में रुपए लेते हुए का पटवारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस पर एसडीओ ने पटवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वीडियो को जांच के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हलांकि पटवारी ने सफाई देते हुए बताया कि वीडियो दो साल पुराना है। गौशाला की चारदीवारी के लिए ग्रामीणों से चंदा लेने की बात कही है। मामले की जांच की जा रही है।

पटवारी ने सफाई दी है कि वीडियो दो साल पुराना है। ग्राम पंचायत प्रहलादपुर स्थित गौशाला की चारदीवारी निर्माण और रजिस्ट्रेशन के लिए ग्रामीणों द्वारा चंदा एकत्रित किया गया था, और चंदे की राशि गोवंश संरक्षण एवं गौशाला विकास के उद्देश्य से ली गई थी। फिलहाल सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले की जांच शुरू हो गई है। वायरल वीडियो के मामले में जोधपुर जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल ने कहा है कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है और नोटिस जारी किया है। तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा है।

इंडिया स्टोनमार्ट से प्रदेश के पत्थर उद्योग को मिलेगा वैश्विक मंच : मुख्यमंत्री

राज्य सरकार स्टोन इंडस्ट्री के विकास और विस्तार के लिए प्रतिबद्ध : भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान का पत्थर उद्योग निरंतर प्रगति कर रहा है। राज्य सरकार इसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार एवं विकास के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्य योजना बनाकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी इंडिया स्टोनमार्ट का आयोजन प्रदेश की स्टोन इंडस्ट्री को गति देने में अहम कड़ी साबित होगा।

शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित बैठक में इंडिया स्टोनमार्ट-2026(13वां संस्करण) की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय विक्रेताओं को राजस्थान के पत्थर उद्योग की समृद्धता की पूरी जानकारी दी जाए। साथ ही, उन्होंने स्टोनमार्ट में घरेलू एवं प्रवासी प्रतिभागिता को बढ़ाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने स्टेट व कंट्री पेवेलियन की तैयारियों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्टोनमार्ट में आयोजित होने वाले जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल के जरिए प्रदेश के स्टोनव्यवसाय को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने कहा कि बायर-सेलर मीट का आयोजन कार्य योजना के अनुसार किया जाए, जिससे प्रदेश के पत्थर उद्योग को निर्यात के नए अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने शिल्पग्राम आयोजन से संबंधित जानकारी भी ली। उल्लेखनीय है कि फरवरी के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाले इंडिया स्टोनमार्ट-2026 में देश-विदेश के मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन, कोटा स्टोन, क्वार्ट्स स्टोन, स्लेट सहित विभिन्न स्टोन्स का प्रदर्शन होगा। साथ ही, स्टोन मशीनरी, उपकरण एवं भारी अर्थमूविंग मशीनों का प्रदर्शन किया जाएगा।

इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा, रीको व सीडीओएस के अधिकारी सहित लघु उद्योग भारती के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को सीएमओ में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर इंडिया स्टोनमार्ट-2026 की तैयारियों पर चर्चा की।

- जेईसीसी में होने वाले इस आयोजन में देश-विदेश के मार्बल, ग्रेनाइट, सेंड स्टोन, कोटा स्टोन, क्वार्ट्स स्टोन, स्लेट स्टोन्स का प्रदर्शन होगा।

नशे के अंधकार में डूब चुके युवाओं को बाहर निकाल रही भजनलाल सरकार

नशा मुक्ति केन्द्रों से टूटे हौसलों को मिल रही नई सांस : अविनाश गहलोत

जयपुर (कासं)। नशे के अंधकार में डूब चुके युवाओं को इस दलदल से बाहर निकालकर पुन: बेहत्तर जीवन देने की दिशा में भजनलाल सरकार पुरजोर तरीके से काम कर रही है। प्रदेश में 82 लाइसेंसशुदा गैर-अनुदानित, 10 राज्य सरकार द्वारा अनुदानित और 38 भारत सरकार द्वारा अनुदानित नशा मुक्ति केंद्र संचालित है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की स्पष्ट सोच है कि राजस्थान का कोई भी युवा नशे की लत में अकेला न पड़े। इसी भावना के तहत राज्य सरकार ने वर्ष 2025 के बजट में 10 करोड़ रुपये का प्रावधान करते हुए श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर और बाड़मेर सहित 10 जिलों में 25-25 बेड क्षमता के नशा मुक्ति केंद्र स्थापित किए। आज ये केंद्र पूरी क्षमता से संचालित हैं और सैकड़ों युवा नशे से बाहर निकलकर फिर से अपने सपनों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

सामाजिक कल्याण एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि, "नशा... जो किसी एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और भविष्य को धीरे-धीरे निगल लेता है।

वर्षों से राजस्थान के कई घरों में यह दर्द चुपचाप पल रहा था। कोई बेटा रास्ता भटक गया था, कोई भाई उम्मीद खो चुका था, तो कहीं माता-पिता की आंखें अपने ही बच्चे को बचाने की आस में सूख चुकी थी। ऐसे ही अंधेरे में डूबे युवाओं के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का सुशासन एक नई रोशनी बनकर सामने आया है। सरकार का यह प्रयास केवल इलाज नहीं, बल्कि टूट चुकी ज़िंदगी को फिर से खड़ा करने का संकल्प है।"

- प्रदेश में 82 लाइसेंसशुदा गैर-अनुदानित, 10 राज्य सरकार द्वारा अनुदानित और 38 भारत सरकार द्वारा अनुदानित नशा मुक्ति केंद्र संचालित

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रदेश में संचालित नशा मुक्ति केंद्र आज सिर्फ इमारतें नहीं, बल्कि उन परिवारों की उम्मीद हैं, जिन्होंने अपने बच्चे को खोने का डर देखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग डिमांड रिडक्शन ने नशे के खिलाफ एक जन-आंदोलन का रूप ले लिया है। राजस्थान में विद्यालयों, तकनीकी और उच्च शिक्षण संस्थानों से लेकर गांव-गांव तक यह संदेश पहुंचा कि नशा कोई शौक नहीं, बल्कि भविष्य का सबसे बड़ा दुश्मन है।

उन्होंने बताया कि 1.11 करोड़ से अधिक लोगों ने शपथ कार्यक्रमों, मैराथन और जागरूकता अभियानों के माध्यम से नशे के खिलाफ आवाज़ उठाई।

करीब 8292 शिक्षण संस्थानों और 1568 गांवों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि अब समाज भी चुप नहीं है।

1597 मास्टर वॉलिंटियर्स बने उम्मीद

15 अगस्त 2020 को शुरू हुआ नशा-मुक्त भारत अभियान आज राजस्थान के हर कोने तक पहुंच चुका है। 15 अगस्त 2023 से राज्य के सभी 41 जिलों को इसमें शामिल किया गया। सभी जिलों में 1597 मास्टर वॉलिंटियर्स तैयार किए जा चुके हैं। ये वो लोग हैं जो बिना किसी स्वार्थ के, समाज के बीच जाकर भटके युवाओं को सही राह दिखा रहे हैं, उन्हें यह भरोसा दिला रहे हैं कि बदलाव संभव है।

नशे के खिलाफ शपथ में राजस्थान तीसरे स्थान पर

12 अगस्त 2025 को आयोजित नशा-मुक्ति शपथ समारोह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लाखों दिलों की आवाज़ था।

32.5 लाख लोगों, 30.5 हजार से अधिक शिक्षण संस्थानों और 2500 से ज्यादा कार्यालयों ने एक साथ यह संकल्प लिया कि नशे को अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस ऐतिहासिक सहभागिता के साथ राजस्थान ने देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

आमजन को बिना त्वरित न्याय विकास है अधूरा : भजनलाल शर्मा

राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ के 50वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि आमजन को त्वरित न्याय मिले बिना विकास अधूरा है। न्यायालय और सरकार आपस में मिलकर अंतिम पंक्ति में बैठे वंचित को राहत देने का काम कर रहे हैं। सीएम भजनलाल ने यह विचार राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ के 50वें स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह में रखे।

उन्होंने कहा कि जनता की आस्था न्याय व्यवस्था में है और हम सब की यह जिम्मेदारी है कि यह आस्था ना टूटे। वकीलों और अदालत में संसाधनों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवस्था ठीक नहीं है तो न्याय भी समय पर नहीं मिलेगा। अदालत को दूसरी जगह शिफ्ट करने की बात पर चुटकी लेते हुए कहा कि हम कोर्ट को बाहर ले जाने की बात करते हैं तो कुछ वकील विरोध कर देते हैं। उन्होंने अपना घर कोर्ट के पास जो बना लिया है। अब तो दूसरे वकीलों को भी मौका दो। सीएम ने आश्वस्त किया कि वकील जमीन तलाश कर लें, भवन बनाने की जिम्मेदारी हमारी है। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि लोगों को न्याय दिलाने में वकील महत्ती भूमिका निभा रहे हैं। कई वकील को वंचितों को राहत देने के लिए मुकदमों की फ्री पैरवी भी कर रहे हैं। कार्यक्रम में एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा ने कहा कि कोर्ट में मुकदमों का भार बढ रहा है। ऐसे में अब समय आ गया है कि हाईकोर्ट को नई जगह पर आधुनिक भवन मिले। इस ओर सरकार को निर्णय लेने की जरूरत है। इसके साथ ही निचली अदालतों की मूलभूत सुविधाओं को लेकर लंबित मामलों पर भी फैसला लिया जाए। एक्टिंग सीजे ने कहा कि पुलिस प्रशासन को वकीलों को उचित सम्मान के साथ सुनना चाहिए और दोनों के बीच मधुर संबंध रहने चाहिए। उन्होंने युवा वकीलों को कहा कि कानूनी पेश धैर्य मांगता है। जल्दी और शॉर्टकट से मुकाम हासिल नहीं किया जा सकता। एक्टिंग सीजे ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ भी दिलाई।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि "जनता की आस्था न्याय व्यवस्था में है और हम सब की यह जिम्मेदारी है कि यह आस्था ना टूटे।"

छात्रवृति के आवेदन 28 फरवरी तक

जयपुर । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने शैक्षिणक सत्र 2025-26 के लिए उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए आवेदन की अंतिम तिथि को 31 जनवरी से बढ़ाकर 28 फरवरी कर दिया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा आधिकाधिक पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की सुविधा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जो छात्र आवेदन नहीं कर पाए हैं वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना तुरंत आवेदन करें। गहलोत ने कहा कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति के लिए छात्रवृति पोर्टल पर राजकीय (नवीन) या निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के पंजीयन या नवीनीकरण, कोर्स मैपिंग, मान्यता एवं पाठयक्रमवार फीस स्ट्रक्चर आदि अद्यतन करने, विधार्थियों द्वारा ऑनलाईन आवेदन करने के लिए तिथि बढ़ाई गई है।

डॉ. पूजा मुकुल राष्ट्रपति भवन में 'एट होम' कार्यक्रम में शामिल हुईं

जयपुर (कासं)। जयपुर की डॉक्टर पूजा मुकुल 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति भवन में 26 जनवरी को शाम 4 बजे आयोजित "एट होम" कार्यक्रम में शामिल हुईं। उन्हें राष्ट्रपति भवन की ओर से गणतंत्र दिवस पर आमंत्रित किया गया था। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात कर गणतंत्र दिवस की बधाई और शुभकामनाएं भी दी। ज्ञात रहे कि डॉ. पूजा मुकुल जयपुर के प्रसिद्ध प्लास्टिक, कॉस्मेटिक एवं रिकस्ट्रक्टिव सर्जन डॉ. संदीपन मुकुल की धर्मपत्नी हैं। डॉ. पूजा मुकुल जयपुर समेत राजस्थान की प्रतिष्ठित ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ (अस्थि रोग विशेषज्ञ) हैं। उन्हें ऑर्थोपेडिक्स और ट्रॉमेटोलॉजी, बोन मैरो ट्रांस्प्लांट और ऑर्थोपेडिक सर्जरी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है।

ऑक्सीजन गैस प्लांट में सिलेंडर फटने से मजदूर की मौत

जयपुर। विश्वकर्मा थाना इलाके में शनिवार की रात को सुपर गैस नाम की एक फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। जिसके बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सिलेंडर फटने की आवाज इतनी तेज थी की आसपास के इलाके में सुनाई। तेज धमाके की आवाज से आसपास की फैक्ट्रियों में काम कर रहे अन्य मजदूरों में दहशत का माहौल बन गया। इस हादसे में चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तुरंत रेस्क्यू शुरू किया और घायलों को फैक्ट्री से बाहर निकाल कर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जहां इलाज के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई और वहीं तीन अन्य मजदूरों का इलाज अस्पताल में चल रहा है।बताया जा रहा है कि थाना इलाके में स्थित करणी विहार नगर ,रोड नंबर -17 पर स्थित इस फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर बनने का काम किया जाता है। जहां शनिवार की रात सिलेंडर भरे जा रहे थे, तभी फैक्ट्री में अचानक से तेज धमाके के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री की ऊपर की टिन शेड उड गया और एक दीवार भी गिर गई। जिसमे चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए।

राजधानी जयपुर में शनिवार को दिनभर बादलों की आवाजाही के बाद देर शाम "मावठ" हुई। करीब 10 से 15 मिनट तक हुई हल्की से तेज बारिश ने शहर को जमकर भिगोया। मौसम में आए इस बदलाव के कारण सर्दी ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। बारिश के बाद ठंडी हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई। फोटो-राष्ट्रदूत

मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने किया ग्राम उत्थान शिविर का निरीक्षण

दौसा के श्यामपुरा कलां में लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र बांटे

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र में श्यामपुरा कलां में आयोजित ग्राम उत्थान शिविर का अवलोकन कर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र वितरित किए। उन्होंने काश्तकारों के साथ संवाद कर सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से उन्हें मिल रहे लाभ के संबंध में फीडबैक लिया। इस दौरान मुख्य सचिव ने पालूदा में पॉली हाउस का अवलोकन कर वहां हो रही जरबेरा फूलों की खेती के बारे में जानकारी ली।

- क्षेत्र के पॉली हाउसों की दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्रालय तक चर्चा : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार किसानों को केन्द्रित करते हुए ग्राम उत्थान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के बाद जयपुर में वृहद स्तर पर ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) -2026 का आयोजन प्रस्तावित है, जहां खेती एवं पशुपालन की आधुनिकतम तकनीक से किसानों को रूबरू कराया जाएगा।

उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र के पॉली हाउस की दिल्ली में केन्द्रीय कृषि मंत्रालय तक चर्चा होती है। उन्होंने केन्द्र एवं राज्य की विभिन्न कृषक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि किसान पीएम सूर्य घर योजना में सोलर प्लांट से बिजली बेचकर किसान बढ़िया आमदनी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान काश्तकारों से पॉली हाउस, मछली पालन, फार्म पौण्ड, तारबंदी एवं पीएम सूर्य घर सहित विभिन्न योजनाओं से मिल रहे फायदों के बारे में जानकारी ली।

काश्तकारों ने अवगत कराया कि उन्हें पॉली हाउस से अच्छी आमदनी प्राप्त हो रही है। एक पॉली हाउस से हर साल 10 से 20 लाख रुपए के बीच आय हो जाती है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, कलक्टर देवेन्द्र कुमार एवं लालसोट विधायक रामबिलास मीणा ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं स्वीकृति पत्र सौंपे।

मुख्य सचिव ने रामगढ़ पचवारा क्षेत्र के पालूदा गांव में प्रगतिशील किसान डॉ. मोहन लाल मीना के पॉली हाउस में जरबेरा के फूलों की खेती का अवलोकन किया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को रामगढ़ पचवारा क्षेत्र के पालूदा गांव में प्रगतिशील किसान डॉ. मोहन लाल मीना के पॉली हाउस में जरबेरा के फूलों की खेती का अवलोकन किया।

पंखों की उडान के साथ शुरू हुआ जयपुर बर्ड फेस्टिवल

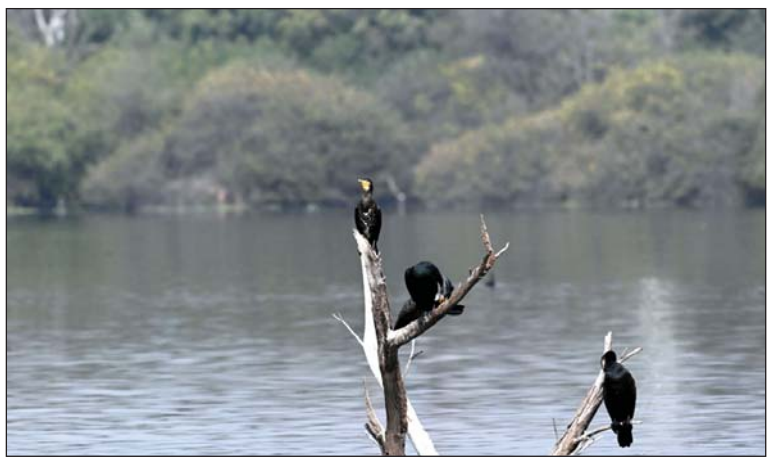

जामडोली स्थित कानोता कैंप रिजॉर्ट में शनिवार को जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026 के शुभारंभ पर बच्चों ने कैमरे से पक्षियों की अठखेलियों को निहारा।

जयपुर। धरती की आर्द्रभूमियों को बचाने और आसमान में परिंदों की चहचहाहट को फिर से सजीव करने के संकल्प के साथ जयपुर बर्ड फेस्टिवल-2026 का भव्य शुभारंभ शनिवार को कानोता कैंप रिजॉर्ट, जामडोली (जयपुर) में हुआ। पंखों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण उत्सव से जुड़े थीम पर आधारित इस दो दिवसीय राज्य स्तरीय आयोजन ने पहले ही दिन प्रकृति प्रेम, संरक्षण चेतना और रचनात्मक अभिव्यक्ति के रंग बिखेर दिए।

ग्रीन पीपल सोसायटी (जयपुर चैप्टर) द्वारा राजस्थान सरकार के वन विभाग एवं डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल का उद्घाटन संरक्षण विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और प्रकृति प्रेमियों की गरिमामय उपस्थिति में हुआ।

ग्रीन पीपल सोसायटी के उपाध्यक्ष एवं जयपुर बर्ड फेस्टिवल के संयोजक विक्रम सिंह (सेवानिवृत्त आईएएस) ने बताया कि यह आयोजन पिछले 12 वर्षों से राष्ट्रीय पहचान बना चुके उदयपुर बर्ड फेस्टिवल से प्रेरित है और जयपुर में यह पहल प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

फेस्टिवल के पहले दिन आयोजित मुख्य सत्र में विद्यार्थियों के लिए नेचर क्विज, पेंटिंग प्रतियोगिता, बर्ड फोटोग्राफी, बटरफ्लाई एवं पेंटिंग प्रदर्शनी, फिलैटली (डाक टिकट) प्रदर्शनी, रैप्टर्स प्रदर्शनी तथा अत्याधुनिक वीआर एक्सपीरियंस आकर्षण का केंद्र रहे। इन गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में पक्षियों व आर्द्रभूमियों के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा।

- 25 से अधिक पक्षी प्रजातियों से रूबरू हुए बच्चे

फेस्टिवल के तहत आयोजित बर्ड वाचिंग सत्र में बर्ड एक्सपर्ट डॉ. सतीश शर्मा, विक्रम सिंह, राहुल भटनागर, वीरेंद्र सिंह बेडसा, मनोज कुलश्रेष्ठ, डॉ. कमलेश शर्मा, निर्मल मेनारिया सहित अन्य विशेषज्ञों ने बच्चों को शॉवलर, स्पॉट-बिल डक, ग्रे हेरॉन, इग्रेट, कॉरमोरेंट, ग्रेब, कूट्स, पेराकिट्स, मैना सहित 25 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों से रूबरू कराया और उनके आवास, भोजन, प्रवास व प्रजनन से जुड़ी रोचक जानकारियां दीं।

डूंगरपुर के बटरफ्लाई एक्सपर्ट मुकेश पंवार ने राजस्थान की प्रमुख तितलियों पर जानकारी देते हुए पांच तितलियों की लाइव लाइफ साइकल प्रदर्शित की, जिसने बच्चों में विशेष उत्सुकता जगाई।

वहीं उदयपुर की फिलैटली एक्सपर्ट पुष्पा खमेसरा द्वारा भारत सहित विभिन्न देशों के 2 हजार से अधिक पक्षी-आधारित डाक टिकटों की प्रदर्शनी लगाकर संरक्षण संदेश दिया गया। इस मौके पर क्विज व पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

राजस्थान में पाए जाने वाले प्रमुख पक्षियों पर आधारित फोटो व पेंटिंग्स की प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों और आगंतुकों का मन मोहा। लाइव पेंटिंग में संतकुमार, शिवानी, महक भूरिया, आयुषी शर्मा ने अपनी कला प्रस्तुत की, वहीं विवेक तोमर और अनुज तोमर ने ओरिगामी व किरिगामी आर्ट के माध्यम से बिना कैंची और गोंद के कागज से आकर्षक पक्षी आकृतियां बनाकर बच्चों को रचनात्मकता से जोड़ा।

फेस्टिवल स्थल पर आमंत्रित टैटू कलाकारों ने बच्चों के गालों और ललाट पर रंग-बिरंगे पक्षियों के टैटू बनाकर उन्हें प्रकृति के और निकट लाने का प्रयास किया। जयपुर में बर्ड फेस्टिवल की जानकारी प्राप्त होने पर फ्रांसीसी पर्यटक बुदवा डू पोंट अपनी पत्नी ओडिल के साथ पहुंचे और इस फेस्टिवल के प्रति बच्चों का उत्साह देखकर प्रसन्नता जताई। उनका कहना था कि पक्षियों और आर्द्रभूमियों का संरक्षण केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का संरक्षण है।

मैं विराट कोहली के पैर छूऊंगा क्योंकि वह मेरे आदर्श हैं, मैं उनके रवैये और उनके जुनून से प्रेरित हूं; वह मेरे पसंदीदा हैं।" **- विशाल निषाद**

पंजाब किंग्स से डेब्यू करने वाले स्पिनर, विराट कोहली को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पैट कमिंस

आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा है, जब स्टार तेज गेंदबाज पैट कमिंस पीठ की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। कमिंस अभी तक चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हुए हैं और वह 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में होने वाले इस ग्लोबल इवेंट में नहीं खेल पाएंगे। टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट को भी मूल 15 सदस्यीय टीम से बाहर कर दिया गया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज़ बेन ड्वारशुइस और बल्लेबाज मैथ्यू रेनशॉ को संशोधित टीम में शामिल किया गया है।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया टेस्ट में अपनी मजबूत गेंदबाजी और बल्लेबाजी के कारण दबदबा रखती है, जबकि भारत वनडे और टी-20 में शानदार फॉर्म में है।

पाक ने ऑस्ट्रेलिया को 90 रन से पीटा, सीरीज जीती

लाहौर, 31 जनवरी। कप्तान आगा सलमान (76) और उस्मान खान (53) के शानदार अर्धशतकों तथा अबरार अहमद और शादाब खान के तीन-तीन विकेटों की बदौलत पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टी20 मुकाबले में शनिवार को 90 रन से रौंद कर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अपराजेय बढ़त बना ली। पाकिस्तान ने पांच विकेट पर 198 रन का मजबूत स्कोर बनाने के बाद ऑस्ट्रेलिया को 15.4 ओवर में 108 रन पर निपटा दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कैमरन ग्रीन ने सर्वाधिक 35 और मैथ्यू शार्ट ने 27 रन बनाये। पाकिस्तान की तरफ से अबरार अहमद ने 14 रन पर तीन और शादाब खान ने 26 रन पर तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की कमर तोड़ दी। इससे पहले टॉस जीतने के बाद बल्लेबाजी करने उतरे पाकिस्तान के लिए सलमान ने 40 गेंदों पर 76 रन में आठ चौके और चार छक्के लगाए। उस्मान ने 36 गेंदों पर 53 रन में चार चौके और दो छक्के मारे। शादाब खान ने 20 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों की मदद से नाबाद 28 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पांच गेंदबाजों ने एक-एक विकेट लिया।

मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 133 रन से हराया

इंदौर, 31 जनवरी। कुमार कार्तिकेय (6/33 और 4/49) की घातक गेंदबाजी से मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच में 133 रन से हरा दिया। मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र के सामने 267 रन का लक्ष्य रखा और उसकी पारी को 133 रन पर समेट दिया। महाराष्ट्र की तरफ से नीरज जोशी ने 42 और सी टी एल रक्षण ने 40 रन बनाये।मध्य प्रदेश की तरफ से कुमार कार्तिकेय और आर्यन पांडेय ने चार चार विकेट लिए। कुमार कार्तिकेय को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

दिल्ली को मुंबई के खिलाफ 110 रन की बढ़त - मुंबई। वैभव कांडपाल (61) और आयुष डोसेजा की नाबाद 62 रन की शानदार अर्धशतकीय पारियों की मदद से दिल्ली ने मुंबई के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मैच में चार विकेट पर 206 रन बनाकर 110 रन की बढ़त हासिल कर ली। इससे पहले मुंबई की पहली पारी पांच विकेट पर 266 रन से आगे शुरू होकर 317 रन पर समाप्त हुई।

विदर्भ को 110 रन की जरूरत - नागपुर। विदर्भ को उत्तर प्रदेश के खिलाफ एलीट ग्रुप ए मैच में जीत के लिए 110 रन की जरूरत है जबकि उसके छह विकेट बाकी हैं। विदर्भ ने 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट पर 91 रन बना लिए हैं। अमन मोखाड़े 50 रन बनाकर क्रीज पर हैंइससे पहले यूपी ने दो विकेट पर 75 रन से आगे खेलना शुरू किया और उसकी दूसरी पारी 200 रन पर समाप्त हुई।

राजस्थान-पॉन्डिचेरी रणजी मैच : तीसरे दिन राजस्थान के कप्तान महिपाल लोमरोर का शतक

जयपुर 31 जनवरी। पॉन्डिचेरी में खेले जा रहे राजस्थान - पॉन्डिचेरी रणजी मैच के तीसरे दिन का स्कोर :-राजस्थान पहली पारी 168 आल आउट। टीम के लिए दीपक चौधरी 64 , दीपक हुड्डा 36 , रामनिवास गोलाडा 31 रन। पॉन्डिचेरी के गेंदबाज करं 37 / 5 व सागर 54 / 3,पॉन्डिचेरी पहली पारी 349 आल आउट। टीम के लिए नयन 120 , अमन 118 व पुनीत 45 रन। राजस्थान के गेंदबाज मोहित छांगरा78 / 3 , दीपक हुड्डा 32 / 2 , अनिकेत चौधरी 67 / 2 व महिपाल , अजय कुकना व दीपक 1 - 1 विकेट। राजस्थान दूसरी पारी 352 आल आउट।टीम के लिएमहिपाल लोमरोर 131, रामनिवास गोलाडा 47, कुणाल सिंह 44, सलमान खान 35, दीपक चौधरी 30 , दीपक हुड्डा , अमोल चेलानी 25 - 25 रन।पॉन्डिचेरी के गेंदबाज करण 139 / 6 व सागर 88 / 4, तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पॉन्डिचेरी दूसरी पारी 51 / 2, राजस्थान के गेंदबाजमोहित छांगरा 15 / 2विकेट। **अंडर 23 सी केनायडू ट्रॉफी -** राजस्थान - ओडिसामैच के दूसरे दिन का स्कोर :- राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेले जा रहे राजस्थान - ओडिसामैच के दूसरे दिन का स्कोर :- राजस्थान पहली पारी 355 आल आउट। टीम के लिए अनिरुद्ध सिंह 71, चेतन शर्मा 52 रन। ओडिसाके गेंदबाज बादाल बादल 97 / 7,दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ओडिसा पहली पारी 147 / 2, टीम के लिए ओम 70 व श्रेयांश नाबाद 72 रन। राजस्थान के गेंदबाज दीपेंद्र व गणेश 1 - 1 विकेट।

खेल प्रेमी पंकज दीक्षित आयकर विभाग से सेवानिवृत

जयपुर, 31 जनवरी। राष्ट्रीय स्तरीय टेनिस खिलाड़ी व खेल प्रेमी पंकज दीक्षित ने 34 वर्ष 8 माह आयकर विभाग में सेवारत रहने के बाद आज आयकर अधिकारी के रूप में सेवानिवृती प्राप्त की पंकज दीक्षित की बैडमिंटन व टेनिस में अपने पिता ओ एन दीक्षित के नाम से कई प्रतियोगिता कराई हैं तथा उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर आईटीएफ 400 टेनिस प्रतियोगिता भी अभी हाल ही में कराई उन्होंने अपनेटेनिस करियर मेंराज्य स्तर परकई उपलब्धि हासिल की। आज उनके रिटायरमेंट पर जयपुर जिला बैडमिंटन संघ के सदस्य तथा खेल प्रेमी ने उन्हें सुंदर भविष्य की कामना करते हुए पुष्प गुच्छ भेंट किया इस मौके पर जयपुर बैडमिंटन संघ के सचिव मनोज दासोत कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता पैटर्न राजीव नागोरी अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी जगदीश तंवर तथा समाजसेवी पराग लश्करी व गोविंद सिंह भी उपस्थित थे।

भारत ने न्यूजीलैंड को 46 रनों से मात दी, सीरीज 4-1 से जीती

ईशान का शतक, अर्शदीप का पंजा

तिरुवनंतपुरम, 31 जनवरी। भारत ने न्यूजीलैंड को 46 रन से पांचवां टी-20 हराकर सीरीज 4-1 से जीत ली। शनिवार को तिरुवनंतपुरम में भारत ने बैटिंग चुनी और न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। ईशान ने 42 गेंद पर सेंचुरी लगाई और टीम ने 271 रन का स्कोर खड़ा कर दिया।

न्यूजीलैंड ने फाइट दिखाई, लेकिन टीम 225 रन ही बना सकी। फिन एलन ने 38 गेंद पर 80 रन बनाए। भारत से गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट लिए। अक्षर पटेल को 3 विकेट मिले।

वरुण चक्रवर्ती और रिंकू सिंह ने 1-1 विकेट लिया। भारतीय टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5वें मैच में ईशान किशन की दमदार शतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 271 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी चुनने वाली मेजबान टीम के लिये ईशान ने 43 गेंद में 103 और सूर्यकुमार ने 30 गेंद में 63 रन बनाये। हार्दिक पंड्या ने 17 गेंद में 42 रन जोड़े। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन ने दो विकेट लिए। 272 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने दमदार शुरुआत की। हालांकि पहले ओवर में अर्शदीप सिंह ने टिम साइफर्ट को

पवेलियन भेजा। उन्होंने 5 रन बनाए। फिन एलन 38 गेंद में 80 रन बनाकर आउट हुए। एलन ने 8 चौके और 6 छक्के लगाए। एलन और रविंद्र के बीच दूसरे विकेट के लिए 48 गेंद में 100 रन की साझेदारी हुई। ग्लेन फिलिप्स ने 6 गेंद में सात रन बनाए। रचिन रवींद्र 17 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल सैंटनर खाता नहीं खोल सके। बेवन जैकब्स ने सात रन बनाए।

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आखिरी मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को 31 के स्कोर पर संजू सैमसन के रूप में पहला झटका लगा। संजू सैमसन 6 गेंद में 6 रन ही बना सके। संजू सीरीज में 5 मैचों में 46 रन ही बना सके। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 16 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 30 गेंद में 63 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार ने ईशान के साथ तीसरे विकेट के लिए 57 गेंद में 137 रन जोड़े। ईशान किशन ने 42 गेंद में शतक मारा है। ईशान किशन 43 गेंद में 104 रन बनाकर आउट हुए। ईशान ने अपनी पारी में 6 चौके और 10 छक्के लगाए। हार्दिक पांड्या ने 17 गेंद में 42 रन की पारी खेली। उन्होंने एक चौका और चार छक्का लगाया। रिंकू सिंह 8 और शिवम दुबे 7 रन बनाकर नाबाद लौटे।

एशिया कप में हार के बाद पाक से बाजी पलटना चाहेगा भारत

बुलावायो (ज़िम्बाब्वे), 31 जनवरी। क्रिकेट के शौकीनों के लिए एक ट्रीट है क्योंकि क्वींस स्पोर्ट्स क्लब अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में एक रोमांचक सुपर-सिक्स मुकाबले की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। बिना हारे भारत अंडर19 रविवार को एशिया कप जीतने वाली पाकिस्तान की अंडर19 टीम से भिड़ेगा, जिसमें ड्रामा, रोमांच और ऐसा युवा जोश होगा जो सिर्फ़ अंडर19 क्रिकेट ही दे सकता है।

जब भारत और पाकिस्तान मिलते हैं, तो बादल भी देखने के लिए रुक जाते हैं - हर गेंद, हर बाउंड्री, हर विकेट इतिहास और गर्व का वजन लिए होता है। भारत अंडर19 अब तक बहुत बढ़िया रहा है। भरोसेमंद विकेटकीपर बल्लेबाज़ अभिज्ञान कुंडू पारी की शांत धड़कन रहे हैं, और उन्होंने संयम और सटीकता के साथ टीम को संभाला है।

रायबाकिना ने सबालेंका को चौंकाकर पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता

मेलबर्न, 31 जनवरी। एलेना रायबाकिना ने विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को शनिवार को 6-4, 4-6, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का महिला एकल खिताब जीत लिया, जिससे उन्होंने 2023 में यहां चैंपियनशिप के फाइनल में मिली हार का बदला ले लिया।

चार साल पहले उन्होंने पहला सेट जीता था लेकिन फाइनल तीन सेट में हार गई थीं। इस बार, पहले गेम में ब्रेक लेने और पहला सेट जीतने के बाद, उन्होंने दूसरा सेट हारने और तीसरे सेट में 3-0 से पिछड़ने के बाद वापसी की। उन्होंने लगातार पांच गेम जीते और फिर अपने पहले चैंपियनशिप पॉइंट पर एक ऐस के साथ मैच खत्म किया।

यह पांचवीं सीड रायबाकिना का दूसरा बड़ा खिताब था, जिन्होंने 2022 में विंबलडन जीता था और चार साल पहले उस ऑस्ट्रेलियन फाइनल में

मुकाबले में एकमात्र मेजर विजेता के तौर पर पहुंची थीं।

जबकि सबालेंका ने ऑस्ट्रेलिया में लगातार जीत और 2024 और 25 में यूएस ओपन में जीत सहित तीन और मेजर खिताब जीते, रायबाकिना के नतीजे खराब हो गए और वह इस टूर्नामेंट तक किसी और मेजर फाइनल में नहीं पहुंचीं। पिछले नवंबर में सीजन के आखिर में डब्ल्यूटीए फाइनल्स में सबालेंका पर जीत ने उनके करियर की दिशा बदल दी है।

रायबाकिना ने शुरू से ही आक्रामक खेल दिखाया और उनकी सर्विस मजबूत थी, जिसमें छह ऐस थे और - दूसरे सेट के आखिर और तीसरे सेट की शुरुआत में दो ब्रेक को छोड़कर - उन्होंने अपने सामने आए छह ब्रेकपॉइंट मौकों में से छह को बचाया।

जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, सबालेंका की चीखें और दहाड़ें तेज होती गईं और उनका जोश भरा "चलो चलते हैं" खुद को प्रोत्साहित करना नियमित हो गया, रायबाकिना ने एक शांत, लगभग गंभीर, संयम बनाए रखा। आखिर में, उन्होंने अपनी सर्विस और अपने रिटर्न को बात करने दिया। मैच के बाद दोनों ने नेट पर एक-दूसरे को गले लगाया। रायबाकिना ने अपने बाएं हाथ से अपने रैकेट की स्ट्रिंग्स पर ताली बजाई और जीत के साथ भीड़ की ओर अपना हाथ ऊपर उठाया।

क्वालीफायर के पहले दिन अंकिता का शानदार प्रदर्शन

मुंबई, 31 जनवरी। भारतीय अनुभवी खिलाड़ी अंकिता रैना ने महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन में 2026 एल एंड टी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125के सीरीज के पहले दिन आकांक्षा निटुरे को सीधे सेटों में हराकर शानदार प्रदर्शन किया। दिन की अन्य विजेता क्रिस्टीना सिदोरोवा, कुलिकोवा अनास्तासिया, ज़ुज़ाना पावलिकोव्स्का, मात्सुडा मिसाकी, निकोल फोसा ह्यूर्गो, पेंगटार्न प्लिप्यूच और यास्मीन कब्बाज थीं। दिन की शुरुआत रूस की उभरती हुई प्रतिभा क्रिस्टीना सिदोरोवा से हुई, जिन्होंने 26 वर्षीय ज़ील देसाई को 6-2, 6-0 से हराकर अगले क्वालिफाइंग राउंड में जगह बनाई। 19 वर्षीय खिलाड़ी ने शुरू से आखिर तक आक्रामक खेल दिखाया और उनके क्रॉस-कोर्ट शॉट्स ने ज़ील देसाई को मैच में जमने नहीं दिया। इस बीच कोर्ट 1 पर, फिनलैंड की कुलिकोवा अनास्तासिया ने नाओको एटो को आसानी से हरा दिया, दोनों सेट 6-0 से जीते।

मनप्रीत सिंह पर घमासान : कोच क्रेग फुल्टोन और हॉकी इंडिया में टकराव, इस्तीफे तक पहुंची बात

नई दिल्ली, 31 जनवरी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन ने अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह को अनुशासनहीनता के आधार पर भारत की संभावित खिलाड़ियों की कोर सूची से बाहर किए जाने का कड़ा विरोध किया था। एक सूत्र ने शुक्रवार को कहा कि इस फैसले के बाद फुल्टोन ने इस्तीफा देने की धमकी भी दी थी लेकिन हॉकी इंडिया द्वारा मनाने के बाद वह पद पर बने रहने के लिए राजी हो गए।

विश्वसनीय सूत्र से पता चला है कि फुल्टोन ने राउरकेला में एक से सात फरवरी तक 33 कोर संभावित खिलाड़ियों के शिविर से मनप्रीत को हटाने के दबाव को 'बाहरी हस्तक्षेप' बताया था। यह बात सामने आई कि मनप्रीत पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन से जुड़े मामले में शामिल था। इसके बाद दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता को 15 साल में पहली बार कोर संभावित खिलाड़ियों की सूची से बाहर किया गया। संभावित खिलाड़ियों को तय करने के लिए हुई बैठक में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और मुख्य चयनकर्ता आरपी सिंह ने मिलकर कहा कि मनप्रीत को बाहर किया जाना चाहिए जिसके बाद फुल्टोन परेशान हो गए।

सूत्र ने कहा, "फुल्टोन ने मनप्रीत के युवा खिलाड़ियों के लिए मेंटोर (मार्गदर्शक) होने की बात कही। लेकिन इस पर दिलीप ने कहा कि खिलाड़ी दूसरे सीनियर खिलाड़ियों से सीखेंगे। हॉकी इंडिया ने मनप्रीत से जिस तरह का व्यवहार किया, उससे कुछ खिलाड़ी खुश नहीं थे।" फुल्टोन ने गुस्से में हाल में समाप्त हुई हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के चेन्नई चरण के एक दिन बाद इस्तीफा देने की पेशकश की। हालांकि टिर्की के बहुत समझाने के बाद वह अनुभवी खिलाड़ी को 'आराम' देने के आधिकारिक बयान मानने को तैयार हो गए। सूत्र के अनुसार फुल्टोन ने मनप्रीत को कोर ग्रुप में बनाए रखने की वकालत की और अपनी बात को साबित करने के लिए 33 वर्षीय मिडफील्डर की बेहतरीन फिटनेस रिपोर्ट का हवाला दिया। बताया जाता है कि मनप्रीत कोर ग्रुप के सबसे फिट चार खिलाड़ियों में शामिल थे। लेकिन मुख्य चयनकर्ता आरपी सिंह और टिर्की टस से मस नहीं हुए।

आयरलैंड ने यूएई को 30 रन से हराया, सीरीज जीती

दुबई, 31 जनवरी। कर्टिस कैमफर (नाबाद 54) के शानदार अर्धशतक और गेंदबाजों की सटीक गेंदबाजी से आयरलैंड ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को दूसरे टी 20 मुकाबले में शनिवार को 30 रन से हरा कर दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली। आयरलैंड ने सात विकेट पर 170 रन का सम्मानजनक स्कोर बनाने के बाद यूएई को आठ विकेट पर 140 रन पर रोक दिया। कर्टिस कैमफर को 41 गेंदों पर दो चौकों और दो छक्कों की मदद से बनी नाबाद 54 रन की शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मार्क ऐडेर ने आयरलैंड की पारी में तीन छक्कों की मदद से नाबाद 34 रन का योगदान दिया। कर्टिस कैमफ़र और मार्क ऐडेर ने आठवें विकेट के लिए 69 रन की मैच विजयी अविजित साझेदारी की।

कोई पार्टनरशिप नहीं बनी, अब यूपी वॉरियर्स के भरोसे टीम का भविष्य : हरमनप्रीत

नई दिल्ली, 31 जनवरी। गुजरात जायंट्स (जीजी) से अपनी टीम की हार के बाद, मुंबई इंडियंस (एमआई) की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि बल्लेबाजों के समर्थन की कमी और खराब फील्डिंग के कारण उनकी टीम एलिमिनेटर में सीधे स्थान पाने से चूक गई। एमआई के खिताब बचाने की उम्मीदें और भी कमज़ोर पड़ गईं जब गुजरात जायंट्स ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ लगातार आठ मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ते हुए एलिमिनेटर में जगह बना ली। अब दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को एलिमिनेटर में पहुंचने के लिए यूपी वॉरियर्स की जीत पर निर्भर रहना होगा। 168 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, हरमनप्रीत ने 48 गेंदों में 82 रन बनाकर लगभग अकेले ही संघर्ष किया, लेकिन उन्हें बल्लेबाजों से बहुमूल्य समर्थन नहीं मिला।

मैच के बाद हरमनप्रीत ने अपनी टीम की बल्लेबाजी के बारे में कहा कि पहले छह ओवरों में हम अपनी बल्लेबाजी की योजना को ठीक से लागू नहीं कर पाए। दुर्भाग्य से, हमने जल्दी ही एक विकेट खो दिया और पर्याप्त रन नहीं बना सके। हम दो मजबूत साझेदारियां बनाने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन अफसोस, आज कोई भी प्रभावशाली साझेदारी नहीं बन पाई। मैं खुद से कहती रही कि मुझे बल्लेबाजी जारी रखनी है। दूसरे छोर पर, मैं निश्चित रूप से सहयोग की तलाश में थी, लेकिन दुर्भाग्य से आज कोई भी वह सहयोग नहीं दे पाया। दबाव वाले मैचों में ऐसा होता रहता है। कभी-कभी टीम अपनी योजनाओं को ठीक से लागू नहीं कर पाती। कुल मिलाकर, यह एक अच्छा मैच था।

एमआई की कप्तान ने यह भी स्वीकार किया कि खराब फील्डिंग के कारण उनकी टीम ने कुछ मौके गंवा दिए, लेकिन उन्होंने अपनी बल्लेबाजी लाइनअप के बारे में आशावाद जताया, जो एक अच्छी साझेदारी से मैच का रुख बदल सकती थी।

सैम करन ने टी-20 हैट्रिक ली, इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया

पल्लेकेले, 31 जनवरी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन अपने देश के दूसरे पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने टी 20 हैट्रिक ली है। इंग्लैंड ने शुक्रवार को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में श्रीलंका को 11 रन से हराया। करन ने श्रीलंका के निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया, उन्होंने लगातार गेंदों पर दासुन शनाका, महेश थीक्षाना और मथीशा पथिराना को आउट किया। इस तरह क्रिस जॉर्डन के टी20 इंटरनेशनल में यह उपलब्धि हासिल करने के बाद करन ऐसा करने वाले इंग्लैंड के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। जॉर्डन ने 2024 आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के दौरान अपनी हैट्रिक ली थी। बाएं हाथ के ऑलराउंडर के अहम स्पेल ने श्रीलंका को 133 रन पर रोक दिया, जिसके बाद इंग्लैंड ने ओपनर फिल साल्ट (46) और टॉम बैंटन (29) के योगदान से बदला हुआ टारगेट हासिल कर लिया।

टीम वी पोलो और जयपुर के बीच होगा आज फाइनल के लिए मुकाबला

जयपुर, 31 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत आयोजित हो रहे कोग्निवेरा पोलो कप (8 गोल्स) के लिए शनिवार को चार टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहला मैच टीम जिंदल बेदला और वी पोलो के बीच पीपीसी पोलो ग्राउंड पर आयोजित हुआ। वहीं दूसरा मुकाबला जयपुर और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला गया। पहले मुकाबले में टीम वी पोलो 9-7 के स्कोर से जिंदल बेदला को हराकर विजेता बनी। विजेता टीम वी पोलो से सैंटियागो मारमबीओ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 गोल हासिल किए। टीम से सलीम आज़मी और अंगद कालन ने 1-1 गोल किया। टीम में विवान मेहता भी शामिल थे। वहीं जिंदल बेदला से सिद्धांत शर्मा ने 5 गोल और सिमरन शेरगिल ने 2 गोल किए। टीम से राव हिम्मत सिंह बेदला और महेश सिंह भी खेलें। इसी प्रकार, दूसरा मुकाबला टीम जयपुर और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच हुआ, जिसमे टीम जयपुर 8-7 के स्कोर से विजेता बनी। टीम जयपुर से हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 5 गोल और लांस वॉटसन ने 3 गोल किए। टीम से मिर्जा मोहम्मद बेग और भवानी सिंह कालवी भी खेले। वही टीम ऑप्टिमस अचीवर्स से ध्रुवपाल गोदारा ने 4 गोल, डेनियल ओटमेंडी ने 2 गोल और शमशीर अली ने 1 गोल। टीम के लिए आर्यमान सिंह भी खेले। कल, रविवार को कप के लिए फाइनल का मुक़ाबला राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 वी पोलो और टीम जयपुर के बीच होगा।

जोकोविच की 25वें मेजर खिताब पर नजर

मेलबर्न, 31 जनवरी। सेमी-फाइनल में मैराथन मुकाबलों से बच निकलने के बाद, कार्लोस अल्काराज और नोवाक जोकोविच अब रविवार के ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में इतिहास का अपना हिस्सा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। 16 साल के अंतर वाले अल्काराज और जोकोविच अपने करियर के अलग-अलग पड़ावों पर हैं, और बहुत अलग-अलग मील के पत्थर हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 22 साल के अल्काराज करियर ठौंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने का लक्ष्य बना रहे हैं। उनके रास्ते में 38 साल के जोकोविच

हैं, जो इतिहास के सबसे सफल पुरुष ठौंड स्लैम चैंपियन हैं। सर्बियाई खिलाड़ी के पास सीजन के पहले मेजर में उतने ही ऑस्ट्रेलियन ओपन ट्रॉफ़ी हैं जितनी हार (10) और अब वह टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे उम्रदराज़ चैंपियन बनने की कोशिश कर रहे हैं। अल्काराज के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता के बारे में जोकोविच ने कहा, "जब भी हम खेलते हैं, हम दोनों के लिए इतिहास दांव पर होता है। ठौंड स्लैम का फाइनल, इसमें बहुत कुछ दांव पर लगा होता है, लेकिन यह मेरे खेले गए किसी भी दूसरे बड़े मैच से अलग नहीं है।"

देविका सिहाग ने 5वीं सीड को हराकर पहली बार सुपर 300 फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, 31 जनवरी। भारतीय युवा खिलाड़ी देविका सिहाग ने शनिवार को एक रोमांचक 38 मिनट के मुकाबले में पांचवीं सीड हुआंग यू-हसुन को हराकर प्रिंसेस सिरिवन्नवारी थाईलैंड मास्टर्स 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। देविका पूरे टूर्नामेंट में बिना कोई गेम हारे फाइनल में पहुंचीं।

देविका ने पहला गेम मजबूती से शुरू किया, लेकिन कुछ देर के लिए मोमेंटम बदल गया जब हुआंग 8-7 से आगे हो गईं और 20-15 के गेम पॉइंट की बढ़त बना ली। देविका ने वापसी की और शानदार कमबैक करते हुए पांच गेम पॉइंट बचाकर स्कोर 20-ऑल किया और फिर गेम 22-20 से जीत लिया।

5वीं सॉफ्ट हॉकी नेशनल चैम्पियनशिप 2025-26 में लीग मुकाबले संपन्न, खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 31 जनवरी। 5वीं सॉफ्ट हॉकी नेशनल चैंपियनशिप 2025-26 के अंतर्गत आज एस्ट्रो टर्फ हॉकी ग्राउंड, सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में विभिन्न वर्गों के लीग मुकाबले खेले गए। सीनियर बॉयज़, सीनियर गर्ल्स, जूनियर बॉयज़ एवं सब-जूनियर बॉयज़ वर्गों में हुए इन मुकाबलों में खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। सीनियर बॉयज़ वर्ग में पुडुचेरी और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए मैच में मध्य प्रदेश ने 3-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मध्य प्रदेश के खिलाड़ी सचिन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 गोल किए। राजस्थान और हरियाणा के बीच हुए मैच में राजस्थान ने 4-0 से एकतरफा जीत हासिल की, जिसमें भारत ने 2 गोल दागे। पुडुचेरी के खिलाफ खेले गए मैच में राजस्थान ने 11-0 से बड़ी जीत दर्ज की, इस मैच में विकास ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 11 में से 5 गोल किए। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बीच मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा, जबकि राजस्थान ने मध्य प्रदेश को 6-0 से पराजित किया।

अक्षत शेखावत व देवांश तोमर मुख्य ड्रॉ में

जयपुर, 31 जनवरी। राजस्थान के गर्वित बरवार, आराध्या जोधा और देषना जैन ने यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम में चली योनेक्स-सनराईज अखिल भारतीय सबजूनियर रैंकिंग बैडमिंटन में दोहरी जीत हासिल की। साथ ही देवांष तोमर, अक्षत शेखावत की जोडी ने अंडर-17 बालक युगल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में खेलने की योग्यता भी हासिल कर ली। गर्वित बरवार व देषना जैन की जोड़ी ने अंडर-17 मिश्रित युगल में हरियाणा के आयान ओर अरषिया की जोड़ी को सीधे गेमों में 15-10, 15-3 से पराजित किया। गर्वित बरवार ने अंडर-17 बालक एकल में महाराष्ट्र के विक्रांत नेगी को 15-6, 15-9 से हराया। बालिका युगल अंडर-17 में देषना जैन व आराध्या जोधा की जोड़ी ने दिल्ली की आरनवी गुप्ता व लावण्या की जोड़ी को 15-6,

15-13 से परास्त किया। मिश्रित युगल में रूद्राक्ष मिड्ढा व आराध्या ने बिहार के ईषांत राज और सोम्या को तीन गेमों तक चले मुकाबले में 12-15, 17-15, 15-13 से षिकस्त दी। अंडर-15 मिश्रित युगल में श्रेयांष चैधरी व पदमजा ने तेलंगाना के ए. थमान्नेनी व पी. पप्पनागरी को 15-13, 15-11 से, टी. शेखावत व के. शर्मा ने दिल्ली के कार्तिक जोयल एवं पावनी को 15-12, 19-17 से परास्त किया। बालक एकल अंडर-17 में कंदर्प शर्मा ने तेलंगाना के श्रीरिषि कोटागिरी को 15-5, 15-8 से, देवाषीष प्रजापत ने तमिलनाडु के अर्जुन ए. को 15-13, 15-13 से षिकस्त दी। बालक वर्ग के अंडर-17 युगल में देवांष तोमर व अक्षत शेखावत ने तेलंगाना के साई भट्टराजू व मानविक रेड्डी को 17-15, 16-14 से, राजस्थान की अष्मिता चैधरी व हरियाणा की जानिया राव की जोडी को तमिलनाडु की रद्विकीश्री और मोक्षगना की जोड़ी से वॉकओवर मिला। इसी बीच महाराष्ट्र के साईराज नएसे व मणिपुर के लुवंग गम्बा ने पंजाब के ओम गर्ग व वरधान सिंह गिल को 15-3, 15-3 से पराजित कर मुख्य ड्रॉ में प्रवेष किया। क्वालिफाइंग राउण्ड के अंतिम दिन रविवार को सुबह 9 बजे से 112 मुकाबले खेले जाएंगे। क्वालिफाइंग राउण्ड के बाद प्रतियोगिता का मुख्य ड्रॉ डाला जाएगा।

पंजा मत दिखाओ, इसने देश को गंजा कर दिया- भजनलाल

मुख्यमंत्री निवाई की सभा में एसआईआर व पेपर लीक पर सख्त तेवर में नज़र आए

टोंक/निवाई, 31 जनवरी (निस)। ग्राम उत्थान शिविर के काम काज को देखने शनिवार को निवाई आए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वयं और राज्य सरकार को किसानों, महिलाओं और युवाओं के हमदर्द के रूप में पेश किया। अपनी बात के समर्थन में उन्होंने प्रसिद्ध लोकोक्ति "जाके पैर न फटी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई" का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें गरीब और

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान पेपर लीक करने वाले 45 लोगों को सरकार जेल में डाल चुकी है। यह कार्यवाही जारी रहेगी।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को टोंक जिले के निवाई में विकास कार्यों का शिलान्यास व वर्चुअल लोकार्पण किया। तथा मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता एवं राजीविका दीदी समूहों को प्रतीकात्मक रूप से चैक वितरित किए।

किसान के हालात की समझ है, इसलिए केन्द्र की और उनकी सरकार लगातार उनके हित के लिए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने भाषण की शुरूआत में जनसभा में उपस्थित लोगों को हाथ ऊपर कर भारत माता का जयकारा लगवाया। लोगों ने जब जयकारे के लिए हाथ ऊंचे किए तो मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि पंजा मत दिखाओ, इस पंजा ने देश को गंजा कर दिया है। उन्होंने कहा, पंजा खोलकर नहीं, मुठ्ठी बांधकर जयकारे लगाओ। फिर मुख्यमंत्री ने पांच बार जयकारे लगवाए।

एसआइआर और पेपर लीक मामले में सख्त तेवर दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ये दोनों प्रावधान देश और युवाओं के हित में हैं, इसलिए कोई समझौता नहीं होगा और गलत लोगों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाएगा।

आम सभा के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भाजपा के कार्यकर्ताओं ने 51 किलो की माला पहनाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने उनके शासनकाल में एक भी पेपर लीक नहीं होने का दावा करते हुए कहा कि पिछली सरकार के दौरान पेपर लीक करने वाले करीब 425 लोगों को सरकार जेल में डाल चुकी है। यह कार्रवाई जारी रहेगी। अपने भाषण में उन्होंने स्पष्ट किया कि मनरेगा का नाम नहीं बदला है, बल्कि उसमें सुधार किया गया है।

जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मौजूद लोगों और महिलाओं को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार ने दो साल में विकास के इतने काम किए हैं कि उनकी सूची बनाई जाए तो पन्ने कम पड़ जाएंगे।

मोदी आदमपुर में गुरु रविदास हवाई अड्डे का नामकरण करेंगे

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, महान संत और समाज सुधारक गुरु रविदास की 649वीं जयंती के अवसर पर रविवार को पंजाब का दौरा करेंगे और वहां आदमपुर हवाई अड्डे का नामकरण गुरु

- **रविदास जयंति पर पंजाब दौरे में वे लुधियाना में टर्मिनल भवन का भी उद्घाटन करेंगे।**

रविदास जी हवाई अड्डा, आदमपुर करने के साथ ही राज्य को नागरिक उड्डयन बुनियादी ढ ांचे की सौगात देंगे।

यहां जारी एक सरकारी विज्ञिप्त में यह जानकारी दी गयी। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी कल दोपहर करीब पौने चार बजे राज्य के आदमपुर पहुंचेंगे। मोदी अपने इस दौरे में लुधियाना के हलवारा हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का भी उद्घाटन करेंगे। पंजाब में विमानन बुनियादी ढ ांचे को बढ़ ावा देने की दिशा में यह टर्मिनल भवन राज्य के लिए एक नया प्रवेश द्वार बनेगा, जिससे लुधियाना और आसपास के औद्योगिक एवं कृषि क्षेत्रों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। लुधियाना जिले में स्थित हलवारा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण भारतीय वायु सेना केंद्र भी है।

उल्लेखनीय है कि लुधियाना के पुराने हवाई अड्डे का रनवे छोटा था, जो केवल छोटे विमानों की उड़ान के लिए उपयुक्त था। अब हलवारा में एक नया सिविल एन्क्लेव विकसित किया गया है, जिसका रनवे बड़ा है और यह ए320 जैसे बड़े विमानों के संचालन में सक्षम है।

दिल्ली पुलिस ने साइकोट्रॉपिक ड्रग्स रैकेट पकड़ा

पुलिस ने इस अन्तर्राष्ट्रीय गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। दिल्ली पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय साइकोट्रॉपिक ड्रग्स रैकेट का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 31 किलोग्राम अल्प्राजोलम टैबलेट्स बरामद की हैं। यह जानकारी शनिवार को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा थे, जो हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रतिबंधित साइकोट्रॉपिक पदार्थों के अवैध निर्माण, परिवहन और आपूर्ति में संलिप्त था। दिल्ली पुलिस को एनसीआर में सक्रिय नशीले पदार्थों के तस्करों के बारे में खुफिया सूचना मिली थी, जिसके आधार पर निगरानी शुरू की गई।

अपराध शाखा के डीसीपी विक्रम सिंह ने बताया, "गुप्त सूचना के आधार पर टीम ने नंद नगरी बस डिपो के पास उत्तर प्रदेश नंबर की एक कार को रोका और उसमें सवार तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया।" गिरफ्तार आरोपियों

- **पुलिस ने कहा, आरोपी हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व दिल्ली में प्रतिबंधित साइकोट्रॉपिक दवाएं बनाते थे।**

की पहचान शमीम (निवासी: बदायूं, उत्तर प्रदेश), राजीव शर्मा और मोहित गुप्ता (दोनों निवासी: बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है।

तलाशी के दौरान पुलिस ने 31 किलोग्राम अल्प्राजोलम टैबलेट्स बरामद कीं, जिनकी संख्या करीब तीन लाख गोलियां बताई जा रही है। यह मात्रा एनडीपीएस एक्ट के तहत वाणिज्यिक श्रेणी में आती है।

डीसीपी ने बताया कि अल्प्राजोलम के लिए वाणिज्यिक मात्रा की सीमा 100 ग्राम है। इसके अलावा, पुलिस ने 11 किलोग्राम अल्यूमिनियम फॉयल, जिस पर अल्प्राजोलम मुद्रित था, 25 किलोग्राम पीवीसी शीट रोल, जो पैकेजिंग में इस्तेमाल होते थे, 20 रबर स्टैंप, जिन पर बैच नंबर, निर्माण और समाप्ति तिथि अंकित थी, तथा तस्करी में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त की है।

पूछताछ के दौरान राजीव शर्मा ने कथित तौर पर बताया कि वह मोहित गुप्ता के निर्देश पर काम करता था और हिमाचल प्रदेश से शमीम व उसके सहयोगी रंदीप से अल्प्राजोलम टैबलेट्स लेकर उन्हें बुलंदशहर की स्थानीय फार्मेसियों में सप्लाई करता था।

वहीं, शमीम ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथी के साथ परवाणू (हिमाचल प्रदेश) में एक अवैध निर्माण इकाई चला रहा था, जहां से टैबलेट्स बनाकर हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में वितरकों को सप्लाई की जाती थीं।

पुलिस के मुताबिक, मोहित गुप्ता, जो बुलंदशहर में एक मेडिकल फर्म चलाता है, उसने जांचकर्ताओं को बताया कि वह अपनी फर्म के जरिए अवैध टैबलेट्स खरीदता था और उन्हें आगरा व बुलंदशहर की फार्मेसियों में सप्लाई करता था। डीसीपी विक्रम सिंह ने कहा, "मामले की आगे की जांच जारी है।"

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री, जी. परमेश्वर ने पार्टी अध्यक्ष खड़गे से मुलाकात की

बेंगलुरु, 31 जनवरी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को वरिष्ठ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात मुख्य रूप से विकास संबंधी मुद्दों पर केंद्रित थी।

हालांकि, यह मुलाकात राज्य में अगले मुख्यमंत्री पद की दौड़ को लेकर मीडिया में चल रही अटकलों के बीच हुई है, जिसमें मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्दारमैया का मुकाबला उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से है। परमेश्वर ने इस मुलाकात को सौहार्दपूर्ण और व्यक्तिगत बताया और इसे "पारिवारिक" मुलाकात कहा। उन्होंने कहा कि चर्चा पेयजल की कमी और बजट प्रावधानों जैसी राज्य की चिंताओं पर केंद्रित थी और इसमें राजनीतिक मुद्दों पर कोई बात नहीं हुई। राजनीतिक विश्लेषकों और मीडिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि सरकार के आधे कार्यकाल के पूरा होने पर कांग्रेस नेतृत्व पर आंतरिक नेतृत्व संबंधी अटकलों को सुलझाने का दबाव बढ़ रहा है। वरिष्ठ नेता कथित तौर पर इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि क्या शिवकुमार को सिद्दारमैया के बाद अगला मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिए।

इन अटकलों के बावजूद शिवकुमार ने दोहराया है कि उन्हें मुख्यमंत्री पद संभालने की कोई जल्दी नहीं है और वे पार्टी हाई कमांड के फैसले का पालन करेंगे। वहीं सिद्दारमैया ने भी इस बात पर जोर दिया है कि नेतृत्व का फैसला केंद्रीय कमान के हाथ में है, और इस बात को रेखांकित किया कि अटकलों के बीच दोनों नेता एकजुट हैं। पर्यवेक्षकों का मानना है कि परमेश्वर की टिप्पणियों और इन मुलाकातों के दौरान उनके रुख पर बारीकी से नजर रखी जाएगी, क्योंकि ये राज्य के सर्वोच्च पद की दौड़ में चल रही व्यापक रणनीतिक गणनाओं को प्रभावित कर सकती हैं।

छत्तीसगढ़ में राजिम कुंभ 1 फरवरी से

रायपुर, 31 जनवरी। छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान के रूप में प्रसिद्ध राजिम एक बार फिर सनातन परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनने जा रहा है। माघ पूर्णिमा 1 फरवरी से महाशिवरात्रि 15 फरवरी

- **यह वृहद् धार्मिक कार्यक्रम महाशिवरात्रि, 15 फरवरी तक चलेगा।**

2026 तक आयोजित होने वाले राजिम कुंभ कल्प 2026 का भव्य आयोजन इस वर्ष भी नए मेला स्थल चौबेबांधा, राजिम में किया जाएगा।

कुंभ कल्प का शुभारंभ माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका के करकमलों से करेंगे। राजिम कुंभ कल्प के शुभारंभ अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिष्ठित संत-महात्माओं का आगमन होगा।

कश्मीर घाटी में अभी और बर्फ गिरने की संभावना

श्रीनगर, 31 जनवरी। मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर खासकर ऊंचाई वाले इलाकों में आगामी दिनों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी होने के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, कश्मीर में अगले कुछ दिनों के दौरान कमजोर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय रहेंगे। उल्लेखनीय है कि कश्मीर घाटी में चिल्लई कलां, यानी सर्दियों के सबसे कठोर 40 दिनों के दौरान दो बार अच्छी बर्फबारी दर्ज की गयी थी। चिल्लई कलां शुक्रवार को समाप्त हो गया।

एनजीटी ने यमुना नदी में प्रदूषण रोकने के सख्त निर्देश दिये

शिमला, 31 जनवरी। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पानी की बिगड़ती गुणवत्ता, जलीय जीवन और नदी के स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के साथ-साथ प्रमुख केंद्रीय एजेंसियों को यमुना नदी में प्रदूषण को रोकने के लिये निगरानी और प्रवर्तन तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. ए. सेंथिल वेल की अध्यक्षता वाली

- **ये निर्देश उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के साथ प्रमुख केन्द्रीय एजेंसियों को दिए गए हैं।**

पीठ ने 16-पृष्ठ के विस्तृत आदेश में एक मूल आवेदन का निपटारा करते हुए राज्यों को 10 विशिष्ट निर्देश जारी किए। इसमें उनके संबंधित अधिकार क्षेत्र में अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक कचरे को बहाये जाने की जांच करने और अनुपचारित कचरे को नदी में प्रवेश करने से रोकने में केंद्रीय एजेंसियों की सहायता करने के उपायों की रूपरेखा तैयार की गयी है।

एनजीटी एक मीडिया रिपोर्ट के आधार पर शुरू किये गये स्वतः संज्ञान आवेदन पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें यमुना में देशी मछली प्रजातियों में भारी गिरावट और प्रदूषण-सहिष्णु विदेशी प्रजातियों में इसी तरह की वृद्धि पर प्रकाश डाला गया था।

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्नी सुनेत्रा पवार ने आज शाम ही महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। वे अपने पति दिवंगत अजित पवार के स्थान पर फडणवीस मंत्रिमंडल में शामिल हुई हैं। पवार राज्य मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री थे। उनका 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में निधन हो गया था। उपमुख्यमंत्री रहते हुए पवार के पास वित्त, खेल, आबकारी जैसे मंत्रालय थे।

पहली बार जनप्रियता नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसे कदम यह साफ़ करेंगे कि मोदी सरकार अब भी राज्य-प्रेरित विस्तार (स्टेट-ड्रिवन एक्सपैन्शन) के बजाय, बाज़ार आधारित विकास (मार्केट लैड ग्रोथ) के पक्ष में है। पूंजी और ट्रेडिंग पर टैक्स का बोझ कम करके सरकार का मक़सद लिक्विडिटी को बढ़ाना, बाज़ार की गहराई सुधारना और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफ.आई.आई.) को आकर्षित करना है, जिनका प्रवाह अब वैश्विक ब्याज दरों और नीतिगत स्थिरता को लेकर ज़्यादा संवेदनशील हो गया है।

हालांकि, सुधारों पर जोर देने के साथ-साथ, राजनीतिक गणनाएं भी चल रही हैं। इस साल पाँच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं और ऐसे में केन्द्र से होने वाला खर्च चुनावी भूगोल को ध्यान में रखकर तय किए जाने की उम्मीद है।

इन चुनावी राज्यों में बुनियादी ढांचे, सामाजिक कल्याण योजनाओं और रोज़गार से जुड़े कार्यक्रमों पर बढ़ा हुआ खर्च प्रमुख रूप से सामने आ सकता है। इससे सरकार विकास-केन्द्रित शासन की छवि पेश करते हुए अपनी राजनीतिक पकड़ भी मज़बूत करना चाहती है।

यह दोहरी रणनीति, केन्द्र में बाज़ार को खुश करना और राज्यों में लक्षित खर्च सरकार की सुधारवादी महत्वाकांक्षा को चुनावी व्यावहारिकता के साथ संतुलित करने के प्रयास को उजागर करती है।

आलोचकों का कहना है कि इस तरह की चुनिंदा उदारता से वित्तीय प्राथमिकताएं बिगड़ सकती हैं, जबकि समर्थकों का तर्क है कि असमान रिकवरी के दौर में क्षेत्रीय प्रोत्साहन, मांग को बनाए रखने के लिए ज़रूरी है। वित्तीय अनुशासन एक और महत्वपूर्ण बाधा बनी हुई है।

वैश्विक रेटिंग एजेंसियां और बॉन्ड बाज़ार भारत के घाटे और कर्ज़ की स्थिति पर करीबी नज़र रखे हुए हैं। ऐसे में सरकार के पास खुले तौर पर लोकलुभावन नीतियों के लिए सीमित गुंजाइश है। किसी भी विस्तारवादी कदम के साथ घाटा कम करने, परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण (एसैट मॉनटाइज़ेशन) और टैक्स कंप्लायंस बेहतर करने के ठोस वादे भी ज़रूरी होंगे।

टैक्सेशन के अलावा, बजट से मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात एजेंडे को भी मजबूत करने की उम्मीद है, खासकर तब, जब वैश्विक कंपनियां सप्लाई चेन को चीन से दूर ले जाकर विविधता लाने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि सिर्फ़ प्रोत्साहन काफ़ी नहीं होंगे, नियामक स्पष्टता, अनुबंधों का प्रभावी क्रियान्वयन और विवादों का तेज़ समाधान ही भू-राजनीतिक अवसरों को वास्तविक निवेश में बदल पाएगा।

आख़िरकार, मोदी 3.0 का दूसरा बजट बड़े और चौंकाने वाले ऐलानों से ज़्यादा रणनीतिक संकेत देने वाला होगा। यह बताएगा कि क्या सरकार चुनावी दबावों और वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेश को पुनर्जीवित करने के लिए गहरे आर्थिक सुधारों को प्राथमिकता देने को तैयार है। ऐसा करके यह बजट, मोदी 3.0 के सामने खड़े एक बुनियादी सवाल का भी जवाब देगा, पहले बाज़ार या पहले मतदाता, या फिर दोनों का सोच-समझकर तैयार किया गया मिश्रण।

क्या एनसीपी के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, "हमें शपथ ग्रहण के बारे में कुछ नहीं पता। हमें इसकी जानकारी समाचारों से मिली।

मुझे शपथ ग्रहण के बारे में कोई जानकारी नहीं है।"

उन्होंने बारामती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यह बात कही, जब उनसे यह पूछा गया कि क्या पवार परिवार का कोई सदस्य समारोह में शामिल होगा।

एनसीपी (एसपी) नेता अंकुश काकड़े ने दावा किया कि अजित पवार अपने जन्मदिन (12 दिसंबर) पर चाचा शरद पवार को पुनर्मिलन का 'तोहफ़ा' देना चाहते थे, लेकिन उस समय यह विलय आकार नहीं ले सका।

काकड़े के अनुसार, अजित पवार ने उनसे और अन्य वरिष्ठ नेताओं, जिनमें विठ्ठल शेठ मणियार और श्रीनिवास पाटिल शामिल थे, जो वरिष्ठ पवार के क़रीबी माने जाते हैं, से सुलह की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का आग्रह किया था।

काकड़े ने जूनियर पवार के शब्दों को याद करते हुये कहा, "आपके साहेब (शरद पवार) से अच्छे संबंध हैं; कृपया उनसे बात करें। यह देखने की कोशिश करें कि एनसीपी के दोनों गुट किस तरह फिर से एक हों।

एनसीपी (एसपी) नेता ने कहा, "अजित पवार ने मुझसे कहा था कि हमें 12 दिसंबर को एक होना था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कोई बात नहीं, हम चुनावों के बाद साथ आ जाएँगे। दुर्भाग्यवश, वे अपनी यह इच्छा पूरी नहीं कर सके।"

सूत्रों के अनुसार, शरद पवार और अजित पवार ने 17 जनवरी को पार्टी के संभावित पुनर्मिलन पर चर्चा के लिए मीटिंग की थी। दोनों ने 12 फरवरी को इस पुनर्मिलन की घोषणा करने का निर्णय लिया था।

जब पुनर्मिलन के बारे में पूछा गया, तो वरिष्ठ पवार ने कहा कि चर्चा के दौरान अजित पवार और जयंत पाटिल मौजूद थे, और अब इस पर अंतिम फ़ैसला पाटिल लेंगे।

'फैक्ट्री के गोदाम में लगी आग की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो'

भाजपा ने आरोप लगाया कि प.बंगाल सरकार इस अग्निकांड के आरोपियों को बचा रही है

नयी दिल्ली, 31 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल सरकार पर कोलकाता के पास आनंदपुर में वॉव मोमो के गोदाम में आग लगने की घटना के लिए जिम्मेदार बड़े लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए घटना की उच्चतम न्यायालय की निगरानी जांच कराये जाने की शनिवार को मांग की।

भाजपा ने कहा कि अकेले जनवरी में पश्चिम बंगाल में कम से कम पांच जगहों पर विभिन्न फैक्ट्रियों में आग लगने की घटनाएं हो चुकी है जो दर्शाती है जो राज्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अग्निशमन और बचाव के नियमों का अनुपालन नहीं कराया जा रहा है।

पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरुप्रकाश

- **भाजपा ने कहा कि इस फैक्ट्री वॉव मोमो के प्रमुख मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के करीबी हैं।**
- **ज्ञातव्य है कि इस अग्निकांड में 27 मजदूरों की मौत हुई है।**

ने भाजपा मुख्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन में खबरों का हवाला देते हुए कहा कि आनंदपुर फैक्ट्री दुर्घटना में कम से कम 27 गरीब और मेहनतकश लोगों की जान चली गयी और बहुत से लोग लापता हैं। उन्होंने इस दुर्घटना को भीषण और वीभत्स बताते हुए कहा कि वॉव मोमो के प्रमुख मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नजदीकी है इसलिए राज्य सरकार इस पर चुप है। फैक्ट्री के गोदाम मैनेजर और एकाध निचले स्तर के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की खानापूर्ति कर इतनी बड़ी घटना पर सरकार चुप लगा गयी है।

भाजपा मीडिया में प्रकाशित एक सचित्र रिपोर्ट को दिखाते हुए कहा कि वॉव मोमो के प्रमुख मुख्यमंत्री के करीब है और वह उनकी मैड्रिड यात्रा में उनके साथ थे। उन्होंने कहा, राज्य में कानून नहीं, एक व्यक्ति का शासन है। आनंदपुर फैक्ट्री दुर्घटना पर सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दिख रही है।

अचानक क्यों बदला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्या यह सीट सबसे ऊँची बोली लगाने वाले को दी गई?

हालाँकि तीन लंबित सीटों की अभी घोषणा कर दी गई है, लेकिन एक सीट अब भी घोषित और तय नहीं हो पाई है, सिर्फ कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ठ नेता की ज़िद के कारण।

राजसमंद के ज़िला अध्यक्ष का पद अब भी लंबित है, क्योंकि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी. पी. जोशी अपनी पसंद के व्यक्ति की नियुक्ति चाहते हैं। जोशी चाहते हैं कि आदित्य प्रताप सिंह, जो एक राजपूत नेता हैं, को यह पद दिया जाए, क्योंकि इससे पहले उन्होंने उन्हें ज़िला का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कराया था।

समस्या यह है कि दोनों ओर की दो पड़ोसी सीटों-प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़, में पहले से ही राजपूत ज़िला अध्यक्ष हैं, जबकि पार्टी यहाँ ओबीसी चेहरे को आगे बढ़ाकर ओबीसी समुदाय को एक मज़बूत संदेश देना चाहती है।

लेकिन एक व्यक्ति की ज़िद के कारण यह पद अब तक लंबित पड़ा है।

दिलचस्प बात यह है कि पीसीसी अध्यक्ष डोटासरा इस मामले में, और राजस्थान से कांग्रेस को मिलने वाली

- **आजकल डोटासरा सी.पी. जोशी के साथ हैं, क्योंकि दोनों इस वक्त अशोक गहलोत विरोधी हैं।**
- **प्रारंभ में सी.पी. जोशी गहलोत विरोधी थे, पर, गहलोत के मु.मंत्री बनने पर वे गहलोत समर्थक हो गए थे और अब वो पुनः डोटासरा की भांति गहलोत विरोधी हैं।**
- **प्रभारी रंधावा भी इसी "रोड मैप" पर चल रहे हैं, क्योंकि वे प्रदेशाध्यक्ष के बनाये रास्ते पर ही चलना उचित समझते हैं।**
- **इन मौसम की तरह बदलते समीकरणों में, यह कहना इतना आसान नहीं कि क्यों और कैसे जिलाध्यक्ष नियुक्त हो रहे हैं, पर, एक मूल सत्य यह है कि जिसने जितनी बड़ी बोली लगाई उसकी नियुक्ति की संभावना प्रबल होती जाती है।**

एकमात्र राज्यसभा सीट के मामले में भी, सी. पी. जोशी का खुलकर समर्थन कर रहे हैं और उनका साथ दे रहे हैं।

कारण सीधा है, सत्ता में कौन है, इसके अनुसार नेताओं के बीच समीकरण बदलते हैं और यह लगभग आम होता जा रहा है।

वर्तमान में डोटासरा और जोशी- दोनों ही अशोक गहलोत के खिलाफ़ है। गहलोत ने ही डोटासरा को प्रदेश अध्यक्ष पद तक पहुँचाया, जो आज वे हैं, बनाया। सी. पी. जोशी पहले गहलोत विरोधी थे, फिर जब गहलोत मुख्यमंत्री बने तो उनके समर्थक हो गए, और अब वे फिर से गहलोत विरोधी हो गए हैं।

रंधावा ने भी वही रास्ता अपनाया है और अब वे पूरी तरह डोटासरा के साथ खड़े हैं, और दोनों जाट हैं।

आने वाले दिनों में ऐसे कई और समीकरण सामने आएँगे।

अमेरिका यूएन (संयुक्त राष्ट्र संघ) को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने मूल तंत्र को चलाए रखने के लिए आकलित योगदानों, सदस्य देशों द्वारा दिए जाने वाले अनिवार्य शुल्क, पर निर्भर करता है। इसके कार्यों में प्रमुख हैं: शांति स्थापना की निगरानी, मानवीय समन्वय, राजनीतिक मध्यस्थता, मानवाधिकार निगरानी और विकास समर्थन। जब सबसे बड़ा योगदानकर्ता भुगतान रोक लेता है, तो व्यवस्था केवल धीमी ही नहीं पड़ती, बल्कि वह जाम होने लगती है।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारी चेतावनी दे रहे हैं कि पूंजी की कमी पहले से ही कठिन फैसले लेने को मजबूर कर रही है, जैसे कर्मचारियों और विक्रेताओं को भुगतान में देरी, मिशनों का सीमित होना, मानवीय तैनाती का स्थगन, और संकटों के लिए रखे गए आपात भंडार का क्षरण। वस्तुतः दुनिया की एकमात्र सार्वभौमिक बहुपक्षीय संस्था से यह अपेक्षा की जा रही है कि वह उधार पर काम करे, जबकि दुनिया भर में उसकी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ रही है।

यह हिसाब-किताब की कोई अर्मूत समस्या नहीं है। यह तो ऐसे समय में हो रहा है, जब संघर्ष बढ़ रहे हैं, जलवायु की समस्या तीव्र हो रही है, दुनिया भर में भूख बढ़ रही है, और विस्थापन रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच चुका है। गाज़ा से सूडान तक, हैती से म्यांमार तक, संयुक्त राष्ट्र अक्सर आख़िरी कार्यशील अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति होता है, जो सहायता का समन्वय करता है, नाज़ुक युद्धविरामों में मध्यस्थता करता है तथा, जब कोई और नहीं करता, तो अत्याचारों का दस्तावेज़ीकरण भी करता है।

गरीब देशों के लिए तो इसके निहितार्थ विशेष रूप से गंभीर हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली विश्व खाद्य कार्यक्रम के माध्यम से खाद्य सहायता देती है, यूएनएचसीआर के ज़रिये शरणार्थियों की मदद करती है, डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व में स्वास्थ्य कार्यक्रम और यूएनडीपी के माध्यम से विकास वित्त का समन्वय करती है। संयुक्त राष्ट्र की क्षमता में कोई भी कटौती सबसे पहले और सबसे अधिक निम्न आय वाले देशों को प्रभावित करती है, क्योंकि उनके पास वैकल्पिक सुरक्षा तंत्र नहीं होता।

कई संवदेनशील देशों में, संयुक्त राष्ट्र एजेंसियाँ अनुपस्थित या ढह चुकी राष्ट्रीय संस्थाओं का प्रभावी विकल्प बन जाती हैं। वे वैक्सीन पहुँचाती हैं, शरणार्थी शिविरों में स्कूल चलाती हैं, चुनाव निगरानी का समर्थन करती हैं, और सरकारों को ऋण प्रबंधन, जलवायु अनुकूलन तथा संघर्षोत्तर पुनर्निर्माण में मदद करती हैं। जब फंड नहीं मिलता, तो ये जीवनरेखाएँ पतली पड़ जाती हैं या पूरी तरह गायब हो जाती हैं।

इस संकट में एक गहरा भू-राजनीतिक संकेत भी निहित है। अमेरिका द्वारा अपने संयुक्त राष्ट्र दायित्वों को पूरा न करना केवल संगठन की वित्तीय स्थिति को ही नहीं, बल्कि उसकी नैतिक प्रतिष्ठा और राजनीतिक सुसंगतता को भी कमज़ोर करता है। वॉशिंगटन लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र को नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का स्तंभ बताता आया है। लगातार भुगतान न करना इस दावे को कमजोर करता है और अन्य देशों को भी अपने दायित्वों में देरी या कटौती के लिए प्रोत्साहित करता है।

उभरते और गरीब देशों के लिए यह क्षरण महत्वपूर्ण है। संयुक्त राष्ट्र उन गिने-चुने मंचों में से एक है, जहाँ छोटे राज्यों की आवाज़ लगभग बड़ी शक्तियों के बराबर होती है। वित्तीय रूप से कमजोर संयुक्त राष्ट्र कम स्वतंत्र, अधिक दाता-निर्भर और सीमित संख्या में अमीर या रणनीतिक रूप से प्रेरित राज्यों के दबाव के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकता है।

एक रणनीतिक शून्य का जोखिम भी है। जैसे-जैसे पश्चिमी फंडिग कमज़ोर पड़ती जा रही है, अन्य शक्तियाँ चयनात्मक रूप से आगे आ सकती हैं, राजनीतिक निष्ठा से जुड़ी सहायता की पेशकश करते हुए, न कि सार्वभौमिक मानदंडों के आधार पर। इससे वैश्विक शासन के प्रतिस्पर्धी गुटों में विखंडन तेज़ हो सकता है, एक ऐसा विकास, जो उन गरीब देशों को असमान रूप से नुकसान पहुँचाता है, जो महान शक्तियों के संरक्षण के बजाय तटस्थ बहुपक्षीय ढाँचों पर निर्भर रहते हैं।

इसलिए महासचिव की चेतावनी बैलेंस शीट की बजाय, विश्वसनीयता से अधिक जुड़ी है। स्थायी किफ़ायत में धकेला गया संयुक्त राष्ट्र न तो प्रभावी ढंग से युद्धों में मध्यस्थता कर सकता है, न जलवायु कार्रवाई का समन्वय कर सकता है, और न ही महामारियों का जवाब दे सकता है। बजट कटौती से खोखली हो चुकी निगरानी व्यवस्थाओं के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क़ानून को भी कायम नहीं रख सकता।

दुनिया की सबसे गरीब आबादी के लिए खतरा कई गुना है। कम शांति सैनिकों का मतलब अधिक अस्थिरता। मानवीय सहायता में देरी का मतलब अधिक मृत्यु दर। विकास समन्वय में कमी का मतलब झटकों से उबरने की धीमी गति, चाहे वे आर्थिक हों, जलवायु संबंधी हों या राजनीतिक।

ऐसे समय जब विश्व में असमानता बढ़ रही है और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में भरोसा पहले ही कमज़ोर पड़ता जा रहा है, संयुक्त राष्ट्र में वित्तीय आपदा यह नुकसानदेह संदेश देगी कि सामूहिक समस्या-समाधान वैकल्पिक है, और विश्व सार्वजनिक हितों को तब तक हल्के में लिया जा सकता है, जब तक वे विफल न हो जाएँ।

विडंबना यह है कि संयुक्त राष्ट्र के मूल कार्यों को बनाए रखने की लागत, अनियंत्रित संघर्ष, अव्यवस्थित प्रवासन, महामारियों या जलवायु आपदाओं की कीमत की तुलना में नगण्य है। फिर भी, विशेषकर अपने सबसे बड़े योगदानकर्ता से फंड नहीं मिलने से संगठन को पक्षाघात की ओर धकेला जा रहा है।

अतः दांव पर केवल संयुक्त राष्ट्र की वित्तीय स्थिरता नहीं है, बल्कि बहुपक्षवाद का भविष्य ही है। गरीब देशों के लिए, संयुक्त राष्ट्र की वित्तीय नींव का ढहना ऐसी दुनिया का संकेत होगा, जो कम सहयोगी, कम पूर्वानुमेय और कहीं अधिक कठोर होगी, ठीक उसी समय, जब वे इसे वहन करने में सबसे कम सक्षम होंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908